डाक पंजीयन 29/2010-2012

दैनिक

आज की जनधारा

सीधी और सच बात, साहस के साथ

भोपाल,रायपुर, बिलासपुर, जगदलपुर से प्रकाशित

वेब संस्करण
www.aajkijandhara.com
www.jandhara.in
Jandhara24x7
@AJandhara/Jandhara24/7
AajkiJandhara & Jandhara24x7
9981126516, 9425203900

RNI.NO.MPHIN/ 25/A3544

वर्ष : 01, अंक : 197, भोपाल, मंगलवार 19 मई 2026, पृष्ठ: 12,मूल्य: 2/- | aajkijandhara.news | aajkijandhara | NewsAkj | ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष-3, वि.सं. 2083

गुंडाधुर की धरती बनेगी तीर्थस्थलः शाह

बस्तर में कहा- 50 सालों में जो नुकसान हुआ, उसकी भरपाई 4-5 साल में करेंगे

रायपुर/जगदलपुर। नक्सलवाद खात्मे के बाद पहली बार बस्तर पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि बस्तर के लोगों का 50 सालों में जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई हम 4-5 सालों में करेंगे। उन्होंने कहा कि जब तक बस्तर विकसित न हो तब तक हमारा संकल्प अधूरा होगा। इससे पहले नेतानार में शाह ने कहा कि, आज का दिन ऐतिहासिक है, क्योंकि पिछले 6 महीनों के काम के बाद अब यह पूरा क्षेत्र आदिवासियों से भरा दिखाई दे रहा है। उन्होंने याद दिलाया कि इसी धरा से अंग्रेजों के खिलाफ जंग लड़ने का काम अमर शहीद गुंडाधुर ने किया था।

शाह ने कहा कि एक दौर वह भी था जब यहां एक साथ 6 पुलिसवालों की हत्या कर दी जाती थी, स्कूल उजाड़ दिए जाते थे और गरीबों का राशन तक छीन लिया जाता था। नक्सलियों का खौफ ऐसा था कि वे मासूम बच्चों को उनके बचपन में ही जबरन उठा ले जाते थे। गृह मंत्री ने आगे कहा कि अब सरकार ने कड़े कदम उठाकर बस्तर से इस गनतंत्र को पूरी तरह समाप्त कर दिया है। इसके साथ ही अब इस ऐतिहासिक धरती को एक तीर्थस्थल के रूप में विकसित करने का काम शुरू किया जा रहा है।

यहां के आदिवासी बच्चों को अब वे तमाम आधुनिक सुविधाएं दी जा रही हैं, जो पहले केवल बड़े शहरों में ही मिलती थीं। अब हर गरीब परिवार तक पीने का साफ पानी पहुंचाया जा रहा है, उनके राशन कार्ड और आधार कार्ड बनाए जा रहे हैं और उन्हें 5 लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज की सुविधा मिल रही है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि शहीद जवानों का बलिदान छत्तीसगढ़ कभी नहीं भूलेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शहीद परिवारों के सम्मान, सुरक्षा और कल्याण के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि बस्तर अब शांति, विश्वास और विकास की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है और इसमें सुरक्षाबलों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

पुलिस अधिकारियों का किया गया सम्मानः नेतानार के बाद अमित शाह जगदलपुर के आसना में स्थित बादल अकादमी पहुंचे। यहां बीएसएफ, सीआरपीएफ, आईटीबीपी, एनआईए, एसएसबी और एनटीआरओ के अधिकारियों को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ एडीजी विवेकानंद सिन्हा और बस्तर आईजी सुंदरराज पी का भी सम्मान किया गया।

पहले गांव जाना मुश्किल था, अब हालात बदले- जानकी कश्यपः बस्तर में नक्सलियों के खिलाफ लड़ाई लड़ने वाले जवानों ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से बातचीत की। उन्होंने बसवाराजू समेत 38 नक्सलियों के एनकाउंटर के बारे में बताया। इस दौरान नक्सल हिंसा से प्रभावित परिवारों ने भी अपना दर्द बयां किया। जगरगुंडा की रहने वाली जानकी कश्यप ने बताया कि उनकी आंखों के सामने नक्सलियों ने उनके देवर समेत 7-8 लोगों की हत्या कर दी थी। पीड़ित परिवारों ने कहा कि पहले गांव जाना मुश्किल था, लेकिन पुलिस की मौजूदगी और सड़कों के निर्माण से हालात बदले हैं। शहीद जवान की बहन पिंकी सेठिया ने कहा कि, अब बस्तर के जंगल में ड्यूटी कर रहे जवानों के परिवार वालों को डर नहीं रहेगा कि हमारे बेटे जंगलों में ड्यूटी कर रहे हैं।

112 के 400 हाईटैक वाहन को दिखाई हरी झंडीः इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रायपुर के माना स्थित पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में डायल 112 के 400 नए वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अब क्राइम, मेडिकल इमरजेंसी, आगजनी पर एक ही नंबर पर मदद मिलेगी।

रायपुर के इस कार्यक्रम के तुरंत बाद अमित शाह नेतानार से जगदलपुर रवाना हो गए हैं। यहां अमर वाटिका में शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। दौरे के अंतिम चरण में वे जगदलपुर में ही मध्य क्षेत्रीय परिषद की 26वीं बैठक की अध्यक्षता करेंगे, जिसमें छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री शामिल होकर विकास कार्यों पर चर्चा करेंगे।

क्राइम, मेडिकल और आगजनी के लिए एक नंबरः 'एक्के नंबर, सब्बो बर' थीम पर शुरू की गई डायल-112 सेवा में पुलिस, फायर और मेडिकल इमरजेंसी को एक प्लेटफॉर्म से जोड़ा गया है। इसके लिए 400 हाईटेक वाहन उतारे गए हैं, जिनमें जीपीएस, डैश कैम, पीटीजेड कैमरा, वायरलेस रेडियो और सोलर बैकअप जैसी सुविधाएं हैं। इससे घटनास्थल की लाइव मॉनिटरिंग, रियल टाइम ट्रैकिंग और तेजी से रिस्पॉन्स संभव होगा।

डायल-112 सेवा का पूरे प्रदेश में विस्तारः डायल 112 सेवा का विस्तार राज्य सरकार की उन बड़ी योजनाओं में शामिल है, जिसके जरिए पुलिस रिस्पॉन्स सिस्टम को मजबूत किया जा रहा है। डिप्टी सीएम विजय शर्मा के मुताबिक, अभी तक सिर्फ 16 जिलों तक सीमित रहने वाली इस सेवा को अब पूरे छत्तीसगढ़ में लागू किया जा रहा है। इस नई व्यवस्था के तहत प्रदेश के सभी थानों को डायल-112 से जोड़ा जाएगा, ताकि आपातकालीन परिस्थितियों में आम जनता तक पुलिस सहायता पहले की तुलना में ज्यादा तेज और प्रभावी ढंग से पहुंच सके।

हर जिले को फॉरेंसिक जांच की सुविधाः राज्य सरकार ने इस दौरे के दौरान अपराध जांच सिस्टम को तकनीकी रूप से मजबूत किया है। इसके तहत प्रदेश के सभी 33 जिलों के लिए आधुनिक सुविधाओं से लैस मोबाइल फॉरेंसिक यूनिट्स रवाना की गईं। इन विशेष वाहनों में लगे आधुनिक उपकरणों की मदद से घटनास्थल पर ही शुरुआती जांच हो सकेगी।

आज मध्य क्षेत्रीय परिषद की अहम बैठकः दौरे के तीसरे दिन यानी 19 मई मंगलवार को जगदलपुर में मध्य क्षेत्रीय परिषद की 26वीं बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक चलेगी। इसकी अध्यक्षता केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह करेंगे। इस बैठक में 4 राज्यों के मुख्यमंत्री और वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। बैठक में अंतरराज्यीय समन्वय, क्षेत्रीय विकास, सुरक्षा व्यवस्था, नक्सल प्रभावित इलाकों की स्थिति और प्रशासनिक सहयोग जैसे मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक को इसलिए भी अहम माना जा रहा है क्योंकि इसमें राज्यों के बीच समन्वय से जुड़े कई लंबित मुद्दों पर चर्चा हो सकती है।

सुरक्षा-विकास पर रहेगा फोकस

दौरे के दौरान उनका मुख्य फोकस सुरक्षा व्यवस्था, बस्तर में विकास कार्यों की समीक्षा, जनसुविधाओं के विस्तार और मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक पर रहेगा। इस दौरे में सुरक्षा और विकास के बीच संतुलन बनाने की कोशिश नजर आएगी। डायल-112 सेवा के विस्तार से लेकर बस्तर में जन सुविधा केंद्र के उद्घाटन, फॉरेंसिक यूनिट्स, और शहीद जवानों को श्रद्धांजलि तक, कार्यक्रमों की पूरी श्रृंखला इसी दिशा में तैयार की गई है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद दिल्ली रवाना होंगे

बैठक के बाद दोपहर भोजन का कार्यक्रम रखा गया है। इसके बाद अमित शाह दोपहर 2:50 बजे से 3:30 बजे तक प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। माना जा रहा है कि इस दौरान वे सुरक्षा, विकास और परिषद बैठक से जुड़े अहम फैसलों की जानकारी साझा कर सकते हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद वे जगदलपुर एयरपोर्ट के लिए रवाना होंगे और शाम 3:45 बजे विशेष विमान से दिल्ली लौट जाएंगे। उनका विमान शाम 6 बजे पालम स्थित एयरफोर्स स्टेशन पहुंचेगा, जहां से वे सड़क मार्ग से अपने आवास रवाना होंगे। अमित शाह के इस दौरे को छत्तीसगढ़, खासकर बस्तर क्षेत्र के लिए काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सुरक्षा और विकास के एजेंडे के साथ हो रहे इस दौरे पर राजनीतिक और प्रशासनिक दोनों स्तरों पर नजर बनी हुई है।

गुप्त चैंबर बनाकर की जा रही थी तस्करी

गुजरात जा रही कार से नौ करोड़ के आभूषण जब्त

सरायपाली। सीमा स्थित सिंघोड़ा पुलिस को चेकिंग के दौरान रेहटीखोल नाके में ओडिशा से गुजरात जा रही एक वैक्सवैगन आर कार से 9 करोड़ 17 लाख रुपए मूल्य के अधिक राशि का रेडीमेड आभूषण जप्त किए जाने की बहुत बड़ी सफलता मिली है।

इस संबंध में सिंघोड़ा टीआई संतोष सिंहवाने जानकारी देते हुवे बताया कि महासमुंद जिले में अवैध गतिविधियों एवं सीमावर्ती क्षेत्रों से हो रहे अवैध परिवहन पर रोक लगाने चलाए जा रहे सघन चेकिंग अभियान के दौरान सिंघोड़ा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। एनएच-353 स्थित रेहटीखोल नाका में वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने एक वैक्सवैगन कार से करीब 9 करोड़ 17 लाख रुपए से अधिक मूल्य के सोने के आभूषण बरामद किए हैं। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 17 मई 2026 को उड़ीसा की ओर से आ रही वोक्सवैगन कार क्रमांक जीजे 03 एनपी 4230 को रोककर जांच की गई। कार में सवार तीन व्यक्तियों से पूछताछ के दौरान पुलिस को संदेह हुआ। तलाशी लेने पर कार की पिछली सीट में बनाए गए चेंबर में रखे दो पीठू बैग बरामद हुए, जिनमें छह प्लास्टिक बॉक्स में विभिन्न प्रकार के सोने के आभूषण रखे मिले। जांच में कुल 7512.488 ग्राम सोने के आभूषण बरामद हुए, जिनकी कीमत 9 करोड़ 17 लाख 84 हजार 220 रुपए आंकी गई है।

सरगुजा में 95किलो चांदी और 760 पुराने फोन जब्त

सरगुजा। अंबिकापुर की गांधीनगर पुलिस ने ओमनी कार से 95 किलो से अधिक चांदी के पुराने पायल और 760 पुराने फोन जब्त किया है। पुलिस ने पश्चिम बंगाल के 5 युवकों को गिरफ्तार किया गया है। चांदी और पुराने फोन चोरी के होने के शक पर कार्रवाई की गई है। जानकारी के मुताबिक, बनारस रोड पर थाने के सामने वाहनों की चेकिंग चल रही थी। इसी दौरान ओमनी वाहन को रोककर जांच की गई, तो गाड़ी में बड़ी मात्रा में चांदी के पुराने पायल और पुराने फोन भरे मिले। पुलिस ने पुराने पायलों और मोबाइल के बारे में पूछताछ की, तो वे ज्यादा जानकारी नहीं दे सके।

दूसरे राज्यों में बेचते फोन, साइबर फ्रॉड में होता इस्तेमालः पुलिस ने बताया कि, कुछ लोग हाट बाजार से चोरी कर दूसरे राज्य में बेचते हैं। उन मोबाइलों का इस्तेमाल साइबर फ्रॉड और बाकी असामाजिक गतिविधियों में किया जाता है। कार से जब्त पुराने चांदी के पायल का कुल वजन 95 किलो 500 ग्राम है।

बंगाल के 5 आरोपी गिरफ्तारः पुलिस ने बताया कि, जब्त चांदी की कीमत एक करोड़ रुपए से अधिक है। आरोपियों के कब्जे से 110 टच स्क्रीन और 650 कीपैड मोबाइल बरामद किया है। पकड़े गए आरोपियों में सेन्तु शेख (26), गफ्फार शेख (28), असिम शेख (23), इब्राहिम शेख (30) और माशदुल शेख (37) सभी निवासी हरिहरपाड़ा जिला मुर्शीदाबाद पश्चिम बंगाल शामिल हैं।

योगी बोले- सड़क पर नमाज नहीं पढ़ने देंगे

- प्यार से नहीं माने तो दूसरा तरीका अपनाएंगे

लखनऊ। यूपी में बकरीद से एक हफ्ते पहले सड़कों पर नमाज को लेकर सीएम योगी ने सख्त चेतावनी दी। सोमवार को लखनऊ में अमर उजाला के कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि सड़कों पर नमाज नहीं पढ़ने दी जाएगी। प्यार से मानेंगे ठीक है, नहीं मानेंगे तो दूसरा तरीका अपनाएंगे। योगी ने कहा कि नमाज पढ़नी है तो तय जगह पर पढ़िए। संख्या ज्यादा है तो शिफ्ट में पढ़ लीजिए। हम नमाज नहीं रोकेंगे, लेकिन सड़क पर अराजकता नहीं होने देंगे। सड़कें नमाज पढ़ने या किसी तरह की भीड़ जुटाने के लिए नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि लोग मुझसे पूछते हैं कि क्या यूपी में सड़कों पर नमाज होती है? मैं कहता हूं- कतई नहीं। सड़कें आम लोगों के चलने के लिए हैं। कोई भी आकर ट्रैफिक डिस्टर्ब करे, यह अधिकार किसी को नहीं है। योगी ने आगे कहा कि उन लोगों ने मुझसे कहा कि साहब कैसे होगा, हमारी संख्या ज्यादा है। हमने कहा कि तुम्हारे घर में रहने की जगह नहीं है, तो संख्या कंट्रोल कर लो। सामर्थ्य नहीं है, तो क्यों बेकार में संख्या बढ़ाई जा रही है? सभी को सिस्टम से रहना होगा। सभी को कानून का राज मानना होगा।

सीएम योगी ने बरेली में हुए बवाल का भी जिक्र किया।

पीएम मोदी की नॉर्वे यात्रा: 100 बिलियन का निवेश और 10 लाख नौकरियां

- अंतरिक्ष से लेकर आर्कटिक तक समझौते

ओस्लो। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को नॉर्वे के अपने समकक्ष जोनास गहर स्टोर के साथ व्यापार और निवेश, हरित प्रौद्योगिकी, नीली अर्थव्यवस्था और अन्य प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए बातचीत की। स्वीडन से दो दिवसीय दौरे पर यहां पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी का हवाई अड्डे पर नॉर्वे के प्रधानमंत्री स्टोर और स्कैंडिनेवियाई देश के अन्य शीर्ष नेताओं ने स्वागत किया। यह पीएम मोदी की नॉर्वे की पहली यात्रा है और 43 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की भी इस देश की पहली यात्रा है। इस दौरान पीएम मोदी ने नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोर के साथ एक साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस को भी संबोधित किया।

पीएम मोदी ने नॉर्वे की जमकर की तारीफः इस दौरान पीएम मोदी ने कहा, नॉर्वे की यात्रा करके मुझे बहुत खुशी हो रही है। यह देश नेचर और ह्यूमन प्रोग्रेस के बीच हार्मनी का एक सुंदर उदाहरण है। सबसे पहले, मैं प्रधानमंत्री का इस आत्मीयता भरे स्वागत के लिए हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। और कल नॉर्वे के संविधान दिवस के महत्वपूर्ण अवसर पर, मैं विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की ओर से, नॉर्वे जैसे सुदृढ और जीवंत लोकतंत्र की जनता को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।

मोदी को मिला 'द ग्रैंड क्रॉस' से नवाजा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक और वैश्विक सम्मान मिला है। नॉर्वे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपने सर्वोच्च सम्मान ग्रैंड क्रॉस ऑफ द रॉयल नॉर्वेजियन ऑर्डर ऑफ मेरिट से सम्मानित किया। यह नॉर्वे का टॉप सिविलियन सम्मान है। ग्रैंड क्रॉस नॉर्वेजियन रॉयल ऑर्डर ऑफ मेरिट की सर्वोच्च श्रेणी का प्रतिनिधित्व करता है। इसे सेवा और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने में योगदान के सम्मान में दिया जाता है।

वीडी सतीशन केरलम सीएम बने

- 64 साल बाद राज्य में किसी मुख्यमंत्री ने पूरी कैबिनेट के साथ शपथ ली

तिरुवनंतपुरम। कांग्रेस नेता वीडी सतीशन सोमवार को केरलम के 13वें मुख्यमंत्री बने। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने उनके अलावा पूरी कैबिनेट (20 मंत्रियों) को शपथ दिलाई। ऐसा 64 साल के बाद हुआ। इससे पहले राज्य के तीसरे कांग्रेसी मुख्यमंत्री रहे आर शंकर ने 1962 में पूरी कैबिनेट के साथ शपथ ली थी, लेकिन 1964 में अविश्वास प्रस्ताव के बाद उनकी सरकार गिर गई थी।

कार्यक्रम में राहुल और प्रियंका गांधी के अलावा पूर्व मुख्यमंत्री पी विजयन, बीजेपी नेता राजीव चंद्रशेखर समेत सभी कांग्रेस शासित राज्यों के सीएम भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

कैबिनेट में 14 नए चेहरेः केरलम की कैबिनेट में 14 विधायकों ने पहली बार मंत्री पद की शपथ ली। इसमें सीपी जॉन और एन शमसुद्दीन, केएम शाजी, पीके बशीर और वीई अब्दुल गफूर, पीसी विष्णुनाथ, रोजी एम जॉन, बिंदु कृष्णा, टी सिद्दीकी, केए थुलसी और ओजे जनीश शामिल हैं। कांग्रेस ने स्पीकर और डिप्टी स्पीकर पद भी अपने पास रखे हैं। तिरुवनचूर राधाकृष्णन को विधानसभा स्पीकर और शनिमोल उस्मान को डिप्टी स्पीकर बनाया गया है। केरलम विधानसभा में विधायकों का शपथ ग्रहण के बाद 22 मई को विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा।

धोनी ने ट्रेनिंग सेंटर में मशीनगन चलाई

चेन्नई। पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी आईपीएल के बीच रविवार को चेन्नई में नेशनल सिक्योरिटी गार्ड्स (एनएसजी) के रीजनल हब पहुंचे। यहां उन्होंने सब-मशीनगन (छोटी मशीनगन) चलाई। साथ ही पिस्टल से भी निशाना लगाया। 44 साल के धोनी ने यहां कमांडोज और उनके परिवारों के साथ समय बिताया। उनके साथ खाना खाया। उन्होंने कमांडोज से पूछा कि फिट लग रहा हूं न। इस पर जवानों ने सहमति देते हुए कहा कि पिछली बार जब आए थे, तब इससे भी फिट थे।

उमर खालिद को बेल मिल सकती थी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली दंगा साजिश मामले में जेएनयू के पूर्व छात्र नेता उमर खालिद को जमानत देने से इनकार करने वाले अपने पिछले फैसले पर आपत्ति जताई। कोर्ट ने सोमवार को यह बयान सैयद इफ्तिखार अंद्राबी से जुड़े नार्को-टेररिज्म मामले पर सुनवाई के दौरान दिया। कोर्ट ने माना कि किसी आरोपी को बेल देना एक नियम है, उसे जेल भेजना अपवाद होना चाहिए।

दो हाथियों की लड़ाई में पर्यटक की मौत

बेंगलुरु। कर्नाटक के कोडागु जिले स्थित डुबारे एलीफेंट कैंप में दो हाथियों की लड़ाई के दौरान एक महिला पर्यटक की मौत हो गई। घटना का दर्दनाक वीडियो सामने आया है, जिसमें एक हाथी महिला के ऊपर गिर गया। एक पुरुष और उसकी गोद में एक बच्चा बाल-बाल बच गए। अधिकारियों के मुताबिक, तमिलनाडु की पर्यटक तुलसी (33) नदी किनारे खड़ी होकर हाथियों को नहलाते हुए देख रही थीं। नदी में 6 से 7 हाथी थे। उनके साथ महावत भी थे। तभी दो हाथी हिंसक होकर बेकाबू हो गए। इस दौरान वहां चीख-पुकार मच गई।

सीएसएमसीएल ओवरटाइम घोटाले में पहली चार्जशीट

182 करोड़ के खेल में अनवर ढेबर समेत 12 आरोपी कोर्ट में पेश

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड (सीएसएमसीएल) में मैनपावर ओवरटाइम भुगतान घोटाले को लेकर राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण एवं एंटी करप्शन ब्यूरो ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सोमवार को विशेष न्यायालय में प्रथम अभियोग पत्र पेश कर दिया। करीब 182.98 करोड़ रुपए के कथित घोटाले में अनवर ढेबर समेत 12 आरोपियों को आरोपी बनाया गया है।

एसीबी की विवेचना में खुलासा हुआ है कि वर्ष 2019-20 से 2023-24 के बीच मैनपावर एजेंसियों को कर्मचारियों के नाम पर ओवरटाइम, बोनस, अतिरिक्त चार दिन कार्य भुगतान और सर्विस चार्ज के नाम पर भारी रकम जारी की गई। जांच में सामने आया कि यह राशि वास्तविक कर्मचारियों तक नहीं पहुंची, बल्कि कमीशनखोरी और सिंडिकेट के आर्थिक लाभ के लिए इस्तेमाल की गई।

इन 12 आरोपियों के खिलाफ पेश हुआ अभियोग पत्रः एजेंसी ने जिन 12 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है उनमें अनवर ढेबर, नवीन प्रताप सिंह तोमर, तिजऊराम निर्मलकर, अभिषेक सिंह, नीरज कुमार चौधरी, अजय लोहिया, अजीत दरंदले, अमित प्रभाकर सालुंके, अमित मित्तल, एन. उदय राव, राजीव द्विवेदी और संजीव जैन शामिल हैं। इन सभी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधित 2018) की धारा 7(बी), 8 तथा भारतीय दंड संहिता की धारा 467, 468, 471 और 120-बी के तहत मामला दर्ज किया गया है।

टेम्पो-कंटेनर की टक्कर में 11 लोगों की मौत, कई घायल

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के पालघर जिल में मुंबई-अहमदाबाद हाईवे पर एक टेम्पो और कंटेनर ट्रक की टक्कर में 11 लोगों की मौत हो गई है और कई लोग घायल बताए जा रहे हैं। धानीवरी क्षेत्र में बारातियों से भरे एक ट्रक और तेज रफ्तार टेम्पो कंटेनर के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि सड़क पर लाशें बिछ गईं। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। तत्काल हादसे की जानकारी पुलिस को दी गई। पुलिस ने स्थानीय लोगों का मदद से राहत और बचाव कार्य शुरू किया। सभी घायलों को नजदीकी उप जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रशासन ने हादसे की जांच शुरु कर दी है और मृतकों की जांच की जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार, ट्रक में 100 से अधिक बाराती सवार थे, जो शादी समारोह में शामिल होने के लिए जा रहा थे। इस हादसे में अब तक 11 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है।

पेपर लीक मामले में 10वीं गिरफ्तारी

CBI ने लातूर में कोचिंग संचालक को पकड़ा, मोबाइल पर मिला प्रश्नपत्र

नई दिल्ली। पेपर लीक मामले में सीबीआई ने बड़ी कार्रवाई करते हुए महाराष्ट्र के लातूर शहर से एक कोचिंग संचालक को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी की पहचान शिवराज रघुनाथ मोटेगांवकर के रूप में हुई है, जो 'रेणुकाई केमिस्ट्री क्लासेस (RCC)' नाम से कोचिंग संस्थान चलाता है।

रविवार को एजेंसी द्वारा की गई तलाशी के दौरान मोटेगांवकर के मोबाइल फोन पर मेडिकल प्रवेश परीक्षा का एक लीक हुआ प्रश्न पत्र मिला था। इसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

मोबाइल में मिला नीट का लीक पेपरः सीबीआई ने रविवार को आरोपी के ठिकानों पर छापेमारी की थी। जांच के दौरान मोटेगांवकर के मोबाइल फोन से कथित तौर पर नीट यूजी परीक्षा का लीक प्रश्नपत्र बरामद हुआ। इसके बाद एजेंसी ने उसे गिरफ्तार कर लिया। जांच एजेंसी का आरोप है कि शिवराज मोटेगांवकर उस संगठित गिरोह का सक्रिय सदस्य था, जो नीट यूजी 2026 परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक करने और उसे फैलाने में शामिल था।

23 अप्रैल को ही मिल गया था प्रश्नपत्रः सीबीआई के अनुसार, आरोपी ने अन्य आरोपियों के साथ मिलकर नीट यूजी परीक्षा से पहले ही 23 अप्रैल 2026 को प्रश्नपत्र और उसके उत्तर प्राप्त कर लिए थे। इसके बाद उसने यह पेपर कई लोगों तक पहुंचाया। फिलहाल सीबीआई मामले की जांच में जुटी हुई है और पेपर लीक नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी पड़ताल की जा रही है।

एनटीए चेयरमैन प्रदीप जोशी तलब

नीट यूजी पेपर लीक के मामले में संसदीय समिति ने ऐक्शन लिया है। स्थायी समिति ने एनटीए के चेयरमैन प्रदीप कुमार जोशी और अन्य अधिकारियों समेत शिक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों को नीट पेपर लीक पर अब तक हुई जांच की जानकारी हासिल करने और नए सुधारों पर चर्चा करने लिए तलब किया है। नोटिस के मुताबिक यह समिति एनटीए और शिक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों से पेपर लीक के मामले किए जा सकने वाले सुधारों पर अधिकारियों की राय लेगी।

जन भागीदारी -सबसे दूर, सबसे पहले अभियान का शुभारंभ

जनजातीय वर्ग के लिए 25 सेवाओं के लाभार्थी संतृप्ति शिविर होंगे आयोजित, हजारों गांवों तक पहुंचेगी योजनाओं की जानकारी

इन शिविरों में जनजातीय समुदाय के लोगों को विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी जाएगी और पात्रता के अनुसार उन्हें तत्काल लाभ भी प्रदान किया जाएगा।

भोपाल। जनजातीय समुदाय को शासन की योजनाओं से जोड़ने और दूरस्थ क्षेत्रों तक सरकारी सुविधाओं का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से सोमवार से राष्ट्रव्यापी जन भागीदारी - सबसे दूर, सबसे पहले अभियान की शुरूआत हो गई। यह विशेष अभियान 18 मई से 25 मई 2026 तक संचालित किया जाएगा। अभियान के तहत प्रदेशभर में विशेष लाभार्थी संतृप्ति शिविर आयोजित किए जाएंगे, जिनमें जनजातीय वर्ग के पात्र हितग्राहियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ मौके पर ही लाभान्वित भी किया जाएगा। जनजातीय कार्य विभाग मंत्री कुँवर विजय शाह ने विभाग के सभी मैदानी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अभियान के दौरान शिविरों का सफल आयोजन सुनिश्चित किया जाए और पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पूरी पारदर्शिता के साथ पहुंचे। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है, ताकि कोई भी पात्र परिवार सरकारी सहायता से वंचित न रह जाए। आयुक्त सह संचालक जनजातीय क्षेत्रीय विकास योजना डॉ. सतेन्द्र सिंह ने बताया कि अभियान के अंतर्गत प्रधानमंत्री जनमन योजना और धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत प्रदेश के सभी जिलों की जनपद पंचायतों के चयनित गांवों में शिविर लगाए जाएंगे। इन शिविरों में जनजातीय समुदाय के लोगों को विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी जाएगी और पात्रता के अनुसार उन्हें तत्काल लाभ भी प्रदान किया जाएगा। अभियान के दौरान 18 विभागों की कुल 25 सेवाओं का लाभ जनजातीय वर्ग के ग्रामीणों तक पहुंचाया जाएगा। इनमें सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा, राशन, रोजगार, पेंशन, आवास, छात्रवृत्ति और अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़ी सुविधाएं शामिल हैं। शिविरों में अधिकारियों की मौजूदगी में आवेदन प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा ताकि ग्रामीणों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। प्रदेश सरकार ने इस अभियान को लेकर प्रशासनिक स्तर पर व्यापक तैयारियां की हैं। सभी जिलों के कलेक्टरों को अभियान के प्रभावी संचालन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। शिविरों की नियमित निगरानी और समन्वय के लिए राज्य स्तर और जिला स्तर पर नोडल अधिकारियों की नियुक्ति भी की गई है। अभियान के संचालन के लिए अपर संचालक श्रीमती रीता सिंह को राज्य स्तर पर नोडल अधिकारी बनाया गया है। वहीं जिला स्तर पर संबंधित जिलों के सहायक आयुक्त और जिला संयोजक जनजातीय कार्य विभाग को जिम्मेदारी सौंपी गई है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि शिविरों में अधिक से अधिक जनजातीय परिवारों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत मध्यप्रदेश के 267 विकासखंडों के 11 हजार 377 गांव लाभान्वित होंगे। वहीं प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत 122 विकासखंडों के 5 हजार 113 गांवों को शामिल किया गया है। सरकार का दावा है कि इस अभियान से हजारों जनजातीय परिवारों को सीधा लाभ मिलेगा और दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तक सरकारी योजनाओं की पहुंच मजबूत होगी। प्रदेश सरकार का मानना है कि इस तरह के विशेष अभियान जनजातीय समुदाय को मुख्यधारा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अभियान के माध्यम से न केवल लोगों को योजनाओं की जानकारी मिलेगी, बल्कि मौके पर ही समस्याओं का समाधान भी किया जाएगा। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में शासन के प्रति विश्वास बढ़ने के साथ-साथ विकास योजनाओं का प्रभाव भी अधिक व्यापक रूप से दिखाई देगा।

शिफ्टिंग के विरोध में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के बंगले पहुंचे रहवासी

भोपाल में तेजी से बढ़ते शहरी विस्तार और पुनर्वास योजनाओं के बीच यह मामला अब पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षित पुनर्वास की बहस का विषय बन गया है।

भोपाल। राजधानी भोपाल में झुग्गी बस्ती के पुनर्वास को लेकर नया विवाद सामने आया है। बावड़ियाकलां स्थित दीपक नगर क्षेत्र से हटाए गए 35 परिवारों को बाग मुगालिया एक्सटेंशन में शिफ्ट किए जाने का स्थानीय रहवासियों ने विरोध शुरू कर दिया है। सोमवार को बड़ी संख्या में रहवासी नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के बंगले पहुंचे और अपनी आपत्ति दर्ज कराते हुए ज्ञापन सौंपा। रहवासियों का आरोप है कि जिन परिवारों को बाग मुगालिया एक्सटेंशन में बसाया गया है, वह क्षेत्र ग्रीन बेल्ट के अंतर्गत आता है। इसके अलावा वहां से हाईटेंशन विद्युत लाइन भी गुजर रही है, जिससे भविष्य में बड़े हादसे की आशंका बनी हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की जगह पर लोगों का पुनर्वास करना न केवल पर्यावरण के लिए नुकसानदायक है, बल्कि वहां रहने वाले परिवारों की सुरक्षा के लिए भी खतरा पैदा कर सकता है। पर्यावरणविद् और बाग मुगालिया एक्सटेंशन के रहवासी उमाशंकर तिवारी ने कहा कि प्रशासन ने बिना पर्याप्त योजना और स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखे परिवारों को यहां शिफ्ट कर दिया। उन्होंने कहा कि ग्रीन बेल्ट क्षेत्र में निर्माण और आबादी बढ़ने से हरियाली प्रभावित होगी। साथ ही हाईटेंशन लाइन के नीचे लोगों को बसाना गंभीर सुरक्षा जोखिम पैदा कर सकता है। रहवासियों ने इस पूरे मामले की शिकायत भोपाल कलेक्टर से भी की है। उन्होंने मांग की है कि विस्थापित परिवारों का पुनर्वास किसी सुरक्षित और व्यवस्थित स्थान पर किया जाए, जहां मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध हों और पर्यावरण को नुकसान न पहुंचे। स्थानीय लोगों का कहना है कि वे गरीब परिवारों के पुनर्वास के विरोध में नहीं हैं, लेकिन जिस स्थान का चयन किया गया है, वह उपयुक्त नहीं है। उनका कहना है कि प्रशासन को ऐसी जगह चुननी चाहिए थी जहां लोगों को सुरक्षित आवास मिल सके और आसपास के पर्यावरणीय संतुलन पर भी असर न पड़े। सोमवार को मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के बंगले पहुंचे रहवासियों ने पूरे मामले से अवगत कराते हुए हस्तक्षेप की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते इस मामले पर ध्यान नहीं दिया गया तो भविष्य में गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। उधर, प्रशासन की ओर से अभी तक इस मामले पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। हालांकि सूत्रों के अनुसार, प्रशासन का कहना है कि विस्थापित परिवारों को वैकल्पिक आवास उपलब्ध कराने की प्रक्रिया के तहत ही यह शिफ्टिंग की गई है। भोपाल में तेजी से बढ़ते शहरी विस्तार और पुनर्वास योजनाओं के बीच यह मामला अब पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षित पुनर्वास की बहस का विषय बन गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि विकास कार्यों के साथ पर्यावरण और नागरिक सुरक्षा दोनों का संतुलन बनाए रखना जरूरी है। अब देखना होगा कि प्रशासन और सरकार इस विवाद का समाधान किस तरह करती है।

लंबे काफिलों पर भाजपा सख्त

विकास प्राधिकरण अध्यक्ष वीरेंद्र गोयल और महिला आयोग अध्यक्ष रेखा यादव से मांगा गया स्पष्टीकरण

इसे लेकर पार्टी संगठन के भीतर नाराजगी की चर्चा शुरू हो गई थी। संगठन का मानना है कि ऐसे आयोजन पार्टी की सादगी और अनुशासन की छवि के विपरीत संदेश देते हैं।

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सादगी और ईंधन बचाने की अपील के बावजूद शक्ति प्रदर्शन और लंबे वाहन काफिलों के साथ जश्न मनाने वाले नेताओं पर भारतीय जनता पार्टी संगठन ने सख्त रुख अपना लिया है। सूत्रों के अनुसार मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा यादव और सिंगरौली विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष वीरेंद्र गोयल से प्रदेश नेतृत्व ने स्पष्टीकरण मांगा है। इस कार्रवाई के बाद राजनीतिक गलियारों में चचाओं का दौर तेज हो गया है। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव भाजपा प्रदेश प्रभारी महेन्द्र सिंह और प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने पूरे मामले को गंभीरता से लिया है। सोमवार को भोपाल में आयोजित बैठक के दौरान इन नेताओं की मौजूदगी में राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा यादव और सिंगरौली विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष वीरेंद्र गोयल से पूरे घटनाक्रम को लेकर सवाल-जवाब किए गए। दरअसल, 14 मई को मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा यादव के छतरपुर आगमन पर कार्यकताओं और समर्थकों ने भव्य स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया था। इस दौरान बड़ी संख्या में समर्थकों की भीड़ और वाहनों का लंबा काफिला शहर में चर्चा का विषय बन गया। राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में इस शक्ति प्रदर्शन को लेकर कई तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आईं। स्वागत कार्यक्रम के दौरान रेखा यादव ने कहा था कि जब कोई व्यक्ति अपने क्षेत्र और जिले का नाम रोशन करता है तो लोगों में खुशी होना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा था कि जैसे किसी परिवार का बच्चा अच्छे अंक लाकर या बड़ी नौकरी प्राप्त कर परिवार का नाम रोशन करता है तो पूरा परिवार गर्व महसूस करता है, उसी प्रकार क्षेत्र के लोग भी अपने प्रतिनिधि का स्वागत कर खुशी व्यक्त करते हैं। उधर, सिंगरौली विकास प्राधिकरण के नवनियुक्त अध्यक्ष वीरेंद्र गोयल भी समर्थकों की बड़ी गाड़ियों के काफिले के साथ चलते दिखाई दिए थे। इसे लेकर पार्टी संगठन के भीतर नाराजगी की चर्चा शुरू हो गई थी। संगठन का मानना है कि ऐसे आयोजन पार्टी की सादगी और अनुशासन की छवि के विपरीत संदेश देते हैं। सूत्रों के मुताबिक पार्टी नेतृत्व ने इसे संगठन की गाइडलाइन और शीर्ष नेतृत्व के निर्देशों की अनदेखी माना है। भाजपा नेतृत्व समय-समय पर अपने जनप्रतिनिधियों और पदाधिकारियों को सादगीपूर्ण सार्वजनिक जीवन अपनाने और अनावश्यक शक्ति प्रदर्शन से बचने की सलाह देता रहा है। इसके बावजूद कुछ नेताओं द्वारा बड़े काफिलों और भव्य स्वागत कार्यक्रमों का आयोजन किए जाने पर अब संगठन ने जवाब-तलब की कार्रवाई शुरू कर दी है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि पार्टी संगठन इस मामले के जरिए स्पष्ट संदेश देना चाहता है कि अनुशासन और सादगी से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार सार्वजनिक जीवन में सादगी, ईंधन बचत और अनावश्यक खर्च से बचने की अपील करते रहे हैं। ऐसे में पार्टी नेतृत्व नहीं चाहता कि उसके पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि इन निर्देशों के विपरीत आचरण करते नजर आएं। फिलहाल इस पूरे मामले को लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चाएं तेज हैं। अब सभी की नजर संबंधित नेताओं के जवाब और संगठन की आगामी कार्रवाई पर टिकी हुई है। माना जा रहा है कि आने वाले समय में पार्टी अनुशासन और सार्वजनिक आचरण को लेकर और अधिक सख्ती दिखा सकती है।

SBI अधिकारी संघ के अध्यक्ष अनिल कुमार श्रीवास्तव का जन्मदिवस हर्ष उल्लास एवं आत्मीय वातावरण में मनाया गया

भोपाल। भारतीय स्टेट बैंक अधिकारी संघ के अध्यक्ष एवं भारतीय स्टेट बैंक के सहायक महाप्रबंधक (AGM–PR) अनिल कुमार श्रीवास्तव का जन्मदिवस हर्षोल्लास एवं आत्मीय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर बैंक के वरिष्ठ अधिकारी,संगठन के पदाधिकारी,सदस्यगण, बैंक अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रिंट मीडिया, समाचार पत्र प्रतिनिधियों एवं डिजिटल मीडिया मार्केटिंग टीम की भी गरिमामयी उपस्थिति रही, जिससे आयोजन और अधिक भव्य एवं यादगार बन गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी सदस्यों ने श्री श्रीवास्तव को पुष्पगुच्छ एवं शुभकामनाएं भेंट करते हुए उनके नेतृत्व, सौम्य व्यक्तित्व एवं संगठन के प्रति समर्पण की सराहना की। वक्ताओं ने कहा कि श्री अनिल कुमार श्रीवास्तव ने सदैव अधिकारियों एवं कर्मचारियों के हितों को प्राथमिकता देते हुए संगठन को नई दिशा प्रदान की है। उनके कुशल नेतृत्व में संगठन निरंतर मजबूती एवं सकारात्मक ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रहा है। समारोह में आपसी सौहार्द, संगठनात्मक एकता एवं पारिवारिक वातावरण की सुंदर झलक देखने को मिली। उपस्थित सभी सदस्यों ने उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीघार्यु एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अंत में कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों, मीडिया प्रतिनिधियों, संगठन सदस्यों एवं सहयोगी टीमों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन की एकजुटता एवं

सागर बना नंबर–1 – 15 दिनों में पूरी की मकान गणना, मध्य प्रदेश में रचा नया रिकॉर्ड

सागर। मध्य प्रदेश के सागर जिले ने विकास और प्रशासनिक दक्षता के क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम दर्ज की है। कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी प्रतिभा पाल के कुशल मार्गदर्शन में जिले में मकान गणना का महाअभियान रिकॉर्ड तोड़ गति से संचालित किया गया। सागर जिले ने सबसे अधिक एचएलबी की संख्या होने के बावजूद, मात्र 15 दिनों के भीतर इस जटिल कार्य को शत-प्रतिशत पूर्ण कर मध्य प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है, जो अपने आप में एक नया कीर्तिमान है। प्रशासनिक मुस्तैदी और सतत मॉनिटरिंग के फलस्वरूप जिले के सभी 4,362 से अधिक एचएलबी में मकान गणना का कार्य सफलतापूर्वक डिजिटल रूप से दर्ज कर लिया गया है। इस महाअभियान के तहत प्रगणकों ने जिले की 24 लाख से अधिक की आबादी वाले लगभग 7 लाख घरों तक अपनी सीधी पहुंच बनाई। लक्ष्य से अधिक हुआ कार्य, दर्ज हुए रिकॉर्ड आंकड़े एनआईसी के अधिकारी डेलन प्रजापति ने बताया कि मध्य प्रदेश में सबसे अधिक एचएलबी होने के बावजूद यह कार्य समय सीमा से 15 दिन पूर्व ही संपन्न कर लिया गया। आंकड़ों की बात करें तो। प्रस्तावित मकान गणनाः नगर निगम क्षेत्र को छोड़कर शेष जिले में 6 लाख 98 हजार 781 मकानों की गणना प्रस्तावित थी। वास्तविक गणनाः प्रगणकों ने जमीनी स्तर पर बेहतरीन कार्य करते हुए कुल 7 लाख 720 मकानों का सर्वे पूरा किया। कुल दर्ज आबादीः इस महाअभियान के तहत कुल 24 लाख 27 हजार 473 की आबादी का डेटा दर्ज किया गया है। नगर निगम क्षेत्र में भी कार्य पूर्णता की ओर नगर निगम कमिश्नर राजकुमार खत्री के नेतृत्व में शहरी क्षेत्र के 439 एचएलबी में से 390 एचएलबी का कार्य पूरी तरह समाप्त हो चुका है। अधिकारियों के अनुसार, शेष बचा हुआ आंशिक कार्य भी सोमवार तक शत-प्रतिशत पूरा कर लिया जाएगा। अधिकारियों और प्रगणकों को मिली बधाई कलेक्टर प्रतिभा पाल और अपर कलेक्टर व जिला जनगणना अधिकारी अविनाश रावत ने इस सफलता का श्रेय मैदानी स्तर पर काम करने वाले प्रगणकों और सुपरवाइजरों को दिया है। 1 मई से शुरू होकर विधिवत रूप से 2 मई से गति पकड़ने वाला यह अभियान 15 मई को पूरी तरह संपन्न हो गया। इस महाअभियान को सफल बनाने में अपर कलेक्टर अविनाश रावत, नगर निगम कमिश्नर राजकुमार खत्री, समस्त चार्ज अधिकारियों और एनआईसी टीम की भूमिका बेहद सराहनीय रही। यह जनगणना का केवल प्रथम चरण (मकान गणना) था। संपूर्ण जिलेवासियों, सजग प्रगणकों और प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े सभी अधिकारी-कर्मचारियों के समन्वय से ही हम मध्य प्रदेश में नंबर-1 बन पाए हैं। अब दूसरे चरण में भी हमें इसी प्रकार समय सीमा के भीतर और पूरी पारदर्शिता के साथ कार्य को अंजाम देना है।

वन टाइम फीस को लेकर युवा कांग्रेस का बड़ा आंदोलन

भोपाल। मध्यप्रदेश में सरकारी भर्ती परीक्षाओं के लिए वन टाइम फीस व्यवस्था लागू करने की मांग अब तेज होती जा रही है। इस मुद्दे को लेकर युवा कांग्रेस ने प्रदेशव्यापी आंदोलन का ऐलान किया है। संगठन का आरोप है कि वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव के दौरान युवाओं से वन टाइम फीस व्यवस्था लागू करने का वादा किया गया था, लेकिन सरकार बनने के बाद अब तक इस दिशा में कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। युवा कांग्रेस ने घोषणा की है कि 17 जून से ग्वालियर से रन फॉर ओटीएफ अभियान की शुरूआत होगी। इसके बाद प्रदेश के सभी जिलों में पदयात्रा, मशाल जुलूस और जनजागरण अभियान चलाकर छात्रों और युवाओं को जोड़ा जाएगा। संगठन का कहना है कि जब तक सरकार युवाओं को राहत देने वाला फैसला नहीं करती, तब तक आंदोलन लगातार जारी रहेगा। युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव मितेन्द्र दर्शन सिंह यादव ने कहा कि भर्ती परीक्षाओं की फीस छात्रों के लिए बड़ा आर्थिक बोझ बन चुकी है। उन्होंने कहा कि एक छात्र को सालभर में अलग-अलग सरकारी परीक्षाओं के आवेदन के लिए लगभग 10 हजार से 15 हजार रुपये तक खर्च करने पड़ते हैं। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए यह खर्च काफी भारी साबित होता है। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि एक बार पंजीयन हो और एक बार ही शुल्क लिया जाए। इसके बाद छात्रों को बार-बार आवेदन शुल्क जमा करने की जरूरत नहीं पड़नी चाहिए। उन्होंने राजस्थान मॉडल का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां इस व्यवस्था को लागू किया जा चुका है और मध्यप्रदेश में भी इसी तरह की प्रणाली लागू की जानी चाहिए।

मध्यप्रदेश राज्य स्तरीय सहरिया विकास प्राधिकरण को मिली नई अध्यक्ष

भोपाल। मध्यप्रदेश शासन के जनजातीय कार्य विभाग ने राज्य स्तरीय सहरिया विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष पद पर नई नियुक्ति करते हुए श्रीमती गुड्डी आदिवासी को जिम्मेदारी सौंपी है। मंत्रालय भोपाल से जारी आदेश के अनुसार उन्हें कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से आगामी आदेश तक प्राधिकरण का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। शासन द्वारा जारी आदेश में बताया गया है कि विशेष पिछड़ी जनजाति सहरिया समुदाय के समग्र उत्थान, सामाजिक भागीदारी और विभिन्न शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से राज्य स्तरीय सहरिया विकास प्राधिकरण का गठन किया गया था। इस प्राधिकरण का उद्देश्य सहरिया जनजाति के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक विकास के लिए विभिन्न विभागों की योजनाओं में समन्वय स्थापित करना है। दरअसल, मध्यप्रदेश शासन के तत्कालीन आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा 27 मई 2013 को जारी आदेश के तहत इस प्राधिकरण की स्थापना की गई थी। आदेश के प्रावधानों के अनुसार राज्य शासन को सहरिया समाज के किसी प्रतिनिधि को अधिकतम तीन वर्ष की अवधि के लिए अध्यक्ष पद पर नामित करने का अधिकार दिया गया है। इसी व्यवस्था के तहत अब श्रीमती गुड्डी आदिवासी को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। सहरिया जनजाति मध्यप्रदेश की विशेष पिछड़ी जनजातियों में शामिल है, जो मुख्य रूप से प्रदेश के शिवपुरी, श्योपुर, गुना और आसपास के क्षेत्रों में निवास करती है। लंबे समय से यह समुदाय शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और पोषण जैसी मूलभूत सुविधाओं की चुनौतियों का सामना करता रहा है। ऐसे में राज्य स्तरीय सहरिया विकास प्राधिकरण की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है। विशेषज्ञों का मानना है कि श्रीमती गुड्डी आदिवासी की नियुक्ति से सहरिया समुदाय से जुड़े मुद्दों को और अधिक मजबूती के साथ उठाया जा सकेगा। प्राधिकरण के माध्यम से जनजातीय क्षेत्रों में संचालित योजनाओं की निगरानी, लाभार्थियों तक योजनाओं की पहुंच और विभिन्न विभागों के बीच समन्वय को बेहतर बनाने का प्रयास किया जाएगा। प्रदेश सरकार लगातार जनजातीय समुदायों के उत्थान के लिए कई योजनाएं संचालित कर रही है। इनमें शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य, आवास, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी योजनाएं प्रमुख हैं। सरकार का उद्देश्य है कि विशेष पिछड़ी जनजातियों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जाए और उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जाए।

मप्र में 48 घंटे में भरने होंगे सडकों के गड्ढे

सुप्रीम कोर्ट की रोड सेफ्टी कमेटी ने दो महीने में मांगी रिपोर्ट; बेरिकेडिंग भी करनी पड़ेगी

भोपाल। सडक पर बने गड्ढों, खुले नालों और जलभराव वाले क्षेत्रों में अब प्रशासन और सडक निर्माण एजेंसियों को बैरिकेडिंग करनी होगी। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को पत्र लिखकर 48 घंटे के भीतर गड्ढे भरने और जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने को कहा है। मुख्य सचिव को भेजे पत्र में सुप्रीम कोर्ट कमेटी ऑफ रोड सेफ्टी ने दो महीने में रिपोर्ट मांगी है। बारिश में ऐसे स्थानों पर रात में प्रकाश व्यवस्था रखने के निर्देश भी दिए गए हैं, ताकि सडक हादसे न हों। सुप्रीम कोर्ट कमेटी ऑफ रोड सेफ्टी ने बढ़ते सडक हादसों को लेकर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सख्त निर्देश जारी किए हैं। समिति ने गड्ढों, खुले नालों, मैनहोल और बिना बैरिकेड वाले जलभराव क्षेत्रों की तुरंत मरम्मत और सुरक्षा व्यवस्था करने को कहा है। मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव को भी इस संबंध में निर्देश जारी कर रिपोर्ट देने को कहा गया है। समिति ने पत्र में कहा है कि सडक किनारे खुले और बिना रोशनी वाले जलभराव क्षेत्र तथा खराब सडकें जानलेवा दुर्घटनाओं का कारण बन रही हैं। सडक सुरक्षा में लापरवाही से कई लोगों की जान जा चुकी है। सूचना मिलने पर 48 घंटे में भरे जाएं गड्ढे समिति ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि चिन्हित गड्ढों की तत्काल मरम्मत की जाए तथा किसी भी खतरे की सूचना मिलने के 48 घंटे के भीतर कार्रवाई हो। साथ ही खुले मैनहोल, नालों और जलभराव वाले स्थानों पर मजबूत बैरिकेडिंग, रिफ्लेक्टिव टेप और पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था करना अनिवार्य होगा। निर्देशों में कहा गया है कि सडक निर्माण और रखरखाव भारतीय सडक कांग्रेस के मानकों के अनुसार होना चाहिए। समिति ने कहा है कि निर्देशों का पालन नहीं करने वाले राज्यों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो सकती है। एमपी समेत सभी राज्यों को दो महीने में रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। पांच साल के हादसों का डेटा मांगा जिला सडक सुरक्षा समितियों को नियमित ऑडिट कर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करने के आदेश दिए गए हैं। समिति ने राज्यों से पिछले पांच सालों में गड्ढों के कारण हुए हादसों का डेटा मांगा है। खुले जलभराव और बिना बैरिकेड वाले क्षेत्रों में हुई मौतों और घायलों की जानकारी भी मांगी गई है। इससे पहले 2018 में भी रोड सेफ्टी कमेटी ने सडक हादसे कम करने के लिए राज्यों को कई निर्देश दिए थे। इनमें हाईवे पेट्रोलिंग बढ़ाने, स्पीड मॉनिटरिंग, सडक किनारे बैरियर लगाने, दुर्घटना संभावित क्षेत्रों का ऑडिट और स्कूल वाहनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने जैसे निर्देश शामिल थे।

आज की जनधारा City Dhara
मंगलवार 19 मई 2026 . www.aajkijandhara.com

विदिशा मेडिकल कॉलेज में शुरू होगी कैंसर स्क्रीनिंग

शिवराज सिंह चौहान की पहल से मरीजों को राहत, आसपास के जिलों को भी मिलेगा लाभ

- इस पहल से विदिशा के साथ-साथ रायसेन, सीहोर और आसपास के जिलों के हजारों मरीजों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

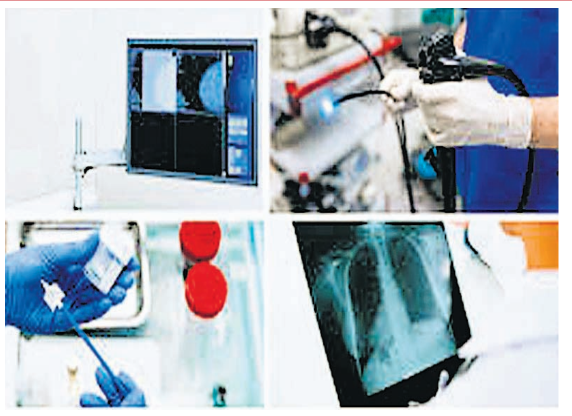

भोपाल/ विदिशा। विदिशा मेडिकल कॉलेज अब कैंसर उपचार और जांच की दिशा में बड़ी पहल करने जा रहा है। केंद्रीय कृषि मंत्रीशिवराज सिंह चौहान की पहल पर 5 से 7 जून 2026 तक मेडिकल कॉलेज में विशेष कैंसर स्क्रीनिंग शिविर आयोजित किया जाएगा। इस शिविर में देश के प्रतिष्ठित टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल के विशेषज्ञ चिकित्सक मरीजों की जांच कर परामर्श देंगे। इसके साथ ही विदिशा में स्थायी कैंसर यूनिट स्थापित करने की दिशा में भी तैयारी शुरू कर दी गई है। कलेक्ट्रेट में आयोजित समीक्षा बैठक में शिवराज सिंह चौहान ने अधिकारियों और मेडिकल कॉलेज प्रबंधन के साथ कैंसर उपचार सुविधाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि यह पहल चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाई जाएगी ताकि क्षेत्र के मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो सकें। योजना के पहले चरण में कैंसर की निशुल्क स्क्रीनिंग और विशेषज्ञ परामर्श की सुविधा दी जाएगी। दूसरे चरण में प्राथमिक उपचार की व्यवस्था विकसित की जाएगी, जबकि तीसरे चरण में विदिशा मेडिकल कॉलेज में स्थायी कैंसर यूनिट स्थापित करने की तैयारी की जाएगी। इस पहल से विदिशा के साथ-साथ रायसेन, सीहोर और आसपास के जिलों के हजारों मरीजों को लाभ मिलने की उम्मीद है। अब गंभीर बीमारी के इलाज के लिए लोगों को बड़े महानगरों की ओर कम जाना पड़ेगा। बैठक के दौरान किसानों की समस्याएं भी प्रमुखता से उठीं। खरीदी केंद्रों पर बारदाने की कमी और धीमी तुलाई की शिकायत मिलने पर केंद्रीय मंत्री ने तत्काल संज्ञान लिया। उन्होंने मौके से ही प्रदेश के खाद्य मंत्री से दूरभाष पर चर्चा कर स्थिति से अवगत कराया और आवश्यक आपूर्ति बढ़ाने के निर्देश दिए। अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि खरीदी केंद्रों पर टोकन व्यवस्था और खरीद प्रक्रिया की जानकारी गांव-गांव तक पहुंचाई जाए ताकि किसानों को परेशानी का सामना न करना पड़े। इस दौरान शिवराज सिंह चौहान ने विदिशा में संचालित मामा कोचिंग का भी निरीक्षण किया। यहां सामान्य और मध्यमवर्गीय परिवारों के विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की निशुल्क तैयारी कराई जा रही है। विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उन्होंने सफलता के कई सूत्र बताए। उन्होंने कहा कि जीवन में लक्ष्य स्पष्ट होना चाहिए और नियमित अध्ययन के साथ आत्मविश्वास बनाए रखना जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों को समय प्रबंधन का महत्व समझाते हुए कहा कि असफलता से घबराने के बजाय उससे सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा, परिश्रम ही सफलता की असली कुंजी है। केंद्रीय मंत्री ने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए भरोसा दिलाया कि सरकार हर प्रतिभा को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। विदिशा मेडिकल कॉलेज में कैंसर स्क्रीनिंग और उपचार सुविधाओं की यह शुरूआत क्षेत्र के स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि आने वाले समय में यहां आधुनिक कैंसर उपचार सुविधाएं विकसित होंगी और मरीजों को बेहतर इलाज अपने ही क्षेत्र में उपलब्ध हो सकेगा।

भोपाल के मैनिट में विकसित हो रही स्वदेशी हाई-प्रिसिजन जीपीएस तकनीक

- अब केवल 5 से 7 इंच तक की सटीकता से मिलेगी लोकेशन, खेती से लेकर ड्रोन तक होगा बड़ा उपयोग

भोपाल। मौलान आजाद नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी के वैज्ञानिक एक ऐसी स्वदेशी हाई-प्रिसिजन जीपीएस तकनीक विकसित कर रहे हैं, जो किसी भी स्थान की जानकारी केवल 5 से 7 इंच की सटीकता के साथ उपलब्ध करा सकेगी। यह तकनीक वर्तमान में उपयोग हो रहे सामान्य जीपीएस और गूगल मैप्स की तुलना में कहीं अधिक सटीक होगी। सामान्य जीपीएस से कई गुना अधिक सटीक अभी उपयोग में आने वाले सामान्य जीपीएस और डिजिटल मानचित्र कई बार 50 से 100 मीटर तक की त्रुटि दिखाते हैं, लेकिन मैनिट की यह नई तकनीक वास्तविक स्थान की बेहद सटीक पहचान करने में सक्षम होगी। करीब 36 लाख रुपये की लागत वाली इस परियोजना को मौलान आजाद नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी का वित्तीय सहयोग प्राप्त हुआ है। एक महीने में तैयार होगा सिस्टम डिजिटल भारत को सक्षम बनाने के लिए विश्वसनीय, मजबूत और किफायती इंच-स्तरीय सटीक स्थान निर्धारण समाधान का विकास एवं परिनियोजन विषय पर आधारित इस परियोजना पर डॉ. गौरव उपाध्याय, डॉ. शाश्वत पाठक, डॉ. आर.एन. यादव और डॉ. राहुल राज कार्य कर रहे हैं। शोधकताओं के अनुसार यह हाई-प्रिसिजन लोकेशन सिस्टम अगले एक महीने में पूरी तरह तैयार हो जाएगा। इसके बाद तकनीक के पेटेंट के लिए आवेदन किया जाएगा। उपग्रह और रियल टाइम डेटा का होगा उपयोग इस अत्याधुनिक तकनीक में उपग्रह आधारित नेविगेशन प्रणाली, आरटीके (रियल टाइम काइनेमेटिक) तकनीक, उन्नत एंटेना और रियल टाइम डेटा विश्लेषण का उपयोग किया जा रहा है। जहां सामान्य जीपीएस कुछ मीटर तक की गलती कर सकता है, वहीं यह नई प्रणाली इंच स्तर तक सटीक लोकेशन देने में सक्षम होगी। खेती, ड्रोन और स्मार्ट सिटी परियोजनाओं में मिलेगा लाभ मैनिट की यह तकनीक ड्रोन संचालन, स्मार्ट यातायात प्रणाली, रोबोटिक्स, स्वचालित वाहन, भूमि सर्वेक्षण, डिजिटल मैपिंग और स्मार्ट सिटी परियोजनाओं में उपयोगी साबित होगी। कृषि क्षेत्र में भी यह तकनीक किसानों के लिए बेहद लाभकारी मानी जा रही है। इसकी सहायता से खेतों की सटीक मैपिंग, सिंचाई प्रबंधन, मिट्टी परीक्षण और फसल निगरानी अधिक प्रभावी तरीके से की जा सकेगी। इससे खेती की लागत कम करने और उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी।

स्वच्छता की जंग में भोपाल की हुंकार

इंदौर-सूरत को टक्कर देने 106 अफसर मैदान में, सुपर स्वच्छ लीग में राजधानी की बड़ी चुनौती

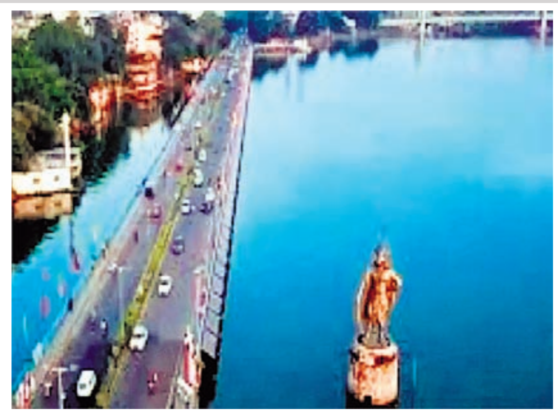

भोपाल। स्वच्छ सर्वेक्षण 2026 में देश के सबसे स्वच्छ शहरों की सूची में शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए राजधानी भोपाल ने पूरी ताकत झोंक दी है। इस बार भोपाल ने सीधे सुपर स्वच्छ लीग में अपनी दावेदारी पेश की है, जहां उसका मुकाबला देश के दिग्गज शहरों इंदौर, सूरत, नवी मुंबई, अहमदाबाद, विजयवाड़ा और लखनऊ से है। कड़ी प्रतिस्पर्धा को देखते हुए भोपाल नगर निगम ने व्यापक रणनीति तैयार की है और सफाई व्यवस्था को युद्ध स्तर पर लागू किया जा रहा है। नगर निगम आयुक्त संस्कृति जैन स्वयं पूरे अभियान की कमान संभाले हुए हैं। वे लगातार विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की निगरानी कर रही हैं। निगम प्रशासन का कहना है कि इस बार केवल मुख्य सड़कें ही नहीं, बल्कि शहर की हर गली, हर मोहल्ले और उपेक्षित इलाकों तक सफाई अभियान पहुंचाया जा रहा है। भोपाल नगर निगम ने स्वच्छता अभियान को और प्रभावी बनाने के लिए 106 नोडल अधिकारियों की तैनाती की है। इन अधिकारियों को अलग-अलग वार्डों और क्षेत्रों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सभी अधिकारियों को फील्ड में उतरकर प्रतिदिन निगरानी करने के निर्देश दिए गए हैं। तंग गलियों, सरकारी आवासों के पीछे के हिस्सों और लंबे समय से उपेक्षित क्षेत्रों में विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। नगर निगम प्रशासन ने साफ कर दिया है कि सफाई कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आयुक्त संस्कृति जैन ने अधिकारियों और कर्मचारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि शहर की स्वच्छता व्यवस्था में किसी तरह की कमी नहीं रहनी चाहिए। हाल ही में एक वार्ड में गंदगी मिलने पर दो अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया, जबकि कई कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। इस कार्रवाई के बाद निगम अमले में सतर्कता और जिम्मेदारी का माहौल देखने को मिल रहा है।

शहर के कई इलाकों में अब बदलाव भी साफ दिखाई देने लगा है। अशोका गार्डन, गिन्नौरी, नारायण नगर और बिजली नगर जैसे क्षेत्रों में सड़कों पर कचरा कम नजर आ रहा है। जगह-जगह दीवारों की पुताई, कचरा हटाने और सड़कों के गड्ढों की मरम्मत का कार्य तेजी से चल रहा है। सुबह सूरज निकलने से पहले ही सफाई कर्मचारी सड़कों पर पहुंचकर धूल हटाने और सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने में जुट जाते हैं। नगर निगम ने बेहतर प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित करने की भी योजना बनाई है। निगम प्रशासन का मानना है कि फील्ड में काम करने वाले कर्मचारियों का उत्साह बढ़ाना जरूरी है, ताकि वे और अधिक मेहनत और जिम्मेदारी के साथ कार्य कर सकें। स्वच्छता को लेकर भोपाल की यह आक्रामक रणनीति अब पूरे प्रदेश में चर्चा का विषय बन गई है। लगातार कई वर्षों से देश का सबसे स्वच्छ शहर बनने वाले इंदौर को चुनौती देना आसान नहीं माना जाता, लेकिन भोपाल नगर निगम इस बार पूरी तैयारी और नई कार्यशैली के साथ मैदान में उतरा है। अब देखना दिलचस्प होगा कि स्वच्छता की इस बड़ी जंग में भोपाल अपनी मेहनत और रणनीति के दम पर कितना आगे निकल पाता है। राजधानी के नागरिकों को भी उम्मीद है कि इस बार भोपाल देश के सबसे स्वच्छ शहरों में अपनी मजबूत पहचान बनाने में सफल होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अनिल माधव दवे जी को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

पुण्यतिथि पर याद किए पर्यावरण संरक्षण और नर्मदा सेवा के योगदान, कहा- उनका जीवन राष्ट्रसेवा की प्रेरणा

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पूर्व केंद्रीय मंत्री, प्रखर चिंतक एवं मां नर्मदा के अनन्य उपासक अनिल माधव दवे की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अनिल माधव दवे जी का जीवन सादगी, राष्ट्रसेवा और पर्यावरण संरक्षण के प्रति समर्पण का अद्वितीय उदाहरण रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने श्रद्धांजलि संदेश में कहा कि नदियों की अविरलता, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के लिए दवे जी ने जीवनभर कार्य किया। विशेष रूप से मां नर्मदा के प्रति उनकी आस्था और सेवा भाव सदैव स्मरणीय रहेगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक से केंद्रीय मंत्री तक का उनका सफर कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और जनसेवा की प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अनिल माधव दवे जी के विचार और पर्यावरण संरक्षण के लिए किए गए प्रयास आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करते रहेंगे।

भीषण गर्मी की चपेट में आए डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा

लू लगने से बिगड़ी तबीयत, भोपाल के निजी अस्पताल में चला उपचार

भोपाल। मध्यप्रदेश में पड़ रही भीषण गर्मी का असर अब जनप्रतिनिधियों पर भी दिखाई देने लगा है। डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा की तबीयत अचानक खराब होने के बाद उन्हें भोपाल के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार किया गया। जानकारी के अनुसार डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा को लू लग गई थी, जिसके कारण उनकी तबीयत लगातार बिगड़ रही थी। स्थिति को देखते हुए उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। चिकित्सकों की निगरानी में उनका इलाज किया गया और अब उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। मंत्रिमंडल के सहयोगियों ने लिया हालचाल डिप्टी सीएम की तबीयत खराब होने की खबर सामने आने के बाद मंत्रिमंडल के सहयोगियों और अन्य जनप्रतिनिधियों ने फोन पर उनका हालचाल जाना। सूत्रों के अनुसार उपचार के बाद उनकी तबीयत में सुधार हुआ है और उन्हें अस्पताल से छुट्टी भी दे दी गई है। चिकित्सकों ने फिलहाल उन्हें आराम करने की सलाह दी है।

रेडक्रॉस के सिद्धांतों से विद्यार्थियों को करें संस्कारित- राज्यपाल श्री पटेल

भोपाल। रेडक्रॉस के सिद्धांत बच्चों में सेवा, सद्भाव, करुणा और संवेदनशीलता विकसित करते हैं। ये उन्हें शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनाकर आदर्श नागरिक तैयार करते हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्र के लिए सक्षम पीढ़ी के निर्माण हेतु शैक्षणिक संस्थानों को विद्यार्थियों में रेडक्रॉस गतिविधियों को प्रोत्साहित करना चाहिए तथा प्रत्येक विद्यार्थी को रेडक्रॉस से जोड़ने की जिम्मेदारी उठानी चाहिए। राज्यपाल श्री पटेल सोमवार को रेडक्रॉस की मध्यप्रदेश राज्य शाखा द्वारा आयोजित जूनियर रेडक्रॉस एवं युवक रेडक्रॉस शाखा की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक का आयोजन ढंह्वँ फीश्रील्लू८ में किया गया। विद्यार्थियों को बनाएं चुनौतियों से लड़ने योग्य राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि शैक्षणिक संस्थान केवल ज्ञान ही नहीं, बल्कि संस्कार देने वाली सबसे महत्वपूर्ण इकाई हैं। संस्थानों को विद्यार्थियों को शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनाते हुए जीवन की चुनौतियों और प्रतिस्पधाओं से मुकाबला करने योग्य बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ठंश्ल्लिशं टर्म्र के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में बच्चों और युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। इसलिए विद्यार्थियों को राष्ट्र निर्माण की गतिविधियों से जोड़कर कमजोर वर्गों के प्रति संवेदनशील बनाना आवश्यक है। रेडक्रॉस गतिविधियों को सभी जिलों में सक्रिय करने के निर्देश राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि शैक्षणिक संस्थान प्रदेश एवं जिला रेडक्रॉस इकाइयों के साथ सक्रिय समन्वय स्थापित करें और वार्षिक गतिविधि कैलेंडर के अनुसार नियमित कार्यक्रम आयोजित करें। उन्होंने अन्य राज्यों के नवाचारों का अध्ययन कर उन्हें प्रदेश की परिस्थितियों के अनुरूप लागू करने की बात कही। उन्होंने जूनियर और युवक रेडक्रॉस के लिए गठित समिति को शीघ्र कार्य प्रारंभ करने तथा प्रदेश के सभी जिलों में रेडक्रॉस गतिविधियों को सक्रिय रूप से संचालित करने के निर्देश दिए। सेनेटरी नैपकिन कम कीमत पर उपलब्ध कराने का सुझाव बैठक में जनजातीय कार्य मंत्री ने रेडक्रॉस के माध्यम से ब्लॉक और पंचायत स्तर पर कम कीमत पर सेनेटरी नैपकिन उपलब्ध कराने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि इससे कमजोर वर्ग की महिलाओं को आर्थिक राहत मिलने के साथ स्वास्थ्य स्तर में भी सुधार होगा। उच्च शिक्षा मंत्री कल्लींि र्ल्लँ ढं११ ने प्रदेश के सभी शासकीय महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में जूनियर एवं युवक रेडक्रॉस गतिविधियों के नियमित आयोजन पर जोर दिया। वहीं स्कूल शिक्षा मंत्री ने विद्यालय स्तर पर पंजीयन और सदस्यता प्रक्रिया में बेहतर समन्वय की आवश्यकता बताई।

ट्विशा मौत मामला और उलझा

रिटायर्ड जज सास ने कोर्ट में बहू को बताया नशे की आदी, परिजन बोले- निष्पक्ष जांच हो

भोपाल। राजधानी भोपाल के कटारा हिल्स स्थित बागमुगालिया एक्सटेंशन में हुई ट्विशा शर्मा की संदिग्ध मौत का मामला लगातार नया मोड़ ले रहा है। घटना के छह दिन बाद भी मृतका के परिजनों ने शव लेने से इनकार कर दिया है और निष्पक्ष जांच की मांग पर अड़े हुए हैं। इस बीच मामले में नया विवाद तब सामने आया, जब आरोपी सास और सेवानिवृत्त जिला न्यायाधीश गिरीबाला सिंह द्वारा अदालत में दाखिल जमानत आवेदन के कुछ हिस्से सार्वजनिक हुए। अदालत में प्रस्तुत आवेदन में गिरीबाला सिंह ने अपनी बहू ट्विशा शर्मा को नशे की आदी बताया है। आवेदन में दावा किया गया कि ट्विशा को नशे की लत थी और जब उसे नशा नहीं मिलता था तो उसके हाथ कांपने लगते थे। इसके साथ ही उसके व्यवहार में चिड़चिड़ापन आ जाता था। गिरीबाला सिंह ने इन तथ्यों का उल्लेख अपनी जमानत याचिका में किया है। मामले में ट्विशा के पति समर्थ सिंह की अग्रिम जमानत याचिका पर सोमवार को सुनवाई होनी है। वहीं मृतका के परिजन लगातार यह आरोप लगा रहे हैं कि मामले की जांच प्रभावित की जा रही है और पुलिस आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं कर रही। गिरीबाला सिंह की ओर से अदालत में दिए गए आवेदन में यह भी कहा गया कि 17 अप्रैल 2026 को ट्विशा दिल्ली के लिए विमान से रवाना हुई थी और अगले दिन अपने मायके पहुंची थी। आवेदन के अनुसार वह करीब 12 घंटे तक लापता रही थी। जब उससे इस बारे में पूछा गया तो उसने कोई जानकारी नहीं दी। ट्विशा शर्मा ने अपने करियर की शुरूआत मॉडलिंग से की थी। वह दक्षिण भारतीय फिल्मों में भी अभिनय कर चुकी थी और विज्ञापन फिल्मों में काम करने के साथ मॉडलिंग की दुनिया में सक्रिय रही थी। बाद में उसने प्रबंधन की पढ़ाई कर निजी कंपनी में नौकरी शुरू कर दी थी। घटना के संबंध में अदालत में बताया गया कि 11 मई की शाम ट्विशा ब्यूटी पार्लर से तैयार होकर घर लौटी थी। इसी दौरान उसकी मां का फोन आया। बातचीत करते हुए वह घर की छत पर चली गई। कुछ देर बाद फोन कट गया। रात करीब साढ़े दस बजे उसका शव फंदे पर लटका मिला। गिरीबाला सिंह के वकील ने अदालत में यह भी तर्क दिया कि ट्विशा गर्भवती थी और गर्भवती होने के बाद उसका व्यवहार बदल गया था। उन्होंने कहा कि ससुराल पक्ष उसका इलाज करा रहा था और घटना वाले दिन उसका पति ही उसे ब्यूटी पार्लर लेकर गया था। अदालत में यह भी कहा गया कि ट्विशा का गर्भपात हो चुका था। दहेज प्रताड़ना के आरोपों को भी अदालत में निराधार बताया गया। गिरीबाला सिंह की ओर से कहा गया कि ट्विशा को हर महीने उसकी जरूरत के अनुसार धनराशि ऑनलाइन माध्यम से भेजी जाती थी। अदालत में पांच हजार रुपये से लेकर पचास हजार रुपये तक के कई ऑनलाइन लेनदेन के दस्तावेज भी प्रस्तुत किए गए। अदालत में यह भी बताया गया कि ट्विशा का इलाज मनोचिकित्सक डॉ. सत्यकांत त्रिवेदी के पास चल रहा था। इसके अलावा उसे परामर्शदाता काकोली राय के पास भी भेजा गया था। बचाव पक्ष का दावा है कि ट्विशा मानसिक तनाव से गुजर रही थी। दूसरी ओर ट्विशा के परिजनों ने इन सभी दावों को खारिज करते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

२३ साल की माही के मुक्कों का कमाल

मध्यप्रदेश की बेटी अब चीन में विश्व कप में दिखाएगी दम, भारतीय टीम में हुआ चयन

- अब माही लामा चीन के गुइयांग शहर में 15 जून से 20 जून 2026 तक आयोजित होने वाले बॉक्सिंग विश्व कप में भारत की ओर से चुनौती पेश करेंगी।

भोपाल। महज 23 साल की उम्र में मध्यप्रदेश की बेटी माही लामा ने अपनी मेहनत, लगन और दमदार खेल के बल पर ऐसा मुकाम हासिल किया है, जिस पर पूरे प्रदेश को गर्व है। मध्यप्रदेश राज्य बॉक्सिंग अकादमी की होनहार मुक्केबाज माही लामा का चयन भारतीय टीम में विश्व कप के लिए हो गया है। अब वे चीन के गुइयांग शहर में आयोजित होने वाले बॉक्सिंग विश्व कप में देश का प्रतिनिधित्व करेंगी। माही की इस उपलब्धि से प्रदेश के खेल जगत में खुशी और उत्साह का माहौल है। राष्ट्रीय खेल संस्थान पटियाला में आयोजित असेसमेंट रैंकिंग ट्रायल में माही ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चयनकताओं को प्रभावित किया। 13 से 15 मई तक चले इन ट्रायल मुकाबलों में माही ने 60 किलोग्राम भार वर्ग में अपने दमदार मुक्कों और बेहतरीन तकनीक का प्रदर्शन किया। उन्होंने लगातार दो मुकाबलों में जीत दर्ज कर विश्व कप का टिकट पक्का किया। पहले मुकाबले में माही का सामना हरियाणा की मुक्केबाज विंका से हुआ। यह मुकाबला बेहद रोमांचक रहा, लेकिन माही ने आत्मविश्वास और आक्रामक खेल के दम पर 4-1 से जीत दर्ज की। इसके बाद दूसरे मुकाबले में उन्होंने महाराष्ट्र की दिशा पाटिल को एकतरफा अंदाज में 5-0 से हराकर अपनी दावेदारी और मजबूत कर दी। लगातार दो शानदार जीत के बाद उनका चयन भारतीय टीम में तय हो गया। अब माही लामा चीन के गुइयांग शहर में 15 जून से 20 जून 2026 तक आयोजित होने वाले बॉक्सिंग विश्व कप में भारत की ओर से चुनौती पेश करेंगी। यह प्रतियोगिता दुनिया के बेहतरीन मुक्केबाजों का बड़ा मंच मानी जाती है। ऐसे में माही के सामने अपनी प्रतिभा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साबित करने का सुनहरा अवसर होगा। प्रदेश के खेल प्रेमियों और प्रशिक्षकों को उनसे पदक की बड़ी उम्मीद है। माही की सफलता के पीछे वर्षों की कठिन मेहनत, अनुशासन और समर्पण छिपा है। मध्यप्रदेश राज्य बॉक्सिंग अकादमी में मिले उच्च स्तरीय प्रशिक्षण ने उनके खेल को नई दिशा दी। नियमित अभ्यास, फिटनेस पर विशेष ध्यान और कठिन परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखने की क्षमता ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया है। रिंग में उनकी तेज गति, सटीक पंच और रणनीतिक खेल ने चयनकताओं को खासा प्रभावित किया। खेल विशेषज्ञों का मानना है कि माही लामा आने वाले समय में भारतीय महिला बॉक्सिंग का बड़ा चेहरा बन सकती हैं। उनकी उपलब्धि प्रदेश की अन्य युवा खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणा बनकर सामने आई है। इससे यह संदेश मिलता है कि यदि खिलाड़ी मेहनत और लगन के साथ आगे बढ़े तो अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचना संभव है। मध्यप्रदेश के खेल जगत में माही की इस सफलता को बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। खेल प्रेमियों, प्रशिक्षकों और साथी खिलाड़ियों ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। अब पूरे देश की नजर चीन में होने वाले विश्व कप पर टिकी है, जहां माही लामा अपने दमदार मुक्कों से भारत का परचम लहराने के इरादे से उतरेंगी।

न्यूज । ब्रीफ

भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष के आगमन पर युवा मोर्चा ने भव्य स्वागत किया

करेली। विगत दिनों भारतीय जनता युवा मोर्चा मध्यप्रदेश के नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर नरसिंहपुर जिले के प्रवास पर रहे, जहां उनका करेली नगर में आगमन हुआ,करेली बस्ती में भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला महामंत्री अभिषेक रघुवंशी ने भाजपा जिला अध्यक्ष पं रामस्नेही पाठक, युवा मोर्चा प्रदेश कोषाध्यक्ष एवं जिलाध्यक्ष प्रियांक जैन के नेतृत्व में युवा कार्यकताओं के साथ प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर का भव्य स्वागत किया, जहां त्रिशूल देकर और बड़ी माला पहनाकर उनका सम्मान किया एवं साथ ही साथ मातृशक्ति को वाहन का उपयोग करते समय हेलमेट का उपयोग करने के लिए हेलमेट भेट किए इस अवसर भाजपा की जिला उपाध्यक्ष बीना ओसवाल, जनपद अध्यक्ष प्रतिज्ञा परिहार, संतोष रघुवंशी, मुकेश रघुवंशी, युवा मोर्चा जिला मीडिया प्रभारी प्रखर दुबे सह सोशल मीडिया प्रभारी शशांक पटेल, मंडल अध्यक्ष अंकेश अग्रवाल, सौरभ जैन, भूपेंद्र पटेल,आशिफ कुरैशी, आशु नेमा, सहित युवा जन उपस्थित रहे।

दरियापुर की कपास फैक्ट्री में भीषण आग, लाखों का माल जलकर खाक

आज की जनधारा

बुरहानपुर। गोपाल देवकर। बुरहानपुर जिले के दरियापुर स्थित एक कपास फैक्ट्री में भीषण आग लगने से इलाके में हड़कंप मच गया। आग इतनी भयावह थी कि देखते ही देखते पूरी फैक्ट्री धुएं और आग की लपटों से घिर गई। आगजनी की इस घटना में लाखों रुपए कीमत की कपास और अन्य सामान जलकर खाक हो गया। घटना के बाद फैक्ट्री परिसर और आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार दरियापुर स्थित कपास फैक्ट्री में अचानक आग भड़क उठी। शुरूआती दौर में कर्मचारियों और स्थानीय लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन कपास जैसे अत्यधिक ज्वलनशील पदार्थ होने के कारण आग तेजी से फैलती चली गई। कुछ ही देर में आग ने फैक्ट्री के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू किए गए। आग की भयावहता को देखते हुए कई दमकल वाहनों को मौके पर बुलाया गया। देर तक दमकल कर्मी आग बुझाने में जुटे रहे, लेकिन लगातार उठती लपटों और धुएं के कारण राहत कार्य में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक फैक्ट्री से उठता काला धुआं दूर-दूर तक दिखाई दे रहा था। आग की लपटें इतनी ऊंची थीं कि आसपास के ग्रामीण भी मौके पर जमा हो गए। एहतियात के तौर पर फैक्ट्री के आसपास लोगों की आवाजाही को भी सीमित किया गया। प्रारंभिक अनुमान के मुताबिक आगजनी में लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। हालांकि आग लगने के कारणों का अभी स्पष्ट खुलासा नहीं हो पाया है। आशंका जताई जा रही है कि शॉर्ट सर्किट या किसी तकनीकी खराबी के चलते आग लगी हो सकती है। फिलहाल प्रशासन और दमकल विभाग की टीम स्थिति पर नजर बनाए हुए है। राहत की बात यह रही कि घटना में किसी जनहानि की सूचना नहीं मिली है, लेकिन आग ने फैक्ट्री संचालकों को भारी आर्थिक नुकसान पहुंचाया है।

36 घंटे में सिंगरौली पुलिस की बड़ी कामयाबी, झारखंड से सकुशल बरामद हुई अपहृत मासूम

आज की जनधारा

सिंगरौली। जिले के बैढ़न अंतरराज्यीय बस स्टैंड से अपहृत हुई दो वर्षीय बालिका को सिंगरौली पुलिस ने महज 36 घंटे के भीतर झारखंड से सकुशल बरामद कर लिया। मामले में आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। जानकारी के अनुसार ग्राम नगौरा चटनिया टोला, थाना जियावन निवासी अर्जुन सिंह ने 16 मई 2026 को बैढ़न थाने में सूचना दर्ज कराई थी कि वह 15 मई की रात अपनी दो वर्षीय पुत्री मनीषा सिंह के साथ बस स्टैंड बैढ़न में सोया हुआ था। देर रात नींद खुलने पर बच्ची गायब मिली। काफी तलाश के बाद भी जब उसका पता नहीं चला, तो पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। मामले में थाना बैढ़न में अपराध क्रमांक 582/2026 धारा 137(2) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज किया गया।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में बनी एसआईटी- मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक षियाज के.एम. के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सर्वप्रिय सिन्हा के मार्गदर्शन एवं नगर पुलिस अधीक्षक विंध्यनगर राहुल सैयाम के नेतृत्व में विशेष एसआईटी का गठन किया गया। बालिका की तलाश के लिए करीब 10 पुलिस टीमों में लगभग 150 पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों को लगाया गया। साथ ही अपहृत बालिका एवं आरोपी की जानकारी देने पर 10 हजार रुपये के इनाम की घोषणा भी की गई।

200 सीसीटीवी कैमरों की जांच, कई राज्यों तक भेजी गई सूचना-

पुलिस ने बैढ़न शहर में लगे लगभग 200 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। इसके अलावा जिले के सभी थानों, सीमावर्ती राज्यों एवं एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग विंग को सूचना भेजी गई। बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, डैम, अस्पताल और सुनसान क्षेत्रों में भी सघन तलाश अभियान चलाया गया। बच्ची के फोटो वाले पंपलेट सार्वजनिक स्थानों और वाहनों में लगाए गए तथा सोशल मीडिया पर भी प्रसारित किए गए।

सीसीटीवी फुटेज से मिला बड़ा सुराग-

जांच के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि एक संदिग्ध व्यक्ति बच्ची को लेकर ट्रामा सेंटर रोड से बिलौजी की ओर जाता देखा गया है। सीसीटीवी फुटेज में आरोपी बच्ची को साथ लेकर माजन मोड़ की ओर जाता दिखाई दिया। बाद में बस चालक और ऑटो चालकों से पूछताछ में पता चला कि आरोपी नौगढ़ की ओर गया था।

झारखंड से बरामद हुई बच्ची

नौगढ़ में घर-घर जाकर पूछताछ के दौरान शबनम परवीन नामक महिला ने पुलिस को बताया कि संदिग्ध व्यक्ति का नाम विनोद महतो है, जो झारखंड के लातेहार जिले का निवासी है और बच्ची को लेकर अपने गांव चला गया है। सूचना मिलते ही पुलिस की दो टीमें झारखंड रवाना हुईं और आरोपी विनोद महतो को उसके गांव मासीआतो, थाना बालूमार, जिला लातेहार से गिरफ्तार कर लिया। साथ ही अपहृत बालिका मनीषा सिंह को सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द किया गया। सिंगरौली पुलिस की इस कार्रवाई को 'मुस्कान अभियान' के तहत एक महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है। मामले में कई थाना प्रभारियों, साइबर सेल, सीसीटीवी टीम एवं पुलिसकर्मियों की सराहनीय भूमिका रही।

विशेष जनजातीय समूहों के लिए चलेगा जन भागीदारी अभियान

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह की अध्यक्षता में जनभागीदारी सबसे दूर सबसे पहले अभियान की जिला स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यशाला कलेक्टर सभागार में सम्पन्न हुई। कलेक्टर ने बताया कि अभियान का उद्देश्य विशेष जनजातीय समूहों के कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। शासन द्वारा 18 मई से 25 मई तक जिले में व्यापक जनभागीदारी अभियान चलाया जा रहा है। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग आनन्द राय सिन्हा ने बताया कि प्रधानमंत्री जनमन योजना धरती आबा योजना तथा आदि कर्मयागी योजना के तहत जिले के चयनित 402 ग्रामों में विभिन्न विभागों के सहयोग से आदि सेवा केंद्रों के माध्यम से हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाया जाएगा। अभियान के लिए जिला, विकासखंड एवं ग्राम स्तरीय अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। अभियान के दौरान आधार कार्ड, जाति प्रमाण-पत्र, जनधन खाता, पीएम जीवन ज्योति एवं सुरक्षा बीमा योजना, आयुष्मान भारत कार्ड, पीएम किसान सम्मान निधि, पीएम सुरक्षित मातृत्व अभियान, राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम, किसान क्रेडिट कार्ड, राशन कार्ड, पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना, पीएम उज्ज्वला योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, एफआरए पट्टा तथा पीएम विश्वकर्मा योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों को उपलब्ध कराया जा रहा है। यह होगा जागरूकता सप्ताह में जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत 19 मई को वृहद वृक्षारोपण अभियान चलाया जाएगा। साथ ही पंचायतों, आंगनबाड़ी केंद्रों, छात्रावासों एवं आश्रमों में स्वास्थ्य परीक्षण शिविरों का आयोजन भी किया जाएगा। अभियान के दौरान ग्राम संपर्क कार्यक्रम आयोजित कर जनमानस को शासन की योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। 20 मई को ग्राम संपर्क अभियान के माध्यम से जनजागरूकता गतिविधियां संचालित होंगी, वहीं 21 से 23 मई तक सभी ग्रामों में आदि सेवा केंद्रों एवं जनसुनवाई शिविरों का आयोजन कर ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जाएगा। 24 मई को अभियान की गतिविधियों का मूल्यांकन किया जाएगा तथा 25 मई को जिला स्तर पर समीक्षा एवं मीडिया संवाद कार्यक्रम आयोजित होगा।

धीमी गति से कार्य करने वाली एजेंसी पर कार्यवाही करें-संभागायुक्त सिंह

आज की जनधारा

उज्जैन। सिंहस्थ महापर्व 2028 की तैयारियों को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों ने नियमित निरीक्षण के तहत सोमवार को मार्ग नगर निगम के माध्यम से किए जा रहे मार्ग चौड़ीकरण कार्यो का निरीक्षण किया। इस दौरान संभागायुक्त श्री सिंह ने चौड़ीकरण कार्य में धीमी गति होने से निर्माण कार्य करने वाली एजेंसी को हिदायत देते हुए निगम आयुक्त को ब्लेक लिस्टेड करने के निर्देश दिए है। संभागायुक्त श्री सिंह ने कहा कि हमारी प्राथमिकता है कि वर्षा ऋतु प्रारंभ होने के पहले मार्ग चौड़ीकरण के कार्यो में जरूरी निर्माण कार्य तेजी गाति से किए जाएं। सोमवार को नियमित निरीक्षण के दौरान

संभागायुक्त श्री आशीष सिंह, कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा ने सुबह पैदल भ्रमण करते हुए निर्माण कार्यो की वास्तविकता जांची। निरीक्षण के दौरान ढांचा भवन एमआर-4 दारू गोदाम मार्ग चौड़ीकरण कार्य, नानाखेड़ा चौराहा से शांति पैलेस तक सीसी रोड़ निर्माण कार्य, केटीएम शोरूम से शांतिनगर होकर नीलगंगा चौराहा तक मार्ग चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया। संभागायुक्त श्री सिंह ने शांतिनगर क्षेत्र में कार्य की धीमी गति होने पर निर्माण एजेंसी पर नाराजगी जताते हुए नगर निगम आयुक्त श्री मिश्रा को संबंधित एजेंसी पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। संभागायुक्त श्री सिंह ने कहा कि सिंहस्थ के लिए प्रचलित कार्यो को समय सीमा में पूर्ण करने के लिए जरूरी है कि निर्माण कराने वाले विभाग के अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहकर कार्य की प्रगति की जानकारी लें। तीन शिफ्ट मे कार्य करने के लिए निर्माण एजेंसी को निर्देश दे। संभागायुक्त श्री सिंह ने कहा कि अगले महिने से वर्षा ऋतु प्रारंभ हो जाएगी। इसके पहले आवश्यक कार्य पूर्ण करना जरूरी है। इसके लिए निर्माण एजेंसी को तीन शिफ्ट मे काम शुरू करने के निर्देश दे और निरीक्षण अधिकारी भी फील्ड मे लगातार देखे की काम गति कम नही हो। जिससे वर्षा के दौर में कार्य प्रभावित भी न हो और परेशानी भी नही रहे।

अच्छी बारिश की कामना के साथ मनाया दुदबोली अमावस्या पर्व मेढ़क की टर्राहट और लोकगीतों से गूंजे आदिवासी गांव

आज की जनधारा

बुरहानपुर। गोपाल देवकर। बुरहानपुर जिले के आदिवासी अंचलों में दुदबोली अमावस्या का पर्व पारंपरिक उत्साह, लोक संस्कृति और प्रकृति प्रेम के साथ मनाया गया। अच्छी बारिश और भरपूर फसल की कामना को लेकर बच्चों और ग्रामीणों ने गांव-गांव घूमकर इंद्र देव को मनाने की अनूठी परंपरा निभाई। इस दौरान मेढ़क की टर्राहट, पारंपरिक गीतों और लोकनृत्यों से पूरा गांव भक्तिमय और उत्सवमय माहौल में डूबा नजर आया। आदिवासी समाज में इस पर्व को 'भावई' और 'ठूडी' के नाम से भी जाना जाता है। ग्रामीणों के अनुसार यह परंपरा वर्षों पुरानी है और इसे मानसून आने के करीब आठ से दस दिन पहले मनाया जाता है। मान्यता है कि इस अनुष्ठान से इंद्र देव प्रसन्न होते हैं और क्षेत्र में अच्छी बारिश होती है, जिससे किसानों की फसल अच्छी होती है। त्योहार के दौरान गांव के बच्चों ने पारंपरिक वेशभूषा धारण कर टोली बनाई और घर-घर जाकर लोकगीत गाए। खास बात यह रही कि एक बच्चे को हरे पत्तों से पूरी तरह ढंककर सजाया गया, जबकि एक टोकरी में मेढ़क रखकर बच्चे गांव में घूमते रहे। बच्चे घर-घर जाकर नेग मांगते हैं और ग्रामीण उन्हें कच्चा अनाज देते हैं। आदिवासी परंपरा के अनुसार

इस पर्व में नेग के रूप में केवल कच्चा अनाज ही स्वीकार किया जाता है। ग्रामीण राधा ने बताया कि हर वर्ष यह परंपरा निभाई जाती है और इंद्र देव से अच्छी बारिश की प्रार्थना की जाती है, ताकि खेतों में अच्छी फसल हो सके। वहीं भागा बाई ने कहा कि बचपन से इस परंपरा को देखते आ रहे हैं और गांव के बच्चे पूरे उत्साह के साथ इसमें भाग लेते हैं। पूरे आयोजन के दौरान गांव में मेढ़क की आवाज और बच्चों के गीतों से अलग ही माहौल बना रहा। ग्रामीणों ने भी बच्चों का उत्साह बढ़ाते हुए इस पारंपरिक आयोजन में सहभागिता निभाई। इसके बाद सभी बच्चे गांव के बाहर जामुन या आम के पेड़ के नीचे सामूहिक रूप से भोजन बनाते हैं और उसे प्रसादी के रूप में ग्रहण करते हैं। इस दौरान इंद्र देव से अच्छी बारिश, खेतों में हरियाली और किसानों की समृद्धि की कामना की जाती है।

220 केवी सबस्टेशन चापड़ा में पुराने सिविल फाउंडेशन पर स्थापित किया गया कम क्षमता के स्थान पर अधिक क्षमता का कैपेसिटर बैंक

आज की जनधारा

उज्जैन। मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के उज्जैन टेस्टिंग टीम के इंजीनियरों ने तकनीकी दक्षता और संसाधनों के बेहतर उपयोग का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करते 220 केवी सबस्टेशन चापड़ा मे पुराने 5 एमवीएआर कैपेसिटर बैंक के सिविल फाउंडेशन पर ही नया 12 एमवीएआर क्षमता का कैपेसिटर बैंक सफलतापूर्वक स्थापित कर ऊजीकृत करने का एक उल्लेखनीय कार्य किया है। एमपी ट्रांसको उज्जैन के अधीक्षण अभियंता श्री अनिल सक्सेना ने बताया कि इस चौथे कैपेसिटर बैंक की स्थापना के बाद चापड़ा सबस्टेशन की कुल कैपेसिटर बैंक की क्षमता बढ़कर 48 एमवीएआर हो गई है, जिससे क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी। -कैपेसिटर बैंक से उपभोक्ताओं को मिलता है गुणवत्तापूर्ण विद्युत प्रवाह- सबस्टेशन में कैपेसिटर बैंक की स्थापना बिजली प्रणाली के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। यह सिस्टम में रिएक्टिव पावर का संतुलन बनाए रखने में सहायक होता है, जिससे पावर ट्रांसफार्मरों पर लोड कम होता है तथा पावर फैक्टर एवं वोल्टेज स्तर में सुधार होता है। इसके परिणामस्वरूप विद्युत आपूर्ति अधिक स्थिर एवं

गुणवत्तापूर्ण बनती है, जिसका सीधा लाभ उपभोक्ताओं को बेहतर वोल्टेज और गुणवत्ता पूर्ण बिजली आपूर्ति के रूप में प्राप्त होता है। जानकारी देते हुए शशिकांत ओझा जनसंपर्क अधिकारी मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी जबलपुर कैंप- उज्जैन।

खरगोन पुलिस ने किया विस्फोटक मैगजीन के गोदामों व पटाखा दुकानों का औचक निरीक्षण

आज की जनधारा

खरगोन। औचक निरीक्षण के दौरान पुलिस ने सुरक्षा के इंतजामों की जांच की गोदामों मे प्राइवेट सुरक्षा गार्ड, सीसीटीव्ही कैमरे चारों और बाउंड्री वॉल या तार फैंसिंग लगवाने के दिए स्पष्ट निर्देश विस्फोटक गोदामों को रहवासी क्षेत्र से दूर लगाने के लिए दिए निर्देश पर्याप्त संख्या मे अग्निशामक यंत्र, आग बुझाने के अन्य संसाधनों को रखने, गोदामों मे फायर ब्रिगैड, पुलिस थाना/कंट्रोल रूम आदि के मोबाईल नंबर चस्पा करने के लिए भी बताया आम जन मानस की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस अधीक्षक खरगोन श्री रविन्द्र वर्मा के द्वारा जिले के समस्त एसडीओपी व थाना प्रभारियों को अपने-अपने अनुभाग व थाना क्षेत्रों

में आने वाली विस्फोटक मैगजीन के गोदामों व पटाखा दुकानों में किसी भी आपात स्तिथि से निपटने के लिए प्रशासन के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर औचक निरीक्षण करने हेतु निर्देशित किया गया था । इसी तारतम्य मे खरगोन पुलिस के द्वारा थानाक्षेत्रांतर्गत में स्थित विस्फोटक मैगजीन के गोदामों व पटाखा दुकानों का औचक निरीक्षण किया गया । औचक निरीक्षण के दौरान पुलिस-प्रशासन ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए विस्फोटक मैगजीन की दुकान/गोदाम, पटाखे के गोदाम, अस्थाई पटाखो की दुकान आदि को चेक किया गया । जिसमें सुरक्षा के दृष्टिगत गोदामों में प्राइवेट सुरक्षा गार्ड, चारों और बाउंड्री वॉल या तार फैंसिंग, पर्याप्त संख्या में अग्निशामक यंत्र, लाइसेंस की अवधि, स्टॉक रखने की मात्रा व स्थान, स्टॉक रजिस्टर, रहवासी क्षेत्र से दूरी, प्राइवेट सुरक्षा गार्ड, सीसीटीव्ही कैमरे, बाउंड्री वॉल या तार फैंसिंग जैसे मापदंडों को चेक किया गया एवं कमी पाई जाने पर तुरंत दुरुस्त करने हेतु सख्त निर्देश दिए गए।

नव प्रयास फाऊण्डेशन कर रहा निरंतर जल संरक्षण अभियान का क्रियान्वयन

आज की जनधारा

करेली। नगर के नव प्रयास फाउंडेशन करेली के द्वारा निरन्तर जल संरक्षण का संकल्प अभियान चलाया जा रहा है जिसमें जल बचाओ के साथ बारिश के जल को संचय करने की वाटर हार्वेस्टिंग के द्वारा इसे संचित कर धरती में पहुंचाएं जिससे भूजल स्तर बढ़ेगा, रिचार्ज फिट , छत के पानी का संचय , शौकता के द्वारा निरन्तर प्रयास फाउंडेशन के द्वारा किया जा रहा है नव प्रयास फाऊण्डेशन द्वारा नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती सुशीला ममार, पूर्व राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी,भाजपा जिलाध्यक्ष रामस्नेही पाठक, थाना प्रभारी रत्नाकर हिंग्वे, पूर्व नपाध्यक्ष राजेन्द्र रघुवंशी को भी संस्था के द्वारा किये जा रहे कार्यों से अवगत कराया गया है। फाउंडेशन के द्वारा पंछी को जल के लिए जल पात्र वितरित किए जा रहे हैं साथ ही सभी पंछिओ के लिए जल दाना के आह्वान किया जा रहा है लोगो द्वारा इस भीषण गर्मी में जल पात्र रखने की महती आवश्यकता है , निरन्तर गिरते जल स्तर से चिंता व संकट सामने न करने पड़े, दुनिया में एक परसेंट ही पानी पीने योग है बाकी समुद्री पानी है जल संकट की स्थिति न बने , इसलिए हम सबको आज प्रयास करते रहना है।

सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन के आदेश पर दरगाह-ए-हकीमी ने रेल्वे स्टेशन पर यात्रियों को बांटा शीतल पेयजल

आज की जनधारा

बुरहानपुर। में दरगाह-ए-हकीमी ने एक बार फिर सेवा भाव की मिसाल पेश की। सामाजिक कार्यों हो या जनभागीदारी में हमेशा आगे रहने वाली दरगाह ए हकीमी प्रबंधन ने भीषण गर्मी को देखते हुए यात्रियों के लिए राहत अभियान चलाया। मुल्ला जुझार इंदौर वाला की ओर से, दरगाह-ए-हकीमी के बैनर तले प्रबंधक शेख शब्बीर भाई एवं उप प्रबंधक शेख मुस्तफा भाई उज्जैनी के नेतृत्व में सोमवार को बुरहानपुर रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों में यात्रा करने वाले यात्रियों को भीषण गर्मी से राहत देने के लिए 2000 से अधिक ठंडे पानी की बोतलों का वितरण किया गया। दरगाह-ए-हकीमी के उप प्रबंधक मुस्तफा उज्जैनी ने बताया कि डॉ. सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन के मार्गदर्शन और आदेश पर यह सेवा

कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दाऊदी बोहरा समाज हमेशा सामाजिक और मानव सेवा के कार्यों में आगे रहता है। भीषण गर्मी को देखते हुए यात्रियों के लिए शीतल पेयजल वितरण का यह अभियान लगातार चार से पांच दिनों तक जारी रहेगा। दाऊदी बोहरा समाज के ढफ-ड कोऑर्डिनेटर तफज्जुल हुसैन मुलायम वाला ने बताया कि भीषण गर्मी को देखते हुए दरगाह ए हकीमी प्रबंधन द्वारा बुरहानपुर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के लिए ठंडे पानी की बोतलों का वितरण किया गया। ट्रेन से सफर करने वाले यात्रियों को राहत देने के उद्देश्य से यह सेवा कार्य किया गया। कार्यक्रम में दरगाह ए हकीमी के मैनेजर शेख शब्बीर भाई एवं उप प्रबंधक शेख मुस्तफा भाई उज्जैनी की मौजूदगी में पानी वितरित किया

गया। यह सेवा कार्य मुल्ला जुझार भाई इंदौर वालों के सहयोग से दरगाह ए हकीमी के बैनर तले आयोजित किया गया। दरगाह ए हकीमी प्रबंधन द्वारा हर वर्ष गर्मी के मौसम में यात्रियों की सुविधा के लिए इस तरह के सेवा कार्य किए जाते हैं, जिससे जरूरतमंदों को राहत मिल सके। तफज्जुल हुसैन मुलायम वाला ने बताया लालबाग के सामाजिक कार्यकर्ता गजेंद्र सिंह और उनकी टीम ने भी इसमें सहायता प्रदान की बुरहानपुर रेलवे स्टेशन मास्टर मीणा मेहता द्वारा अनुमति प्रदान करने पर उनका भी आभार जताया। इस दौरान तफज्जुल हुसैन मुलायमवाला, मंसूर सेवक , दरगाह ए हकीमी के मुल्ला कुसाई ओम ऐडे अकाउंटेंट अशोक लॉर्ड धर्मेंद्र मोदी,और मोहम्मद हीरा मौजूद रहे।

अपंजीकृत अस्पतालों और क्लिनिकों पर कार्यवाही सतत जारी रखें

जनजातीय गरिमा उत्सव 2026 का आयोजन 25 मई तक- कलेक्टर श्री सिंह

आज की जनधारा

उज्जैन। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने सोमवार सुबह समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक कलेक्टर कार्यालय सभागृह में ली। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने जनगणना के कार्य प्रगति की समीक्षा कर निर्देश दिए कि शहरी क्षेत्रों में कार्य की गति बढ़ाए।कलेक्टर श्री सिंह ने कम प्रगति के क्षेत्रों के चार्ज अधिकारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।बैठक में जानकारी दी गई कि ग्रामीण क्षेत्र खाचरोद,नागदा,उन्हेल ,महिदपुर, झार्डा, तराना,माकड़ौन और शहरी क्षेत्र खाचरोद, उन्हेल, महिदपुर, माकड़ौन,बड़नगर के शहरी क्षेत्रों में शत प्रतिशत कार्य पूर्ण हो गया है। कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में जानकारी दी कि जनजातीय गरिमा उत्सव 2026 का आयोजन 25 मई तक किया जा रहा है।कलेक्टर श्री सिंह ने अभियान अंतर्गत शासकीय योजनाओं का लाभ हितग्राहियों का प्रदान करने ,जल कैंप लगाने, वृक्षारोपण आदि कार्य करने के निर्देश दिए और अभियान अंतर्गत सभी कार्यों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में अपंजीकृत अस्पतालों और क्लिनिक पर कार्यवाही सतत जारी रख कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्देशानुसार नागरिकों के जान- माल का नुकसान बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि हिट एंड रन के प्रकरणों में कोई भी पेंडेंसी ना रख ,समय पर निराकरण करे जिससे लाभार्थियों को समय पर फायदा मिल सके। 100 दिवस निः क्षय शिविर में हैंड होल्ड एक्स-रे से घर-घर जाकर नागरिकों को चिन्हांकित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने चरक भवन में 7 लिफ्ट्स के संचालन का कार्य 5 जून के पूर्व करने के निर्देश दिए,उक्त निर्देश का 5 जून तक पालन ना होने पर चरक अस्पताल प्रभारी और अन्य संबंधित जिला अधिकारी के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। बैठक में एएनसी पंजीयन, आयुष्मान कार्ड बनाने के कार्य की समीक्षा की गई। समीक्षा कर कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि 70 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाने के कार्य में तेजी लाकर शत प्रतिशत कार्य पूर्ण करे। कलेक्टर श्री सिंह ने जिले में एनेमिक गर्भवती ,हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं के पोषण में सुधार पर विशेष ध्यान देने और जिला ,अनुभाग और तहसील स्तर पर महिला एवं बाल विकास विभाग और स्वास्थ्य विभाग को समन्वय कर कार्य करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की विभागवार समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

महिला एवं बाल विकास विभाग ने जानकारी दी कि अभियान अंतर्गत 173 पोषण वाटिका निर्माण और 108 आंगनवाड़ी केंद्रों पर रैन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाए गए हैं। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा विद्यालयों की पानी की टंकी की सफाई के लक्ष्य 431 के विरुद्ध 431 से ज्यादा पानी की टंकियों की साफ सफाई की गई है। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा अभियान अंतर्गत 100 जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए है। साथ ही 13 भवनों में रैन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाया गया है। एमएसएमई द्वारा 195 से अधिक स्थानों पर पौधारोपण किया गया है। एमपीआईडीसी द्वारा ईटीपी आधारित ट्रीटेड वाटर प्लांट लगाया गया है और औद्योगिक क्षेत्रों में पौधारोपण का कार्य किया जा रहा है।अभियान अंतर्गत ग्रामीण विकास विभाग द्वारा फार्म पौंड, अमृत सरोवर, डगवेल रिचार्ज ,वाटर कंजर्वेशन, वाटरशेड संबंधित कार्य और जल संरचनाओं का रख रखाव आदि कार्य किए है। बैठक में जल संचय जन भागीदारी 2.0 अंतर्गत किए गए कार्यों की समीक्षा कर पोर्टल पर एंट्री करने के निर्देश दिए गए।कलेक्टर श्री सिंह ने पदीय दायित्वों में लापरवाही बरतने पर एसडीओ वन विभाग को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में विभागों द्वारा पौधारोपण करने की कार्ययोजना की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने रोपित किए गए पौधों की देखवाल और रख रखाव को कार्ययोजना में सर्वाधिक महत्व देने के निर्देश दिए। पौधारोपण में रोपित किए जा रहे पौधों की साइज निर्धारित मापदंड अनुसार, ट्रिगार्ड,पौधों को पानी की सप्लाई और पौधों के रख रखाव पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही बरतने पर एलडीएम को चेतावनी दी और इसके संबंध में आरबीआई को पत्र लिखने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, पीएम आवास, एक बगियां मां के नाम,लखपति दीदियां,पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना , पीएम कुसुम योजना और अन्य योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की। सीईओ जनपद तराना द्वारा पीएम विश्वकर्मा योजना के क्रियान्वयन में प्राप्त आवेदनों के निराकरण में लापरवाही बरतने पर उनका एक सप्ताह का वेतन काटने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री आवास योजना के क्रियान्वयन में लापरवाही बरतने पर सीएमओ बड़नगर का एक सप्ताह का वेतन काटने के निर्देश दिए गए।

सिंगरौली में अवैध होर्डिंग्स का जाल, नगर निगम कर्मियों पर सहयोग के आरोप

आज की जनधारा

सिंगरौली। जिले में शहर में अवैध होर्डिंग्स और बैनरों का जाल लगातार फैलता जा रहा है। बिना अनुमति लगाए जा रहे होर्डिंग्स न केवल नगर निगम को लाखों रुपये के राजस्व का नुकसान पहुंचा रहे हैं, बल्कि सुरक्षा मानकों की अनदेखी के कारण हादसों का खतरा भी बढ़ा रहे हैं। अब इस मामले में नगर निगम के कर्मचारियों की भूमिका पर भी सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर निगम के कुछ कर्मचारी ही अपने वाहनों से राजनीतिक दलों और अन्य लोगों के अवैध होर्डिंग एवं बैनर लगवाने में सहयोग कर रहे हैं। कुछ लोगों का दावा है कि निगम कर्मी खुद भी इस काम में शामिल दिखाई देते हैं।

शहर के प्रमुख क्षेत्रों में अवैध होर्डिंग्स की भरमार- जानकारी के अनुसार उजार्धानी का शहरी क्षेत्र, जिसे मॉडल रोड के नाम से जाना जाता है, वहां माजन मोड़ से लेकर विंध्यनगर तक बड़ी संख्या में होर्डिंग्स लगे हुए हैं। इसके अलावा जयंत, मोरवा और बस स्टैंड क्षेत्र में भी अवैध बैनर और पोस्टरों की भरमार है। आरोप है कि इनमें से अधिकांश होर्डिंग्स के लिए न तो नगर निगम से अनुमति ली गई है और न ही किसी प्रकार का शुल्क जमा कराया गया है। इसके बावजूद खुलेआम सार्वजनिक स्थानों, बिजली के खंभों, डिवाइडरों और चौराहों पर विज्ञापन सामग्री लगाई जा रही है।

नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल- स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नगर निगम अवैध होर्डिंग्स हटाने के लिए कोई प्रभावी अभियान नहीं चला रहा। शहर के व्यस्त चौराहों और मुख्य मार्गों पर बिना अनुमति लगे बड़े-बड़े होर्डिंग्स खुलेआम दिखाई दे रहे हैं। लोगों का आरोप है कि राजनीतिक प्रभाव रखने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की जाती, जबकि केवल छोटे स्तर पर दिखावटी कार्रवाई कर मामले को दबाने की कोशिश की जाती है। इससे शहर की सुंदरता प्रभावित होने के साथ-साथ निगम को हर साल लाखों रुपये के राजस्व का नुकसान भी हो रहा है।

हादसे का भी बना खतरा- सड़क किनारे और ट्रैफिक सिग्नलों के पास लगे बड़े होर्डिंग्स वाहन चालकों के लिए खतरा बनते जा रहे हैं। कई स्थानों पर कमजोर ढांचे और कम ऊंचाई के कारण तेज हवा या बारिश में इनके गिरने की आशंका बनी रहती है।

सिंगरौली में गैस की कालाबाजारी का खेल, घरेलू सिलेंडर 2500 और कॉमर्शियल 3600 में बिकने के आरोप

आज की जनधारा

सिंगरौली। जिले में इन दिनों घरेलू और कॉमर्शियल गैस सिलेंडरों की कथित कालाबाजारी को लेकर लोगों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। आरोप है कि घरेलू गैस सिलेंडर 2500 रुपये तक और कॉमर्शियल सिलेंडर 3600 रुपये तक में बेचे जा रहे हैं। बढ़ती कीमतों और कमी के बीच उपभोक्ताओं की मजबूरी का फायदा उठाया जा रहा है, जबकि जिम्मेदार विभाग की कार्रवाई सवालों के घेरे में है। जानकारी के अनुसार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने के बाद कच्चे तेल और गैस की कीमतों में उछाल आया है। इसका असर स्थानीय बाजारों में भी दिखाई देने लगा है। जिले में घरेलू एवं कॉमर्शियल गैस की कमी की स्थिति बन रही है, जिसका फायदा कथित बिचौलिए और अवैध कारोबारी उठा रहे हैं।

मजबूरी का फायदा उठा रहे

गैस कारोबारी- सूत्रों के मुताबिक जिले के कई क्षेत्रों में अवैध रूप से गैस सिलेंडरों की सप्लाई की जा रही है। जरूरतमंद उपभोक्ताओं से घरेलू गैस के लिए 2500 रुपये और कॉमर्शियल सिलेंडर के लिए 3600 रुपये तक वसूले जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि गैस बेचने वाले कथित कारोबारी पहले ग्राहकों की पूरी जानकारी लेते हैं और जरूरत की पुष्टि करने के बाद ही सिलेंडर उपलब्ध कराते हैं। उन्हें इस बात का डर भी बना रहता है कि कहीं कोई मुखबिरी न कर दे। शहर से तहसील तक फैला नेटवर्क- चचाएं हैं कि यह अवैध कारोबार केवल शहर तक सीमित नहीं है, बल्कि तहसील क्षेत्रों में भी सक्रिय है।

श्री शिव सांई सेवा भाव परिवार द्वारा पुरुषोत्तम माह में नि:शुल्क प्रसाद वितरण सेवा का आयोजन

आज की जनधारा

दमोह। पवित्र पुरुषोत्तम माह के शुभ अवसर पर धर्म एवं सेवा का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। पंडित श्री कमलेश्वरानंद जी महाराज के सानिध्य में श्री शिव साईं सेवाभाव परिवार बेलाताल टापू द्वारा रेलवे स्टेशन दमोह पर प्रतिदिन निःशुल्क भोजन (प्रसाद) वितरण की व्यवस्था की गई है। इस सेवा कार्य के अंतर्गत 17 मई से 15 जून तक प्रतिदिन शाम 7:30 बजे से जरूरतमंदों, यात्रियों एवं आमजन के लिए निःशुल्क प्रसाद उपलब्ध कराया जा रहा है। बड़ी संख्या में लोग इस सेवा का लाभ उठा रहे हैं और आयोजन की सराहना कर रहे हैं। आयोजकों ने बताया कि पुरुषोत्तम माह में सेवा, दान और धर्म का विशेष महत्व होता है, इसी भावना के साथ यह निरंतर भोजन सेवा प्रारंभ की गई है। इस सेवा कार्य में पंडित श्री कमलेश्वरानंद जी महाराज एवं श्री शिव साईं सेवाभाव परिवार, श्री शिव साईं धाम वेलाताल टापू दमोह (म.प्र.) की प्रमुख भूमिका रही है।

अपराध करना पाप है पुलिस हमारी बाप है, आरोपियों का पुलिस ने निकाला जुलूस

आज की जनधारा

पिपरिया। शुक्रवार को नगर के इलेक्ट्रॉनिक व्यापारी से 5 लाख की रंगदारी मांगने वाले सात आरोपियों में से मंगलवारा पुलिस ने तीन आरोपियों को पकडे में सफलता हासिल की। नगर में सरेआम फ ायरिंग कर दहशत फैलाने वाले आरोपियों को सबक सिखाने के लिए मंगलवारा पुलिस ने पुलिस थाने से न्यायालय तक पैदल मार्च करते हुए ले गई। मंगलवारा पुलिस का मुख्य उद्देश्य अपराधियों के हौसले पस्त करना उनके अंदर कानून का डर कायम करना और आम जनता के बीच सुरक्षा का विश्वास जगाने को लेकर पैदल मार्च करते हुए ले गई। वहीं अपराधी पुलिस हमारे बाप है अपराध करना पाप है यह कहते हुए आगे बढ़ते जा रहे थे। इस दौरान पुलिस ने एक महिला के साथ छेडखानी,ऑटो वाले के साथ मारपीट करने वाले 151 के अपराधियों को भी साथ में ले गई।

खेलो,सीखो,आगे बढ़ो थीम पर खेलों का प्रशिक्षण ले रहे है खिलाड़ी

आज की जनधारा

पिपरिया। संचालनालय खेल एवं युवा कल्याण विभाग भोपाल द्वारा 30 दिवसीय ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर समारोह 2026 का आयोजन खेलो, सीखो,आगे बढ़ो की थीम पर युवाओं को खेलों के माध्यम से स्वस्थ रखने एवं खेल कौशल में सुधार करने के लिये जा रहा है। प्रशिक्षण शिविर सांदीपनि शासकीय आर एन ए स्कूल एवं शासकीय कन्या विद्यालय में खिलाड़ी पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। नियमित अभ्यास से बच्चों में फि टनेस, एकाग्रता एवं आत्मबल का विकास हो रहा है। प्रशिक्षण शिविर में सुबह सत्र में फिट इंडिया मूवमेंट घटक के अंतर्गत खिलाडिों को मॉर्निंग रन, योग,प्राणायाम,सूर्य नमस्कार एवं दैनिक फिटनेस गतिविधियां कराई गई। सायंकालीन सत्र में व्यक्तित्व विकास घटक में कम्युनिकेशन स्किल,लीडरशिप एवं टीम वर्क एवं मोटिवेशनल सेशन पर विकास खंड खेल प्रभारी अरविंद शर्मा, डॉ शैलेंद्र मालविया स्पोर्ट्स आफिसर शासकीय महाविद्यालय डोलरिया, डॉ अरुण मोहता सहायक प्राध्यापक शासकीय भगत सिंह महाविद्यालय ने खिलाडिों को जानकारी प्रदान की एवं खिलाडिों को अनुशासन में रहकर खेलने के लिये प्रेरित किया।

रेलवे स्टॉपेज की मांग को लेकर ग्रामीणों ने दी आंदोलन की चेतावनी, चांदनी, मांडवा और असीरगढ़ स्टेशन पर पैसेंजर ट्रेनों के ठहराव की मांग तेज

आज की जनधारा

बुरहानपुर। बुरहानपुर जिले के ग्रामीण अंचलों में रेलवे सुविधाओं को लेकर लोगों का आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। चांदनी, मांडवा और असीरगढ़ रेलवे स्टेशन पर वर्षों पहले बंद किए गए पैसेंजर ट्रेनों के स्टॉपेज को फिर से शुरू करने की मांग अब आंदोलन का रूप लेती दिखाई दे रही है। लंबे समय से मांग पूरी नहीं होने से नाराज ग्रामीणों ने अब उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है। इसी कड़ी में सोमवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण असीरगढ़ रेलवे स्टेशन पहुंचे और भुसावल मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) के नाम स्टेशन मास्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में ग्रामीणों ने जल्द से जल्द इन स्टेशनों पर पैसेंजर ट्रेनों का ठहराव बहाल करने की मांग की है। ग्रामीणों ने बताया कि करीब चार से पांच वर्ष

पहले रेलवे प्रशासन ने कई पैसेंजर ट्रेनों को एक्सप्रेस ट्रेनों में परिवर्तित कर दिया था। इसके बाद चांदनी, मांडवा और असीरगढ़ रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों का ठहराव बंद कर दिया गया। तब से क्षेत्र के हजारों लोगों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि इन स्टेशनों से आसपास के दर्जनों गांवों के लोग शिक्षा, रोजगार, व्यापार और इलाज के लिए प्रतिदिन यात्रा करते थे। ट्रेनों का स्टॉपेज बंद होने के बाद अब लोगों को निजी वाहनों और महंगे यातायात साधनों का सहारा लेना पड़ रहा है, जिससे आर्थिक बोझ बढ़ गया है। ज्ञापन में झिरी, चुलखान, निंबोला, झांझर, नसीराबाद, निम्ना, बोरी, मचलपुरा, रेलवे गेट, रईपुरा और मगरूल सहित कई गांवों के रहवासियों ने उल्लेख किया कि इस मांग को लेकर पूर्व में भी कई बार रेलवे प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन दिए जा चुके हैं, लेकिन आज तक कोई सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई। ग्राम पंचायत झिरी की सरपंच आशाबाई कैथवास ने कहा कि यह ग्रामीणों की ओर से दिया गया अंतिम ज्ञापन है। यदि जल्द रेलवे प्रशासन ने स्टॉपेज बहाल नहीं किया तो क्षेत्र की महिलाएं भूख हड़ताल पर बैठेंगी। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को मूलभूत यातायात सुविधा से वंचित रखना अन्याय है। वहीं चुलखान ग्राम पंचायत के सरपंच इस्माईल तड़वी पठान ने बताया कि असीरगढ़, मांडवा और चांदनी स्टेशन पर ट्रेनों का ठहराव नहीं होने से सबसे ज्यादा परेशानी छात्र-छात्राओं, मजदूरों, छोटे व्यापारियों और मरीजों को हो रही है। कई बार मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाने में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने यह भी तर्क दिया कि पहले इन रेलवे स्टेशनों से टिकट बिक्री के माध्यम से रेलवे को अच्छी आय प्राप्त होती थी।

कौरव सेवा समिति ने किया समाजिक प्रतिभाओं को सम्मानित

आज की जनधारा

गाडरवारा। कौरव सेवा समिति द्वारा प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी प्रतिभा सम्मान समारोह 2026 का आयोजन विगत दिवस रविवार को गाडरवारा के रायल पैलेस में आयोजित किया गया। इस आयोजन में कौरव समाज के कक्षा 10 वी व 12 वी मध्यप्रदेश एवं सेंट्रल बोर्ड 2026 में 85% प्रतिशत से अधिक अंक वाले छात्र छात्राओं, 2025-26 में सरकारी नौकरी प्राप्त सामाजिक युवाओं, नवोदय विद्यालय में चयनित सामाजिक बच्चों सहित न्यू स्टार्ट अप वाले युवाओं सहित कुल 130 प्रतिभाओ को स्मृति चिन्ह, भीष्म पितामह चित्र एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती एवं भीष्म पितामह के चित्र का पूजन कर किया गया उपस्थित अतिथियों का स्वागत शॉल, श्रीफल, डायरी, पैन एवं माला पहनाकर कौरव सेवा समिति के सदस्यों ने किया कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए पूर्व जनपद

अध्यक्ष मुकेश मरैया ने कहा कि सामाजिक युवाओं के सम्मान की यह पहल सराहनीय है। युवाओं को नशे से दूर रहकर अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए सेवानिवृत्त कॉलेज प्राचार्य प्रहलाद सिंह कौरव एवं राजेंद्र कौरव ने कहा कि कौरव सेवा समिति सामाजिक हित में अनेक उल्लेखनीय कार्य कर रही है इस अवसर पर रमाकांत कौरव, महेन्द्र कौरव एवं प्रवीण कौरव ने कहा कि कौरव समाज में अनेक प्रतिभाएँ है जिन्हे समाज के बीच लाना हम सभी की जिम्मेदारी है कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन हेमंत कौरव ने किया आयोजन में छात्र छात्रायें परिजनों के साथ आये वहीं दूरस्थ अंचलों से भी सामाजिक बंधु पधारे कोर्ट सेवा समिति ने इस वर्ष समस्त कौरव समाज द्वारा आयोजित 22वें कौरव सामूहिक विवाह सम्मेलन को पूर्ण व्यवस्थित संतुलित व्यय के साथ संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जिसकी समाज में चहुंओर प्रशंसा हुई प्रतिभा सम्मान समारोह में यशवंत कौरव, अनिल कौरव, सतीश कौरव, सौरभ कौरव, अरविंद ममार, गिरीश पटैल, गजेंद्र कौरव, महेंद्र कौरव,राजेश पटैल, संजय कौरव, सालकराम कौरव,दीपक बड़कुर, लाल साहब कौरव, उमेश कौरव, मनीष ममार, पवन कौरव, प्रदीप कौरव, अमित पटैल, समीर कौरव, संजय कौरव,भानु प्रताप कौरव, ब्रजेश कौरव, मनीष कौरव, हजारी कौरव, दिलीप कौरव, आनंद कौरव, सत्यम तिहैया, रंजीत कौरव सहित कौरव सेवा समिति के समस्त सदस्य आदि उपस्थित रहे।

ईलेक्ट्रानिक दुकान से 5 लाख की फिरोती की मांग करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

आज की जनधारा

पिपरिया। बीते शुक्रवार को इलेक्ट्रानिक व्यापारी से पांच लाख की फिरौती की मांग करने वाले व व्यापारी द्वारा मामले की शिकायत पुलिस जाकर करने पर से आरोपियो द्वारा दुकान पर हवाई फायर करने वाले 7 आरोपियो में से 3 आरोपियों को मंगलवारा पुलिस ने पकडने में सफलता हासिल की है। जिसका मंगलवारा पुलिस ने प्रेस वार्ता कर खुलासा किया। प्रेस वार्ता में बताया कि फरियादी सचिन जायसवाल दुकान संचालक सचिन इलेक्ट्रानिक द्वारा शिकायत कि गयी कि जब वह दुकान पर 4 बजे अपना काम कर रहा था तभी दो बदमाश उसकी दुकान पर आये जिसमे से एक बदमाश दुकान के अंदर आया और उसने

एक गुलाबी रंग की पर्ची दी जिसमे लिखा था रज्जू पुर्विया की तरफ से तोहफा और 5 लाख रुपए फिरौती की मांग की बाहर जाकर बदमाश ने पिस्टल से दुकान की तरफ फायर किया जो मिस फ ायर हुआ और आरोपीगण मौके से भाग गये।

जब फरियादी थाने की तरफ रिपोर्ट करने आया तो दो अन्य बदमाशों ने फरियादी की दुकान पर तीन राऊंड फायर किया उक्त घटना पर थाना पिपरिया में धारा 308(5) बीएनएस का अपराध कायम कर विवेचना मे लिया गया मामले की गंभीरता को देखते हुये। पुलिस अधीक्षक नर्मदापुरम साई कृष्ण एस थोटा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक राजन नर्मदापुरम,एसडीओपी मोहित कुमार यादव द्वारा टीमें गठित कि गयी । जिस टीम द्वारा रायसेन देहगांव, भोपाल, नर्मदापुरम,

सोहागपुरं,पचमढी में अलग.अलग ठिकानों पर दबिश देकर तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है शेष चार अभी भी फरार है जबकि घटना की योजना बनाने वाला बदमाश रज्जु पुर्विया पूर्व से ही बड़वानी जेल में बंद है जिसे भी प्रकरण मे आरोपी बनाया गया है। घटना दिनांक को वायरल सीसीटीव्ही फु टेज के आधार पर थाना प्रभारी मंगलवारा को पता चला कि दुकान के अंदर धमकी देने वाला रायसेन का कुख्यात चोर आमिर खान पिता चमन खान है जो अपनी पहचान बदलकर छुपा हुआ है उक्त सूचना पर थाना प्रभारी पिपरिया, थाना प्रभारी बनखेडीविजय सनस, उनि राजेन्द्र कुशवाहा, उनि किशन उइके की एक टीम ने आमिर को धर दबोंचा और दुकान पर फायरिंग करने की योजना व अन्य बदमाशो के संबध मे पूछताछ कि तो आमिर ने बताया कि रज्जू पुर्विया बडवानी जेल मे बदं है।

डॉक्टर-इंजीनियर बनने का सपना होगा साकार

आज की जनधारा

शहडोल। इस आदिवासी अंचल शहडोल संभाग के युवाओं का अब डॉक्टर और इंजीनियर बनने का सपना होगा साकार, क्योंकि दिल्ली से संचालित प्रसिद्ध शिक्षण संस्था स्कॉलर एकेडमी का अब शहडोल में भी शुभारंभ हो गया है। बाण गंगा रोड शहडोल में संचालित स्कॉलर एकेडमी ब्रांच की डायरेक्टर डॉ. नम्रता पटेल ने बताया कि आधुनिक शिक्षण पद्धति, अनुभवी शिक्षकों की टीम और उत्कृष्ट मार्गदर्शन के साथ संस्था विद्यार्थियों को सफलता की नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने बताया कि संस्था में मेडिकल एवं इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं नीट व जी की उच्च स्तरीय तैयारी कराई जाएगी। विद्यार्थियों को नियमित टेस्ट सीरीज,

डाउट क्लास, विशेष मोटिवेशन सेशन एवं अनुशासित अध्ययन वातावरण प्रदान किया जाएगा, जिससे वे अपने लक्ष्य को आसानी से प्राप्त कर सकें। संस्था में विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए स्मार्ट प्रोजेक्टर क्लास, आधुनिक लैब सुविधा, अनुभवी फैकल्टी टीम, नियमित टेस्ट एवं डाउट सेशन, हॉस्टल सुविधा उपलब्ध, बच्चों के लिए बस सुविधा उपलब्ध, शांत एवं अनुशासित अध्ययन वातावरण जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। स्कॉलर एकेडमी के फाउंडर सुधांशु बजाज ने शहडोल के लोगों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शहडोल जैसे उभरते शहर में शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर अवसर उपलब्ध कराना हमारा उद्देश्य है। हम चाहते हैं कि यहाँ के बच्चे भी बड़े शहरों जैसी उच्च स्तरीय शिक्षा प्राप्त करें और अपने सपनों को साकार करें। उन्होंने कहा कि स्कॉलर एके-डमी सदैव विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए समर्पित रहेगी।

बस्तर की मिठास: क्या इस बार वनवासियों तक पहुंचेगा लाभ?

संपादकीय

बस्तर की पहचान लंबे समय तक नक्सल हिंसा, भय और उपेक्षा से जुड़ी रही, लेकिन अब वही बस्तर विकास, आत्मनिर्भरता और उम्मीद की नई कहानी लिखने की कोशिश कर रहा है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के हालिया बस्तर दौरे ने इसी बदलते दौर की तस्वीर सामने रखी, जहां सुरक्षा के साथ-साथ वनवासियों के आर्थिक अधिकार, महिलाओं की भागीदारी और स्थानीय संसाधनों के न्यायपूर्ण लाभ की बात केंद्र में दिखाई दी। बस्तर की इमली को 'मीठी' बताने वाली टिप्पणी केवल स्वाद का जिक्र नहीं, बल्कि उस बदलाव का प्रतीक है जिसमें जंगल की संपदा का असली लाभ आदिवासी समाज तक पहुंचाने का दावा किया जा रहा है। अब सवाल यही है कि क्या यह बदलाव केवल घोषणाओं तक सीमित रहेगा या सचमुच बस्तर के वनवासियों के जीवन में मिठास घोल पाएगा।

बस्तर की इमली अब खट्टी नहीं, मीठी होगी—बस शर्त इतनी कि उसका असली स्वाद वनवासियों को मिले। केंद्रीय गृहमंत्री एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह का बस्तर दौरा केवल एक सरकारी कार्यक्रम भर नहीं था, बल्कि यह उस बदलते बस्तर की तस्वीर भी था जो कभी नक्सल हिंसा, भय और उपेक्षा की पहचान बन गया था। नेतानार में शहीद वीर गुंडाधूर सेवा डेरा (जन सुविधा केंद्र) के उद्घाटन, महिला स्व सहायता समूहों से संवाद, इमली प्रसंस्करण केंद्र के निरीक्षण और शहीद जवानों के परिवारों से मुलाकात के जरिए एक संदेश देने की कोशिश हुई कि अब बस्तर केवल सुरक्षा अभियान का विषय नहीं, बल्कि विकास, सम्मान और आत्मनिर्भरता की नई कहानी बनने जा रहा है। जब अमित शाह ने बस्तर की इमली का स्वाद चखते हुए कहा कि 'यहां की इमली खट्टी नहीं, मीठी है', तो यह सिर्फ स्वाद की टिप्पणी नहीं थी, बल्कि उस उम्मीद का प्रतीक थी कि अब बस्तर की वन उपज का असली लाभ यहां के वनवासियों और आदिवासी परिवारों तक पहुँचे। दरअसल, दशकों तक बस्तर की पहचान उसकी प्राकृतिक संपदा रही, लेकिन इसका सबसे कम लाभ उन्हीं लोगों को मिला जिनकी जिंदगी जल, जंगल और जमीन पर टिकी हुई थी। इमली, तेंदूपत्ता, चिरौंजी, हर्रा, महुआ और कई औषधीय वन उत्पादों का बड़ा बाजार बना, मगर बीच में मौजूद बिचौलियों ने आदिवासियों की मेहनत का अधिकांश हिस्सा हड़प लिया। गांवों में रहने वाला संग्रहकर्ता बेहद कम कीमत पर अपनी उपज बेचने को मजबूर रहा, जबकि वही उत्पाद शहरों और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कई गुना दाम पर बिकते रहे। ऐसे में यदि सहकारिता मॉडल, स्व सहायता समूह और स्थानीय प्रसंस्करण केंद्र वास्तव में मजबूत किए जाते हैं, तो बस्तर की 'मीठी इमली' का स्वाद पहली बार वनवासियों की जिंदगी में भी मिठास ला सकता है। शर्त यही है कि व्यवस्था ऐसी बने जिसमें बाजार तक सीधी पहुंच हो, न्यूनतम समर्थन मूल्य मजबूत हो और लाभ की सबसे बड़ी हिस्सेदारी स्थानीय समुदायों को मिले, न कि बिचौलियों को।

दूसरी ओर, बस्तर को नक्सल हिंसा से बाहर निकालने की प्रक्रिया में जिन जवानों और स्थानीय परिवारों ने बलिदान दिया, उन्हें सम्मान और भरोसा देना भी उतना ही जरूरी है। जगदलपुर की अमर वाटिका में शहीदों को श्रद्धांजलि और उनके परिजनों से आत्मीय मुलाकात केवल संवेदना का प्रदर्शन नहीं, बल्कि यह स्वीकार करना भी था कि बस्तर की शांति बहुत बड़ी कीमत देकर हासिल हुई है। हालांकि चुनौतियां अब भी खत्म नहीं हुई हैं कई इलाकों में लैंडमाइन का खतरा, नक्सली नेटवर्क के अवशेष और विकास को लेकर अविश्वास अभी भी मौजूद हैं। इसलिए बस्तर में स्थायी शांति तभी संभव होगी जब विकास केवल सड़कों और भवनों तक सीमित न रहे, बल्कि आदिवासी समाज की भागीदारी, सम्मान और आर्थिक अधिकारों के साथ आगे बढ़े। यदि ऐसा हुआ, तो सचमुच बस्तर की इमली केवल स्वाद में नहीं, बल्कि वहां के लोगों के जीवन में भी मीठी साबित होगी।

इसके साथ ही यह भी समझना होगा कि बस्तर का बदलाव केवल सुरक्षा अभियानों से स्थायी नहीं बनेगा। लंबे समय तक यहां के दूरस्थ गांव शासन और व्यवस्था से कटे रहे, जिसके कारण नक्सली संगठनों ने खुद को 'वैकल्पिक व्यवस्था' के रूप में स्थापित करने की कोशिश की। अब जब नेतानार जैसे गांवों में आधार कार्ड, बैंकिंग सुविधा, ई-केवाईसी, प्रमाण पत्र, सिलाई प्रशिक्षण और महिला स्व सहायता समूहों के माध्यम से सरकार सीधे लोगों के दरवाजे तक पहुंच रही है, तो यह बदलाव केवल प्रशासनिक नहीं बल्कि मनोवैज्ञानिक भी है। ग्रामीणों को पहली बार यह महसूस होना जरूरी है कि सरकार केवल सुरक्षा बलों के कैंप तक सीमित नहीं, बल्कि उनके जीवन को आसान बनाने वाली व्यवस्था भी है। डिजिटल सेवाओं और स्थानीय रोजगार के जरिए यदि गांव आत्मनिर्भर बनते हैं, तो यह नक्सलवाद की उस जमीन को कमजोर करेगा जो वर्षों तक उपेक्षा और अलगाव की भावना पर खड़ी रही।

बस्तर के भविष्य की सबसे बड़ी कुंजी वहां की युवा पीढ़ी और महिलाएं हैं। यदि स्व सहायता समूहों, वन उपज प्रसंस्करण, हस्तशिल्प, कृषि आधारित उद्योग और स्थानीय उद्यमों को मजबूत बाजार उपलब्ध कराया गया, तो बस्तर देश के सबसे बड़े आदिवासी आर्थिक मॉडल के रूप में उभर सकता है। आज जरूरत केवल योजनाओं की घोषणा की नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करने की है कि हर योजना का लाभ अंतिम गांव और अंतिम परिवार तक पारदर्शिता के साथ पहुंचे। बस्तर को 'रेड कॉरिडोर' से 'ग्रोथ कॉरिडोर' बनाने की चर्चा वर्षों से होती रही है, लेकिन इसका वास्तविक अर्थ तभी होगा जब वहां का युवा रोजगार के लिए बंदूक नहीं, बल्कि कौशल और बाजार पर भरोसा करे। तभी बस्तर की इमली का स्वाद सचमुच मीठा कहलाएगा, क्योंकि उसकी मिठास दिल्ली या बड़े कारोबारियों तक नहीं, बल्कि सीधे उन वनवासियों के जीवन में दिखाई देगी जिनकी मेहनत से यह धरती समृद्ध है।

दीवार पर लिखी इबारत पढ़कर विचलित है विपक्ष

–डॉ. हरिकृष्ण बड़ोदिया

बंगाल चुनाव जीतने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता का ग्राफ न केवल भारत में बल्कि पूरी दुनिया में ऊपर की ओर है। अमेरिकी डाटा एनालिस्ट फर्म मॉर्निंग कंसल्ट के मार्च अप्रैल के सर्वे के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी 68 प्रतिशत अप्रूवल रेटिंग के साथ ग्लोबल लिस्ट में पहले पायदान पर हैं। अगर दुनिया के देशों से मिलने वाले सर्वोच्च सम्मानों को लोकप्रियता का आधार मानें तो शायद मोदी दुनिया के ऐसे पहले राजनेता होंगे जिन्हें अब तक 31 देशों के सर्वोच्च सम्मान मिले हैं। अभी अभी स्वीडन सरकार ने अपने देश का सर्वोच्च सम्मान रॉयल ऑर्डर ऑफ पोलर स्टार दिया है। 16 मई को उन्होंने प्रधानमंत्री के अपने कार्यकाल के 12 वर्ष पूरे किए हैं। वह भाजपा के ऐसे एकमात्र राजनेता हैं जिन्होंने किसी लोकल राजनीति से प्रादेशिक या राष्ट्रीय राजनीति में प्रवेश नहीं किया बल्कि 13 वर्ष तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहने के बाद 12 वर्ष का प्रधानमंत्री के रूप में शानदार कार्यकाल पूरा किया है जो विपक्ष को डरा रहा है। वह विपक्ष जिसमें देश की सत्ता पर सबसे अधिक समय तक राज करने वाली कांग्रेस शीर्ष पर है आज देश भर के राज्यों से समाप्त प्राय है। अगर उसका तीन राज्यों में अस्तित्व है और अन्य तीन राज्यों में है भी तो वह भी दूसरे दलों की बैसाखियों के सहारे है। 2026 का केरल का चुनाव थोड़ी सी खुशी लेकर आया लेकिन यह खुशी अन्य राज्यों में पराजय के आंसुओं को सुखा नहीं सकती। बंगाल का चुनाव यद्यपि दल के रूप में भाजपा और टीएमसी के बीच में था लेकिन मूल रूप में यह मोदी और ममता के बीच ही था। जहां एक ओर टीएमसी ममता के नाम पर चुनाव लड़ रही थी तो वहीं बंगाल की जनता मोदी को जिताने की बात कर रही थी। जिसने भी लगातार इस चुनाव पर नजर रखी है वे जानते हैं कि मतदाता भाजपा को जिताना है या शुभेंदु अधिकारी को लाना है नहीं कह रही थी बल्कि मोदी को वोट देना है कह रही थी। इसी बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि मोदी समूची भाजपा

और हिंदुत्व के पर्याय बन गए हैं। बंगाल के चुनाव ने जो एक महत्वपूर्ण तथ्य स्थापित किया वह यह कि अब देश में कोई भी दल केवल मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति कर जीवित नहीं रह सकता। 60 साल तक राज करने वाली कांग्रेस हो या निखालिस मुसलमानों की राजनीति करने वाले दल हों उनकी जीत का आधार व्यक्तिगत सीटों पर तो हो सकता है किंतु सत्ता के शीर्ष पर पहुंचने या पहुंचाने का नहीं हो सकता। बंगाल के चुनाव ने एक नया आयाम सेट कर दिया है कि हिंदू यदि एकजुट हो जाएगा तो देश की राजनीति से वर्तमान विपक्ष का सफाया होना तय है। आज यही निष्कर्ष विपक्ष की चिंता सबसे बड़ा कारण बन गया है। देश की 78 प्रतिशत हिंदू आबादी को कांग्रेस, सपा, बसपा जैसे कई राजनीतिक दलों ने जातियों में बांटकर अपना उल्लू सीधा किया। आने वाले चुनावों में यह ध्वस्त हो जाए तो कोई आश्चर्य नहीं होगा। 2024 में सपा ने उत्तर प्रदेश में इसी फार्मूले के आधार पर (पीडीए) पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक को अपने पाले में कर लोकसभा की 37 सीटें अपने पक्ष में की थीं किंतु आगे इसकी संभावना तो आने वाले समय में बिल्कुल नहीं दिखती। यही नहीं अभी तो 2027 और 2028 के चुनाव होना है और बंगाल के हिंदुओं ने अपनी एकता का जो उदाहरण सेट किया है वह न केवल उत्तर प्रदेश के हिंदुओं को प्रभावित करेगा बल्कि उन राज्यों को भी प्रभावित करेगा जिन राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने हैं। यही नहीं 2029 तक होने वाले चुनावों का पैटर्न यदि बंगाल जैसा ही रहे तो कोई आश्चर्य नहीं होगा। यही कारण है कि विपक्ष ना केवल सहमा हुआ है बल्कि दीवार पर लिखी इबारत को पढ़ पढ़ कर विचलित है। वह ऐसा कोई मौका नहीं चूकना चाहता जिससे उसकी प्रासंगिकता स्थापित न हो सके। बंगाल चुनाव के तुरंत बाद जहां एक ओर ममता बनर्जी ने वोट चोरी का आरोप लगाया वहीं राहुल गांधी ने भी इसी घिसेपिटे रिकॉर्ड का बजाना शुरू किया जबकि भारत का एक-एक नागरिक इस बात को अच्छी तरह जान रहा है कि ममता का कट्टर मुस्लिम प्रेम, मुस्लिम तुष्टिकरण और मुस्लिम टीएमसी कार्यकर्ताओं के विगत 5 साल के आतंक ने बंगाल के हिंदुओं को एक कर दिया। हिंदुओं के वोटों का ऐसा ध्रुवीकरण भाजपा के प्रयत्नों से कम हुआ बल्कि उस खूनी आतंक, भ्रष्टाचार, कट मनी, टोलेवाजी और नेतृत्व की धमकियों से हुआ जिसे बंगाल के हिंदू झेल रहे थे। राज्य में महिलाओं की इज्जत तार तार हो रही थी, आम विरोधी विचारधारा वाले भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या से जिस तरह हिंदू महिलाएं विधवा हुईं जिस तरह लड़कियों और महिलाओं के रेप हुए जिस तरह हिंदुओं को उनके आराध्य और मंदिरों में पूजा पाठ से रोका गया और जिस तरह थोक में बांग्लादेशी घुसपैठियों ने मूल बंगालियों के हकों को छीना उन सब घटनाओं ने स्पष्ट कर दिया कि एक और बार यदि ममता सत्ता में आतीं तो बंगाल को बांग्लादेश बनने से कोई रोक नहीं सकता था। इन सब घटनाओं की चर्चा चुनाव संपन्न होने या बंगाल में शुभेंदु अधिकारी की भाजपा सरकार बनने के बाद खत्म हो जाएगी ऐसा सूचना बेवकूफी होगी। इन सब घटनाओं और परिस्थितियों तथा अन्यायों की चर्चा अगले 2 साल लोकसभा चुनाव के होने तथा उसके बाद भी होगी इससे इनकार नहीं किया जा सकता। वस्तुतः यह सब इसलिए याद किया जाएगा क्योंकि बंगाल की जनता ने वोटो की क्रांति से अन्याय पर विजय प्राप्त कर ममता को उखाड़ फेंका है। बंगाल के चुनाव में भाजपा की जीत का सेहरा हर बार की तरह मोदी के सिर पर बंधा जिसने उनकी लोकप्रियता को एक बार फिर उच्चता के शिखर पर स्थापित किया है। विगत लगभग एक दशक से मोदी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रथम पायदान पर खड़े हैं। यह न केवल भारत के लिए गौरव की बात है बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राजनेताओं के लिए भी आश्चर्य की बात है। मोदी आज ऐसी शख्सियत बन गए हैं जिन्हें न केवल सुना जाता है बल्कि उनकी कही बातों पर अमल भी किया जाता है। विगत सप्ताह जब मोदी ने देश की जनता का आह्वान करते हुए सोना ना खरीदने, तेल की बचत करने, पब्लिक ट्रांसपोर्ट का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करने, अनावश्यक विदेश यात्राओं से परहेज करने, जहां संभव हो कार्यस्थलों पर वर्क फ्रॉम होम करने, अपने दैनिक जीवन में खाद्य तेल का उपयोग कम करने, रासायनिक उर्वरक पर निर्भरता कम करने तथा स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने की अपील की तो विपक्ष के कान खड़े हो गए। उसे लगा कि यदि वास्तव में मोदी की इन बातों पर अमल हुआ तो उसकी तुलनात्मक रूप से स्थिति और कमजोर हो जाएगी। ऐसी स्थिति में विपक्ष के कई सारे नेता राहुल गांधी अखिलेश यादव, मल्लिकार्जुन खड़गे, अरविंद केजरीवाल और संजय सिंह चिल्लाने लगे कि मोदी से देश संभल नहीं रहा। राहुल गांधी ने कहा देश चलाना कंप्रोमाइज प्रधानमंत्री के बस की बात नहीं रही। अखिलेश ने कहा चुनाव खत्म होते ही संकट याद आया। केजरीवाल बोले प्रधानमंत्री की अपील कहीं आर्थिक इमरजेंसी की आहट तो नहीं। संजय सिंह ने तो इस्तीफा भी मांग लिया। जो भी हो इन नेताओं के विरोध के बावजूद देश की जनता के साथ-साथ भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने जो कदम उठाए वह मोदी की अपील की महत्ता को रेखांकित करते हैं। देश में पेट्रोल डीजल के दामों में वृद्धि हुई है। इस वृद्धि पर भी आम जनता की प्रतिक्रिया सकारात्मक है जो मोदी के विजन को सही मानती है। आम लोगों का यह कहना है कि ईरान अमेरिकी युद्ध के परिणाम दुनिया भर के देशों को प्रभावित कर रहे हैं तब भारत भी इससे अछूता नहीं रह सकता ऐसे में मात्र तीन प्रतिशत की वृद्धि स्वीकार्य है। कई लोगों ने कहा जब विश्व के कई देशों में पेट्रोल उत्पादों की कीमतों में 35 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है तब भारत में यह वृद्धि तो न्यूनतम ही है। वस्तुत~ पेट्रो उत्पादों में मूल्य वृद्धि इतना बड़ा मुद्दा नहीं है बल्कि मुद्दा तो मोदी की साख का है जिसके प्रति भारत के नागरिक समर्पित हैं भले ही विपक्ष अपने लाभ के लिए विरोध ही क्यों न करता रहे।

व्यंग्य

आत्म चिंतन पर चिंतन

संजय जोशी 'सजग'

किसी भी विषय पर चिंतन करना समाज और देश के लिए बहुत जरूरी है पर देश में चिंतन का वातावरण ही नहीं है। सब के सब चिंता में ही लगे हुए है चिंता और चिता में एक बिंदी का ही अंतर है जो हर मनुष्य के लिए घातक है। चिंता की बजाय चिंतन को बढ़ाने के प्रयास बहुत जरूरी हैं। एक न्यूज की कटिंग लेकर भटकते हुए एक चिंतक आए और कहने लगे कि थोड़े दिन में देश में चिंता को छोड़ कर चिंतन करने वाले बढ़ जाएँगे तो मैंने कौतूहलवश पूछ लिया कि ऐसा क्या चमत्कार होने वाला है तो वे कहने लगे सब को आत्म चिंतन केंद्र की सुविधा जो मिलेगी, मैंने फिर पूछा – यह क्या होता है?

वे बोले आपको नहीं मालूम कि शौचालय को हिंदी में 'आत्म चिंतन केंद्र' कहते हैं। वे सबके लिए बनाए जाएँगे जिससे चिंतन को नई गति मिलेगी, अभी जिनके पास है वे अपने आप को अच्छा और विकसित मानते है और जिनके पास नही है उन्हें तुच्छ और पिछड़ा माना जाता है। वे कहने लगे अधिकतर मनुष्य नाम के प्राणी अपने आप को ज्यादा तनावमुक्त वहीं पाते होंगे। देश की हर समस्या का चिंतन उसी आत्म चिंतन केंद्र में करते होंगे शायद तभी विवादित बयानों की इतनी बौछार होती है। बेचारा वह क्या चिंतन करेगा जिसके पास चिंतन केंद्र ही नही है उसके लिए तो यह अभिशाप है वैसे यह चिंतन केंद्र आजकल बहुतायत में पाए जाते हैं पर सबका स्वरूप भिन्न-भिन्न होता है जैसे वीआईपी लोगों का पाँच सितारा, जन सामान्य का साधारण, गरीबों का सार्वजनिक, और बाकी बचे हुए लोग खुले स्थान की और रुख करने को मजबूर है। खुले में चिंतन करने में प्रकृति के दृश्य विघ्न पैदा करते है, और जीव जंतु का भय सताता है सो अलग।

अत: चिंतन का दायरा भी अलग अलग होता है। एक मंत्री, नेता, कवि, लेखक, पत्रकार, व्यापारी, अधिकारी और सबका अपने चिंतन का विषय अपने कार्यानुसार होता है। मैंने कहा बेचारा गरीब आदमी... तो अपनी रोजी-रोटी और बढ़ती महँगाई का चिंतन कर दुखी होता है और चारा ही क्या है, आजादी की बाद से ही यह मुख्य मुद्दा रहा है। सबने भुनाया और बाद में भुलाया, फिर भी ढाक के तीन पात। लगातर उनका चिंतन का बखान जारी था। उनका कहना थी कि सरकारें केवल चिंता करती हैं और ठोस योजना का अभाव ही रहता है, इस समाचार के मुताबिक सबको यह सुविधा मिलेगी ऐसी आशा अधिक व विश्वास तो कम ही है कि ऐसा हो पाएगा। बायचांस अगर हमारे देशवासियों के पास सौ प्रतिशत ऐसे केंद्र हो तो सब चिंतनशील हो जाएँगे और सरकार के हर कदम का चिंतन करेंगे ओर जिससे कर्णधारों को सबसे ज्यादा नुकसान होगा वे इस दर्द को समझते हैं लेकिन इसके प्रति चिंता को दर्शाना उनका कर्तव्य है और चिंता की रस्म अदायगी कर अपने कर्तव्य की इति श्री कर लेते हैं। ऐसे केंद्र समाज और देश के विकास का आईना होते है।

मैंने उन्हें कहा कि आपने जो अपना चिंतन बताया है उससे लगता है कि निंदक नियरे राखिए की बजाय चिंतक नियरे राखिए जिससे कुछ नया ज्ञान प्राप्त होता रहे। और आत्म चिंतन पर चिंतन की प्रेरणा का प्रादुर्भाव होता रहे।

कविता संसार

संकट हरण

नरेश कुमार दुबे

देश का हाल बेहाल है,
महंगाई से बुराहाल है।
बढ़ते दाम के चाल ढाल से,
जिंदगी बन गई कंगाल है।
बढ़ती वस्तुएं के दाम से,
रोजमर्रा की चली लड़ाई है।
छू रही दाम आसमान से,
बढ़ती कारण महंगाई है।
दो देशों की लड़ाई से,
भुगत रहा महंगाई की मार है।
घरेलू गैस की देखी थी कमी,
पेट्रोल डीजल की अब लंबी कतार है।
देश की जनता को मिला आश्वासन,
देख कर खरीदें देख कर चलें,
दीजिए देश के जनता साथ,
बचत में ही देश का आर्थिक शक्ति,
एकता की बचत में करेंगे विकास है।
धीरज संयम एकजुकता का परिचय दो,
वर्क फॉर्म होम से बचाए ईंधन है।
देश का सच्चा नागरिक कहलाए,
घबराए नहीं संकट हरण से
करके देश का सम्मान है।

समीकरणों से लेकर एल्गोरिदम तक: एआई युग में गणित

–डॉ विजय गर्ग

मानव सभ्यता के विकास में गणित की भूमिका हमेशा केंद्रीय रही है। प्राचीन काल में गणित का उपयोग केवल गिनती, व्यापार और खगोलीय गणनाओं तक सीमित था, लेकिन समय के साथ यह विज्ञान, इंजीनियरिंग, अर्थशास्त्र और आधुनिक तकनीक की नींव बन गया। आज जब दुनिया कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में प्रवेश कर चुकी है, तब गणित का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। अब गणित केवल किताबों में लिखे सूत्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मशीनों को 'सोचना' और 'सीखना' सिखाने वाली शक्ति बन चुका है।

आज की डिजिटल दुनिया में हर जगह गणित मौजूद है। मोबाइल फोन, सोशल मीडिया, ऑनलाइन बैंकिंग, नेविगेशन सिस्टम, मेडिकल रिसर्च और यहां तक कि मनोरंजन के प्लेटफॉर्म भी गणितीय एल्गोरिदम पर आधारित हैं। एआई के उदय ने गणित को केवल एक शैक्षणिक विषय नहीं रहने दिया, बल्कि इसे भविष्य की सबसे महत्वपूर्ण कौशलों में बदल दिया है।

गणित को अक्सर 'विज्ञान की भाषा' कहा जाता है। जिस प्रकार भाषा विचारों को व्यक्त करती है, उसी प्रकार गणित प्रकृति और तकनीक के नियमों को समझाने का माध्यम है। कंप्यूटर केवल संख्याओं और तर्क को समझते हैं, और यही कारण है कि हर डिजिटल प्रणाली के पीछे गणित कार्य कर रहा होता है।

जब कोई व्यक्ति इंटरनेट पर कुछ खोजता है, तो सर्च इंजन लाखों पन्नों का विश्लेषण करके सबसे उपयुक्त परिणाम दिखाते हैं। यह प्रक्रिया एल्गोरिदम और सांख्यिकीय गणनाओं के माध्यम से होती है। इसी तरह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म यह अनुमान लगाते हैं कि उपयोगकर्ता किस प्रकार की सामग्री देखना पसंद करेगा। यह सब गणितीय मॉडल और डेटा विश्लेषण के कारण संभव हो पाता है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता वास्तव में गणित का ही एक उन्नत रूप है। मशीन लर्निंग और डीप लर्निंग जैसी तकनीकें गणितीय सिद्धांतों पर आधारित हैं। एआई के विकास में मुख्य रूप से तीन गणितीय क्षेत्रों की भूमिका सबसे अधिक महत्वपूर्ण है–

एआई सिस्टम डेटा को मैट्रिक्स और वेक्टर के रूप में समझते हैं। चेहरे की पहचान, भाषा अनुवाद और इमेज प्रोसेसिंग जैसे कार्यों में रेखीय बीजगणित का व्यापक उपयोग होता है। एआई भविष्यवाणी करता है और निर्णय लेता है। यह प्रक्रिया संभावनाओं और सांख्यिकीय विश्लेषण पर आधारित होती है। उदाहरण के लिए, मौसम की भविष्यवाणी, शेयर बाजार विश्लेषण और मेडिकल डायग्नोसिस में सांख्यिकी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मशीन लर्निंग मॉडल को प्रशिक्षित करने के लिए कलन का उपयोग किया जाता है। 'ग्रेडिएंट डिसेंट' जैसी तकनीकें मॉडल की त्रुटियों को कम करके उसे बेहतर बनाती हैं। यह प्रक्रिया पूरी तरह गणितीय सिद्धांतों पर आधारित है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दौर में सेल्फी का दुरुपयोग भी संभव

– महेन्द्र तिवारी

आधुनिक युग में विभिन्न सामाजिक मंचों पर अपने जीवन के विशेष क्षणों को साझा करना मानवीय व्यवहार का एक अनिवार्य हिस्सा बन चुका है। जब कोई व्यक्ति किसी मनोरम स्थान की यात्रा पर जाता है, मित्रों के साथ आनंदमय समय बिताता है, या प्रतिदिन अपनी नई तस्वीरें अपलोड करता है, तो उसका उद्देश्य अपनी खुशियों और अनुभवों को दुनिया के साथ साझा करना होता है। इन चित्रों के माध्यम से लोग अपनी भावनाएं, जीवनशैली और व्यक्तिगत उपलब्धियां समाज तक पहुंचाते हैं। परंतु, तकनीक की तीव्र गति ने अब इन चित्रों को केवल सुंदर स्मृतियों तक सीमित नहीं रखा है। आज यही तस्वीरें हमारी व्यक्तिगत पहचान और वित्तीय सुरक्षा के लिए एक अत्यंत गंभीर खतरा बनती जा रही हैं। विशेष रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता के निरंतर बढ़ते प्रभाव ने अंतरजाल आधारित अपराधों को एक सर्वथा नया और चिंताजनक मोड़ दे दिया है।

वर्तमान समय में सुरक्षा विशेषज्ञ यह चेतावनी दे रहे हैं कि हमारे दूरभाष या चित्र-यंत्र से ली गई एक सामान्य सी तस्वीर से भी किसी व्यक्ति की उंगलियों के निशान चोरी किए जा सकते हैं और भविष्य में उनका अवांछित दुरुपयोग पूरी तरह संभव है। वर्तमान समय में अत्याधुनिक साधन किसी भी धुंधली तस्वीर को अत्यधिक स्पष्ट और सघन बनाने में सक्षम हैं। तस्वीरों की बारीक रेखाओं को साफ करना, उनके विस्तार को बढ़ाना और उनमें छिपे अत्यंत सूक्ष्म स्वरूपों को पहचानना अब इन प्रणालियों के लिए बहुत सरल हो चुका है। यही कारण है कि मानवीय उंगलियों के पोरों पर पाई जाने वाली अद्वितीय और अत्यंत बारीक रेखाएं भी अब इलेक्ट्रॉनिक विश्लेषण के माध्यम से आसानी से निकाली जा सकती हैं। अंतरजाल सुरक्षा विशेषज्ञ ली चांग ने अपने हालिया प्रदर्शनों में यह प्रमाणित करके दिखाया है कि उच्च गुणवत्ता वाली साधारण तस्वीरों से भी पूरी तरह उपयोग में लाए जा सकने वाले उंगलियों के निशान प्राप्त किए जा सकते हैं।

इस सुरक्षा संकट से जुड़े वैज्ञानिक अध्ययनों और आंकड़ों पर दृष्टि डालें तो यह स्थिति और भी भयावह प्रतीत होती है। सुरक्षा विशेषज्ञों के विश्लेषण के अनुसार, यदि कोई तस्वीर लगभग 1.5 मीटर की दूरी से ली गई हो और उपकरण के चित्र-यंत्र की गुणवत्ता उत्तम स्तर की हो, तो उस चित्र से उंगलियों के निशान शत-प्रतिशत स्पष्टता के साथ प्राप्त किए जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त,

यदि तस्वीर 1.5 से 3 मीटर की दूरी से भी ली गई हो, तब भी आधुनिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रणालियों की सहायता से उंगलियों के लगभग 50 प्रतिशत तक के रेखा-स्वरूप को सफलतापूर्वक निकाला जा सकता है। यद्यपि सामान्य जन के लिए यह एक साधारण सा आंकड़ा लग सकता है, परंतु अंतरजाल अपराध और पहचान की चोरी करने वाले अपराधियों के लिए इतनी आंशिक जानकारी भी अत्यंत विनाशकारी सिद्ध हो सकती है। आज के समय में प्रयुक्त होने वाले कई अत्याधुनिक सुरक्षा उपकरण उंगलियों के केवल आंशिक या आधे निशानों के मिलान से भी पहचान सत्यापित करने की क्षमता रखते हैं, जिससे अपराधियों का काम और अधिक सुगम हो जाता है।

इस पूरे परिदृश्य में सबसे अधिक संवेदनशील और खतरनाक स्थिति तब उत्पन्न होती है जब लोग कैमरे के सम्मुख अपनी उंगलियों को सीधा करके विजय सूचक या शांति सूचक चिह्न बनाते हैं। युवाओं और बच्चों के बीच यह मुद्रा अत्यधिक लोकप्रिय है और सामाजिक माध्यमों पर ऐसी करोड़ों तस्वीरें उपलब्ध हैं। इस विशिष्ट मुद्रा में व्यक्ति की उंगलियों के पोर सीधे उपकरण के सामने केंद्रित होते हैं, जिसके कारण तस्वीर में उंगलियों की रेखाएं सबसे अधिक स्पष्ट और प्रकाशमान दिखाई देती हैं। जापान के वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं ने कई वर्ष पूर्व ही इस विषय पर गहन शोध करके दुनिया को सचेत किया था कि इस प्रकार की मुद्राओं वाली तस्वीरों से उंगलियों के निशानों को बहुत सुगमता से पढ़ा जा सकता है। अब जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता की शक्ति कई गुना बढ़ चुकी है, तब इस तकनीकी खतरे की गंभीरता पहले की तुलना में कहीं अधिक व्यापक हो चुकी है।

उंगलियों के निशानों के लीक होने का यह संकट किसी भी सामान्य कूटशब्द की चोरी से अत्यधिक गंभीर माना जाता है। यदि किसी उपयोगकर्ता का कोई कूटशब्द या गोपनीय संख्या चोरी हो जाती है, तो वह तत्काल उसे बदलकर एक नया और सुदृढ़ कूटशब्द निर्मित कर सकता है। इसके विपरीत, मनुष्य की उंगलियों के निशान उसके संपूर्ण जीवनकाल में अपरिवर्तनीय रहते हैं। कोई भी व्यक्ति अपनी उंगलियों के प्राकृतिक निशानों को बदल नहीं सकता है। यही मुख्य कारण है कि इस प्रकार के जैव-पहचान संबंधी आंकड़ों का दुरुपयोग किसी भी व्यक्ति के लिए दीर्घकालिक समस्या उत्पन्न कर सकता है। एक बार यदि किसी अपराधी समूह या अवांछित प्रणाली के पास किसी नागरिक की उंगलियों के निशानों का सटीक रेखा-स्वरूप पहुंच जाता है, तो वह अपराधी भविष्य में कई वर्षों तक उस व्यक्ति के नाम पर विभिन्न प्रकार के वित्तीय अपराध करने का प्रयास कर सकता है।

लकड़ी के भरोसे दौड़ रही 11 केवी लाइन, मौत बनकर मंडरा रहा खतरा

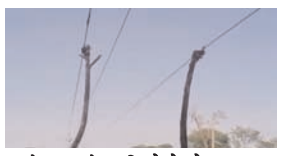

जबेरा/दमोह। जिले के तेजगढ़ विधुत (हरई) नोहटा विद्युत क्षेत्र से जुड़ी खमरिया के पास गुजर रही 11 केवी हाईटेंशन लाइन इन दिनों बड़े हादसे को खुला न्यौता देती नजर आ रही है। हालत यह है कि कई जगहों पर भारी भरकम बिजली लाइन लकड़ियों के सहारे टिकी हुई है, जबकि तार जमीन की ओर झूल रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि विभाग की लापरवाही किसी दिन बड़ी जनहानि का कारण बन सकती है। बरसात और तेज हवा के दौरान हालात और खतरनाक हो जाते हैं। खेतों के बीच से गुजर रही यह लाइन किसानों और राहगीरों के लिए डर का सबब बनी हुई है। स्थानीय लोगों के मुताबिक कई बार बिजली विभाग को शिकायत दी गई, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी केवल आश्वासन देकर मामले को टालते रहे। ग्रामीणों ने बताया कि नीचे लटकते तार कभी भी टूटकर खेतों या रास्ते पर गिर सकते हैं। यदि ऐसा हुआ तो इंसानों के साथ मवेशियों की जान भी खतरे में पड़ सकती है। लोगों में इस बात को लेकर भारी नाराजगी है कि करोड़ों के विकास के दावे करने वाला विभाग इतनी गंभीर समस्या पर भी ध्यान नहीं दे रहा। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन और विद्युत विभाग से मांग की है कि तत्काल मौके का निरीक्षण कर जर्जर लाइन बदली जाए और नए पोल लगाए जाएं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते सुधार कार्य नहीं हुआ तो किसी भी दिन बड़ा हादसा पूरे क्षेत्र को झकझोर सकता है।

नवानगर शराब दुकान में मनमानी का आरोप, आधी रात तक खुल रही दुकानें

आज की जनधारा

सिंगरौली। जिले के नवानगर में संचालित शराब दुकान पर शराब प्रेमियों से खुलेआम निर्धारित मूल्य से अधिक रकम वसूले जाने का मामला लगातार गंभीर होता जा रहा है। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक अधिकांश शराब दुकानों पर न तो रेट सूची चस्पा की गई है और न ही ग्राहकों को बिल दिया जा रहा है। आरोप है कि शराब ठेकेदार और सेल्समैन मनमाने दामों पर शराब बेचकर लोगों की जेब काट रहे हैं, जबकि जिम्मेदार विभाग इस पूरे मामले पर मौन बना हुआ है। मिली जानकारी में बताया गया कि नवानगर स्थित शराब दूकान समय के बाद भी आधी रात तक संचालित रहती है और वहाँ के कर्मचारी महंगे दाम में शराब बेचते है। सिंगरौली जिले में शराब दुकानों के न खुलने का समय है न ही बंद होने का ही समय कोई भी ठेकेदार नहीं मानता। बताया जाता है नवानगर स्थित शराब दुकान पर अंग्रेजी और देसी शराब निर्धारित मूल्य से 50 से 80 रुपये अधिक दाम पर बेचे जाने की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। ग्राहकों का कहना है कि यदि कोई व्यक्ति अधिक पैसे लेने का विरोध करता है तो कई जगह सेल्समैन विवाद और झगड़े पर उतारू हो जाते हैं।

शराब दुकानों पर नहीं चस्पा रेट सूची- आबकारी नियमों के अनुसार प्रत्येक लाइसेंसी शराब दुकान के बाहर शराब की दर सूची स्पष्ट रूप से प्रदर्शित होना अनिवार्य है। इसके साथ ही नई शराब नीति के तहत ग्राहकों को शराब खरीदने पर बिल देना भी जरूरी किया गया है। बावजूद इसके जिले की अधिकांश दुकानों पर न तो रेट सूची दिखाई देती है और न ही बिल देने की व्यवस्था लागू की गई है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि शासन के आदेश केवल कागजों तक सीमित रह गए हैं। आबकारी विभाग द्वारा नियमों का पालन सुनिश्चित कराने की दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही।

शराब प्रेमियों ने जताई नाराजगी- कई ग्राहकों ने अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि शराब दुकानों पर खुलेआम मनमानी चल रही है। देसी शराब के पव्वे पर 20 से 30 रुपये अतिरिक्त लिए जा रहे हैं, जबकि अंग्रेजी शराब की बोतलों और बियर पर 50 से 80 रुपये तक ज्यादा वसूले जा रहे हैं। ग्राहकों का कहना है कि यदि शराब दुकानदार सही तरीके से कारोबार कर रहे हैं तो बिल देने और रेट सूची लगाने में उन्हें परेशानी क्यों हो रही है। लोगों का मानना है कि बिल व्यवस्था लागू होने से अवैध वसूली पर रोक लग सकती है।

पड़ोसी यूपी में दिख रहा अलग सिस्टम- ग्रामीणों और शराब उपभोक्ताओं का कहना है कि सिंगरौली जिले के करीब 12 किलोमीटर दूर उत्तर प्रदेश के शक्तिनगर क्षेत्र की शराब दुकानों पर बाकायदा रेट सूची चस्पा की गई है। वहां ग्राहक निर्धारित मूल्य पर शराब खरीदते हैं और अतिरिक्त वसूली की शिकायतें कम देखने को मिलती हैं। साथ ही वहाँ की दुकाने टाइम से खुलती और बंद भी होती है। इसके विपरीत सिंगरौली जिले की दुकानों में शराब की कीमतें मनमाने तरीके से वसूली जा रही हैं। लोगों का आरोप है कि यह सब जिम्मेदार अधिकारियों की अनदेखी या मिलीभगत के बिना संभव नहीं है।

बढ़ रहे विवाद और मारपीट के मामले- अधिक दाम वसूले जाने को लेकर कई बार ग्राहकों और शराब दुकानों के कर्मचारियों के बीच विवाद की स्थिति भी बन चुकी है। कई मामलों में मारपीट तक की घटनाएं सामने आई हैं। इसके बावजूद आबकारी विभाग द्वारा सख्त कार्रवाई नहीं किए जाने से लोगों में नाराजगी बढ़ रही है।

प्रशासन से कार्रवाई की मांग- स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन और आबकारी विभाग से मांग की है कि जिले की सभी शराब दुकानों पर तत्काल रेट सूची चस्पा कराई जाए और ग्राहकों को अनिवार्य रूप से बिल देने की व्यवस्था लागू कराई जाए। साथ ही निर्धारित मूल्य से अधिक राशि वसूलने वाले दुकानदारों पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि उपभोक्ताओं को राहत मिल सके।

भविष्य की स्मार्ट खेती के लिए युवाओं को मिलेगा ड्रोन तकनीक का प्रशिक्षण

आज की जनधारा

बुधनी। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत केंद्रीय कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान (CFMTTI) द्वारा 'भविष्य उन्मुख स्मार्ट कृषि हेतु ड्रोन तकनीक' विषय पर विशेष ऑनलाइन व्याख्यान श्रृंखला का शुभारंभ किया गया। यह पहल कृषि क्षेत्र में आधुनिक यंत्रीकरण, सटीक कृषि और ड्रोन आधारित तकनीकों को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। 15 दिवसीय इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के 17 विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया है। प्रशिक्षण के दौरान

प्रतिभागियों को ड्रोन तकनीक, स्मार्ट कृषि उपकरण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित कृषि अनुप्रयोग तथा उन्नत फसल प्रबंधन तकनीकों की जानकारी दी जाएगी। साथ ही भोपाल एवं आसपास स्थित औद्योगिक इकाइयों तथा कृषि यंत्रीकरण प्रतिष्ठानों का शैक्षणिक भ्रमण भी कराया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकों का व्यावहारिक अनुभव मिल सके। विशेष व्याख्यान श्रृंखला में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, विभिन्न भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IITs), ICAR-केंद्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान, कृषि उद्योगों एवं राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के विशेषज्ञ विद्यार्थियों को ड्रोन संचालन, सटीक छिड़काव, फसल निगरानी, भू-स्थानिक तकनीक एवं डेटा आधारित कृषि निर्णय प्रणाली की जानकारी देंगे। ऑनलाइन अभिमुखीकरण कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक डॉ. बी. एम. नांदेड़े ने कहा कि ड्रोन तकनीक भविष्य की कृषि व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार बनने जा रही है, जिससे कृषि कार्यों में दक्षता बढ़ेगी, लागत कम होगी तथा पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम में संस्थान के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने इस पहल को युवाओं को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने तथा देश में स्मार्ट कृषि को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास बताया।

संपर्क क्रांति, हीराकुण्ड प्रतिदिन की जाए–मनीष श्रीवास्तव

आज की जनधारा

शहडोल। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी विधि विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष मनीष श्रीवास्तव ने रेल मंत्री और दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक से मांग की है, कि छत्तीसगढ़ संपर्क क्रांति सुपर फास्ट (ट्रेन नंबर-12823/12824) और हीराकुंड एक्सप्रेस (ट्रेन नंबर-20807/20808) को नियमित किया जाना आवश्यक है। आम जनता की मांग पर और यात्रियों की भीड़ को देखते हुए अगर इन ट्रेनों को नियमित कर दिया जाता है, तो छत्तीसगढ़ के साथ-साथ शहडोल संभाग के यात्रियों को दिल्ली, पंजाब, आंध्रप्रदेश और उड़ीसा जाने आने में अधिक सुविधा होगी। साथ

ही उनको अतिरिक्त आरक्षण की सुविधा का भी लाभ मिल सकेगा। कांग्रेस नेता मनीष श्रीवास्तव ने बताया कि छत्तीसगढ़ संपर्क क्रांति ट्रेन विगत 21 वर्षों से चल रही है। इस ट्रेन का शुभारंभ मार्च 2005 में किया गया था। इसी तरह हीराकुंड एक्सप्रेस भी 34 वर्षों से चल रही है, इसका प्रारंभ वर्ष 1992 में किया गया था। इतने वर्षों से चल रही इन दोनों ट्रेनों को साप्ताहिक से नियमित किया जाना आवश्यक है और वर्तमान समय की आवश्यकता भी है।

बिलासपुर से भोपाल वन्दे भारत ट्रेन हो- मनीष श्रीवास्तव ने साथ ही एक प्रमुख मांग भी की है कि, दिन में भोपाल पहुंचने के लिए एक वंदे भारत ट्रेन बिलासपुर से भोपाल (वाया कटनी, दमोह, सागर, विदिशा होकर) चलाया जाना अत्यधिक आवश्यक है। उन्होंने सुझाव दिया कि यह ट्रेन बिलासपुर से सुबह 5 बजे रवाना होकर कर दोपहर में 1 से 2 बजे के बीच भोपाल पहुंच सकती है। इसी तरह यह ट्रेन भोपाल से दोपहर 3 बजे रवाना होकर कर वापस बिलासपुर 11 से 12 बजे के बीच रात्रि में पहुंच सकती है।

पुरुषोत्तम मास (अधिक मास) के प्रथम दिन भव्य कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ

आज की जनधारा

दमोह। श्री देव श्यालाधीश प्यासी मंदिर में कथा व्यास किशोरी वैष्णवी गर्ग जी के मुखारबिंद से कथा श्रोता डाक्टर केदारनाथ शर्मा जी कलश यात्रा पहले पंडित जी आचार्य द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कलश का पूजन किया गया। श्री जगदीश मंदिर पुराना थाना से कलश यात्रा प्रारंभ हुई जो टॉकीज चौराहा ,बकौली चोक ,घंटाघर,बूदाबहु मंदिर, श्रद्धालुः कलश यात्रा में पारंपरिक पीले वस्त्र पहनकर महिलाएं और भक्त सिर पर कलश रखकर गाजे-बाजे और जयकारों के साथ शामिल हुए। कथा स्थल श्री देव श्यामलाधीश प्यासी मंदिर में पूजन कर घट स्थापना की गई पहले दिन कथा व्यास किशोरी वैष्णवी गर्ग जी द्वारा आज प्रथम दिन किशोरी जी ने कहा कि सनातन धर्म में पुरुषोत्तम मास अत्यंत पुण्यकारी

और मांगलिक माना जाता है, कलश में पवित्र जल भरकर नगर भ्रमण करने से सम्पूर्ण वातावरण शुद्ध और भक्तिमय हो जाता है, जिससे कथा स्थल पर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। किशोरी जी ने प्रथम दिवस भागवत महात्म्य' की सुंदर कथा सुनाई गई सभी वेदों का सार मानी जाने वाली इस कथा को सुनने से जन्म-जन्मांतर के पाप नष्ट होते हैं और मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है ।पुरुषोत्तम मास अनुष्ठान के आयोजन यह मास भगवान विष्णु और कृष्ण की भक्ति के लिए समर्पित होता है। इस दौरान श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण करने से सामान्य दिनों की तुलना में कई गुना अधिक पुण्य फलों की प्राप्ति होती है।कथा का यूट्यूब चैनल पर लाइव प्रसारण किशोरी वैष्णवी गर्ग एवं अउठ न्यूज चैनल पर प्रति दिन शाम 4 बजे से होगा। आप सभी से कथा श्रवण का अनुरोध कथा श्रोता डाक्टर केदारनाथ शर्मा ने की है कथा स्थल श्री प्यासी मंदिर आशीर्वाद गार्डन के पास दमोह।

जनजातीय अंचलों में विकास और अधिकारिता का महाअभियान, 'जन भागीदारी सप्ताह' 25 मई तक आयोजित

आज की जनधारा

दमोह। जनजातीय समुदायों के सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक सशक्तिकरण को गति देने तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से दमोह जिले में 18 मई से 25 मई 2026 तक जन भागीदारी सप्ताह का व्यापक आयोजन किया जा रहा है। यह अभियान जिले के पीएम जनमन एवं अन्य चिन्हित जनजातीय ग्रामों में विशेष रूप से संचालित किया जाएगा। अभियान के संबंध में जिला कलेक्टर प्रताप नारायण ने अधिकारियो से कहा शासन की मंशानुसार सभी संबंधित विभाग कार्यवाही सुनिश्चित करें।

प्रतिदिन लगेंगे संतृप्ति एवं स्वास्थ्य शिविर- कलेक्टर श्री यादव ने कहा 19 मई से 25 मई तक ग्राम स्तर पर प्रतिदिन संतृप्ति शिविर, स्वास्थ्य परीक्षण शिविर एवं जनसेवा गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इन शिविरों में पात्र हितग्राहियों को विभिन्न विभागों की योजनाओं का लाभ मौके पर ही उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही सिकल सेल एनीमिया जांच, आयुष्मान कार्ड, पोषण परामर्श, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं तथा दस्तावेज सत्यापन जैसी सुविधाएं भी प्रदान की जाएगी।

ग्राम सहभागिता अभियान₹ के तहत अधिकारी करेंगे ग्राम भ्रमण- 20 मई को ₹ग्राम सहभागिता अभियान एक ग्राम संपर्क गतिविधि आयोजित होगी, जिसके अंतर्गत अधिकारी, आदि कर्मयोगी एवं गैर-सरकारी संगठन (ठऋड२) ग्रामों का भ्रमण कर आमजन से संवाद स्थापित करेंगे। इस दौरान ग्रामों की आधारभूत सुविधाओं, विकास कार्यों एवं योजनाओं की जमीनी स्थिति का अवलोकन किया जाएगा। अधिकारियों द्वारा ग्रामीणों को शासन की योजनाओं की जानकारी दी जाएगी।

21 से 23 मई तक विशेष जन सुनवाई- 21 मई से 23 मई तक एएसके (ASKS) के माध्यम से प्रतिदिन विशेष जन सुनवाई आयोजित की जाएगी। इन जन सुनवाई कार्यक्रमों में वन अधिकार अधिनियम (FRA), आवास, पेयजल, बिजली, सड़क, पेंशन, स्वास्थ्य, राशन एवं अन्य जनममस्याओं से संबंधित प्रकरणों का त्वरित निराकरण किया जाएगा। 24 मई को होगा प्रलेखन एवं प्रगति मूल्यांकन 24 मई को अभियान के दौरान प्राप्त उपलब्धियों, शिकायतों एवं निराकृत मामलों का प्रलेखन किया जाएगा। इसमें चुनी गई समस्याओं, निराकृत प्रकरणों, लंबित मामलों, संबंधित अधिकारियों एवं आगामी कार्रवाई का विस्तृत प्रगति प्रतिवेदन तैयार किया जाएगा।

महात्मा गांधी महाविद्यालय में युवा संगम रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिस मेले का अयोजन

आज की जनधारा

करेली। मध्यप्रदेश शासन के निदेर्शानुसार जिला प्रशासन नरसिंहपुर एवं जिला उद्योग रोजगार कार्यालय के के द्वारा महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय करेली में रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिस मेले का आयोजन किया गया। जिसमें उद्योग विभाग, स्वास्थ्य, उच्च शिक्षा, स्कूल शिक्षा विभाग सम्मिलित हुए इस आयोजन में जिले एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं मां सरस्वती के पूजन के साथ किया गया। सभी मंचासीन अतिथियों के स्वागत कार्यक्रम के पश्चात नगरपालिका अध्यक्ष श्री मति सुशीला ममार,जनपद अध्यक्ष सुश्री प्रतिज्ञा परिहार,पार्षद श्री मति राजकुमारी सोनी,संदीप मामार, महाविद्यालय प्राचार्य डॉ यू एस परमार,

उपप्राचार्य डॉ ए के वाजपेयी, जिला रोजगार प्रभारी अधिकारी एस आर पारासर,ने कार्यक्रम में आए छात्र छात्राओं को इस रोजगार मेले के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की इस अवसर पर विभिन्न निजी कंपनियों एवं संस्थानों के प्रतिनिधियों ने उपस्थित होकर युवाओं को रोजगार एवं अप्रेंटिस के अवसरों की जानकारी दी। 11 कंपनियों द्वारा छात्र-छात्राओं का प्रारंभिक इंटरव्यू एवं चयन प्रक्रिया भी की गई। मेले में युवाओं को स्वरोजगार योजनाओं, सरकारी सहायता एवं कौशल विकास कार्यक्रमों की भी जानकारी प्रदान की गई। अधिकारियों ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों का उद्देश्य युवाओं को रोजगार से जोड़ना तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। महाविद्यालय प्राचार्य ने बताया कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों को सीधे कंपनियों से जुड़ने एवं अपने भविष्य को बेहतर दिशा देने का अवसर मिलता है। कार्यक्रम का मंच संचालन वाणिज्य विभागध्यक्ष डॉ संजीव कुमार चौबे एवं आभार महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ यू एस परमार द्वारा किया गया इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, जिला प्रशासन के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

पंचायत एवं नगरीय निकाय फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण

आज की जनधारा

उज्जैन। सोमवार को प्रशासनिक संकुल भवन के सभाकक्ष में जिला निर्वाचन अधिकारी श्री संदीप सिंह की अध्यक्षता में पंचायत एवं नगरीय निकाय फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण कार्यक्रम 2006 के अंतर्गत स्टैंडिंग कमेटी की बैठक संपन्न हुई। बैठक में अपर आयुक्त नगर निगम श्री संतोष टैगोर एवं विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के जिला अध्यक्ष व प्रतिनिधि उपस्थित थें। बैठक में जिले के अंतर्गत विकासखण्डवार ग्राम पंचायतों, विकास खण्डों और नगरीय निकायों की सामान्य जानकारी प्रदान की गई। उज्जैन

जिले में कुल 06 विकास खण्ड है तथा 08 नगरीय निकाय हैं। मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशन विगत 15 मई को कर दिया गया है। इसके अनुसार उज्जैन जिले में कुल 609 ग्राम पंचायतों में 9 लाख 58 हजार 784 मतदाता हैं। इनमें 4 लाख 84 हजार 563 पुरूष एवं 4 लाख 74 हजार 207 महिलाएं व 14 अन्य मतदाता है। इसी प्रकार नगरीय निकायों में कुल 192 वॉर्ड है। इनमें मतदाता सूची के 15 मई को किये गए प्रारूप प्रकाशन की स्थिति में 6 लाख 96 हजार 993 मतदाता हैं। इनमें 3 लाख 47 हजार 585 पुरुष, 3 लाख 49 हजार 347 महिलाएं व 61 अन्य मतदाता हैं। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बैठक में बताया कि मतदाता सूची वार्षिक पुनरीक्षण कार्यक्रम 2026 के अंतर्गत आगामी 25 मई को दोपहर 3 बजे तक दावे आपत्ति प्राप्त किये जाएंगे। दावे आपत्तियों के निराकरण की अंतिम तिथि शनिवार 30 मई निर्धारित की गई है। आगामी 18 जून को नगरीय निकाय एवं पंचायतों की अंतिम फोटोयुक्त मतदाता सूची का निर्धारित विहित स्थानों पर सार्वजनिक प्रकाशन किया जाएगा। डुप्लीकेट मतदाताओं के निराकरण के दौरान विवादित प्रकरणों के निराकरण के लिए अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी को जिला स्तरिय रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त किया गया है।

ओलावृष्टि से तबाह किसानों ने दी आंदोलन की चेतावनी

आज की जनधारा

बुरहानपुर। गोपाल देवकर। बुरहानपुर जिले के शाहपुर क्षेत्र के मोहद, भावसा, मालवीर सहित करीब आधा दर्जन गांवों में कुछ दिन पहले हुई ओलावृष्टि और तेज आंधी-तूफान ने किसानों की कमर तोड़ दी है। सबसे अधिक नुकसान केले की फसल को हुआ, जहां खेतों में खड़ी फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई। किसानों का आरोप है कि प्रशासन द्वारा नुकसान का सर्वे तो कराया गया, लेकिन आज तक उन्हें किसी प्रकार का मुआवजा नहीं मिला। नाराज किसानों ने ग्रामीण कांग्रेस के नेतृत्व में कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र राहत राशि देने की मांग की है और चेतावनी दी है कि यदि जल्द मुआवजा नहीं मिला तो आंदोलन किया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में आई तेज आंधी और ओलावृष्टि ने किसानों के महीनों की मेहनत पर पानी फेर दिया। केले की फसल जमीन पर बिछ गई और खेतों में भारी नुकसान हुआ।

आईजी–डीआईजी एक ही वाहन से पहुंचे दमोह, बिना पायलट के कंट्रोल रूम पहुंच ली क्राइम बैठक

आज की जनधारा

दमोह। सागर पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) अतिरिक्त प्रभार मिथिलेश शुक्ला और डीआईजी सागर शशीन्द सिंह चौहान सोमवार दोपहर क्राइम समीक्षा बैठक लेने दमोह पहुंचे.दोनों वरिष्ठ अधिकारी एक ही वाहन में सवार होकर बिना पायलट के दमोह पहुंचे.आईजी ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के आदेश का पालन करते हुए कंट्रोल रूम को पूर्व में ही सूचना दे दी थी कि उनके और डीआईजी के लिए पायलट न लगाई जाए.पेट्रोल-डीजल का कम उपयोग कर उन्होंने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को मितव्ययिता का संदेश दिया.कंट्रोल रूम पहुंचने पर पुलिस जवानों द्वारा आईजी को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया. इसके बाद जबलपुर नाका स्थित कंट्रोल रूम में क्राइम समीक्षा बैठक की.बैठक में जिले में लंबित अपराधों, कानून व्यवस्था और पुलिसिंग की समीक्षा कर एसडीओपी व थाना प्रभारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए.बैठक में पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगी (आईपीएस), एडिशनल एसपी सुजीत सिंह भदौरिया, सीएसपी एचआर पांडे, एसडीओपी पथरिया प्रिया सिंधी, एसडीओपी देवी सिंह सहित जिले के समस्त एसडीओपी, थाना प्रभारी व पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

राज्यमंत्री लखन पटेल ने नई दिल्ली में केंद्रीय विद्यालय संगठन के आयुक्त विकास गुप्ता से भेंट कर पथरिया में प्रस्तावित केंद्रीय विद्यालय की स्वीकृति प्रक्रिया पर चर्चा की

आज की जनधारा

दमोह। कल नई दिल्ली में प्रदेश के पशुपालन एवं डेयरी विभाग राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार लखन पटेल ने भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत केंद्रीय विद्यालय संगठन के आयुक्त विकास गुप्ता से भेंट कर पथरिया में प्रस्तावित केंद्रीय विद्यालय की स्वीकृति से संबंधित विषयों पर विस्तृत चर्चा की। इस संबंध में आयुक्त श्री गुप्ता ने राज्यमंत्री श्री पटेल का अवगत कराया कि स्वीकृति हेतु अपेक्षित सभी प्रशासनिक एवं तकनीकी प्रक्रियाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कर लिया गया है तथा प्रस्ताव सकारात्मक रूप से प्रक्रियाधीन हैं। राज्यमंत्री श्री पटेल ने कहा पथरिया के विद्यार्थियों एवं अभिभावकों की अपेक्षाओं के अनुरूप क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना हमारी प्रतिबद्धता है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि शीघ्र ही पथरिया को केंद्रीय विद्यालय की सौगात प्राप्त होगी, जिससे क्षेत्र के हजारों विद्यार्थियों को लाभ मिल सकेगा।

गुना शहर में आया सनसनी खेज मामला प्रकाश में, नपाध्यक्ष के फर्जी हस्ताक्षर और सील से पट्टा लेने की बड़ी साजिश

जालसाज ने गुना को बताया महानगरपालिका, केंट थाने पहुंचीं न. पा.अध्यक्ष सविता अरविंद गुप्ता, थाना प्रभारी को कार्रवाई हेतु दिया आवेदन

आज की जनधारा

गुना । गुना शहर मैं एक सनसनीखेड़ मामला प्रकाश में आया है जहां पर गुना नगरपालिका परिषद की अध्यक्ष सविता अरविंद गुप्ता के फर्जी हस्ताक्षर और कूट रचित सील (मुहर) बनाकर सरकारी जमीन का पट्टा हासिल करने की एक बड़ी और हैरान करने वाली साजिश सामने आई है। इस गंभीर धोखाधड़ी का खुलासा होने के बाद सोमवार को नपाध्यक्ष सविता अरविंद गुप्ता अपने अधिवक्ता के साथ केंट थाने पहुंचीं। उन्होंने आरोपी के खिलाफ नामजद शिकायती आवेदन सौंपकर सख्त धाराओं में एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। ताज्जुब की बात यह है कि उक्त कूट रचित हस्ताक्षर कर तथा फर्जी सील लगाकर पट्टा लेने के लिए अनुशंसोंपत्र के परिपालन में जिला पंचायत सीईओ से लेकर एसडीएम गुना द्वारा कार्रवाई कर पत्र को आगे बढ़ा दिया। मामला तब पकड़ में आया जब पटवारी द्वारा सील को गौर से देखा गया तो महानगरपालिका देखकर उनका माथा ठनका और वेरीफाई करने के लिए स्वयं नपाध्यक्ष से संपर्क किया।

अध्यक्ष के फर्जी दस्तखत और अनोखी सील से किया खेल - थाने में दिए आवेदन के अनुसार, ग्राम देहरी निवासी सत्येन्द्र सिंह रघुवंशी पुत्र तोफान सिंह रघुवंशी ने अनुविभागीय अधिकारी गुना के समक्ष एक आवेदन प्रस्तुत किया था। इस आवेदन में दावा किया गया था कि पटवारी हल्का गोपालपुरा स्थित भूमि सर्वे क्रमांक 142 (रकबा 29.961 हेक्टेयर) और सर्वे क्रमांक 231 (रकबा 26.9500 हेक्टेयर) पर फलदार आम के पेड़ लगाने के लिए उसे पट्टा देने की अनुशंसा खुद नगरपालिका अध्यक्ष द्वारा की गई है। जब यह दस्तावेज सामने आया तो नपाध्यक्ष दंग रह गईं। इस कथित अनुशंसा पत्र पर किए गए हस्ताक्षर नपाध्यक्ष श्रीमती सविता गुप्ता के नहीं हैं। सबसे मजेदार और हैरान करने वाली बात यह है कि जालसाज ने जो फर्जी सील बनवाई, उसमें पदनाम के नीचे अध्यक्ष, महानगरपालिका गुना अंकित करवा दिया। जबकि हकीकत यह है कि गुना में महानगरपालिका नहीं बल्कि नगरपालिका परिषद है और असल मुहर पर सिर्फ अध्यक्ष नगरपालिका परिषद ही लिखा होता है।

साधारण कागज पर रची साजिश, जावक नंबर भी गायब - नपाध्यक्ष ने आवेदन में स्पष्ट किया है कि वे हमेशा अपने आधिकारिक लेटरहेड पर ही किसी भी प्रकार का पत्राचार करती हैं, जबकि आरोपी द्वारा पेश किया गया यह कूट रचित दस्तावेज एक साधारण कागज पर तैयार किया गया है। इसके अलावा, प्रशासनिक नियमों के तहत किसी भी पत्र पर जावक नंबर होना अनिवार्य है, लेकिन इस फर्जी पत्र पर ऐसा कोई नंबर अंकित नहीं है। श्रीमती सविता अरविंद गुप्ता ने आरोप लगाया कि उन्हें बदनाम करने और शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा करने की नीयत से विरोधियों के साथ मिलकर यह पूरा षड्यंत्र रचा गया है। नकली दस्तावेज को असली के रूप में इस्तेमाल कर प्रशासन के साथ बेईमानी और छल करने का प्रयास किया गया है, जो एक गंभीर अपराध है। नपाध्यक्ष ने केंट थाना प्रभारी के साथ-साथ पुलिस अधीक्षक को भी इस मामले की प्रतिलिपि सौंपकर आरोपी सत्येन्द्र रघुवंशी के खिलाफ तत्काल धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज करने को कहा है। केंट पुलिस ने आवेदन लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

गुना से नाबालिग किशोरी के लापता होने के मामले में गुना सिटी कोतवाली पुलिस की सक्रिय कार्यवाही

किशोरी को दिल्ली से सुरक्षित खोज कर परिजन से मिलाया

आज की जनधारा

गुना । गुना पुलिस अधीक्षक श्रीमती हितिका वासल के संवेदनशील, मानवीय एवं कुशल नेतृत्व में गुना पुलिस द्वारा जिले में नाबालिगों एवं महिलाओं से संबंधित अपराधों को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए लगातार प्रभावी कार्यवाहियां की जा रही हैं । इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मानसिंह ठाकुर के मार्गदर्शन एवं सीएसपी गुना श्रीमति प्रियंका मिश्रा के पर्यवेक्षण में गुना कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक राजकुमार शर्मा और उनकी टीम द्वारा शहर से नाबालिग किशोरी के लापता होने के मामले में सक्रियता से कार्यवाही करते हुए किशोरी को दिल्ली से सुरक्षित दस्तयाब कर उसके परिजनों से मिला दिया है । गौरतलब है कि दिनांक 19 अप्रैल 2026 को गुना कोतवाली में एक पिता की ओर से अपनी 17 वर्षीय नाबालिग पुत्री के दिनांक 18 अप्रैल 2026 से लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी । रिपोर्ट पर से गुना कोतवाली में अपराध क्रमांक 181/26 धारा 137(2) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर पुलिस द्वारा किशोरी की तलाश प्रारंभ की गई । प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक राजकुमार शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा बालिका की लगातार सघन तलाश की गई । इस हेतु पुलिस ने अपने मुखबिर तंत्र को सक्रिय करते हुए विभिन्न तकनीकी संसाधनों एवं साइबर विश्लेषण की सहायता से किशोरी की सभी संभावित स्थानों पर लगातार खोजबीन की गई । पुलिस की सतत मेहनत, सूझबूझ एवं प्रभावी रणनीति के परिणामस्वरूप किशोरी के दिल्ली में होने की जानकारी मिलने पर गुना कोतवाली से पुलिस की एक टीम दिल्ली के लिये रवाना हुई, जहां पर पुलिस टीम द्वारा प्रभावी कार्यवाही करते हुए अंततः दिनांक 17 मई 2026 को किशोरी दिल्ली में लाला किला के पास से सुरक्षित दस्तयाब कर लिया गया एवं दस्तयाबी उपरांत किशोरी को गुना लाया गया, जहां थाने पर विधिवत कानूनी प्रक्रिया पूर्ण कर बालिका को बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया । बाल कल्याण समिति की अध्यक्षा डॉ. नीरू शर्मा एवं समिति सदस्यों द्वारा आवश्यक कार्यवाही पूर्ण करने उपरांत बालिका को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया । पुलिस की इस उल्लेखनीय कार्यवाही में गुना कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक राजकुमार शर्मा, उपनिरीक्षक चंचल तिवारी, सउनि विजय गुड़सेले, आरक्षक नीरज रघुवंशी, आरक्षक रतन सिंह, महिला आरक्षक रश्मि सेन एवं साइबर सेल से आरक्षक भूपेन्द्र खटीक व आरक्षक अभय रघुवंशी की सराहनीय भूमिका रही है ।

एकीकृत उद्यानिकी मॉडल अपनाकर किसान बन रहे हैं आत्मनिर्भर

आज की जनधारा

राघौगढ़ / गुना । गुना जिले में किसान आधुनिक उद्यानिकी तकनीकों एवं अंतरवर्ती फसल पद्धति अपनाकर बेहतर आय अर्जित कर रहे हैं। विकासखंड राधौगढ़ अंतर्गत ग्राम भैंसाना के कृषक गणपत सिंह यादव द्वारा एक एकड़ में लौकी, भिंडी, गिलकी, खीरा, करेला एवं टमाटर की उन्नत अंतरवर्ती खेती की जा रही है। खेत में ड्रिप सिंचाई, मल्चिंग एवं स्टेकिंग तकनीकों के उपयोग से उत्पादन एवं गुणवत्ता में वृद्धि हुई है। कृषक श्री यादव ने बताया कि अंतरवर्ती फसल पद्धति से खेती में जोखिम कम होता है तथा विभिन्न फसलों से निरंतर आय प्राप्त होती रहती है। आधुनिक तकनीकों को अपनाकर वे प्रति एकड़ लगभग 5 लाख रुपये तक का शुद्ध लाभ प्राप्त कर रहे हैं। उपसंचालक उद्यान केपीएस किरार ने बताया कि विभाग की लगभग सभी योजनाओं पर किसानों को करीब 50 प्रतिशत तक अनुदान प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने किसानों से पारंपरिक खेती के साथ फार्मिंग सिस्टम में बदलाव लाकर पॉलीहाउस में गुलाब उत्पादन, नेट हाउस में सब्जी उत्पादन, ड्रिप पद्धति से खुले खेत में गुलाब, गेंदा आदि की खेती, थाई पिंक अमरूद का बगीचा, डेयरी फार्म, वर्मी कम्पोस्ट, फार्म पॉण्ड, मत्स्य पालन एवं प्राकृतिक खेती को अपनाने की अपील की। वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी वि.ख. राधौगढ़ श्री कमल किशोर वर्मा ने किसानों से जल संरक्षण एवं कम लागत में अधिक उत्पादन हेतु ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सिंचाई पद्धति अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों के माध्यम से पानी की बचत के साथ फसलों की गुणवत्ता एवं उत्पादन में भी वृद्धि होती है।

जामनेर थाना पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के प्रकरण में फरार दूसरा आरोपी भी किया गिरफ्तार

आरोपी द्वारा ग्राम परेवा में मूंग की फसल में लगाए थे गांजे के पौधे

पुलिस ने पूर्व में 2.200 किलोग्राम बजनी गांजे के हरे पौधों सहित एक आरोपी किया था गिरफ्तार

आज की जनधारा

जामनेर / गुना । गुना पुलिस अधीक्षक श्रीमती हितिका वासल के कुशल नेतृत्व में गुना पुलिस द्वारा जिले में विभिन्न अवैध अथवा अनैतिक गतिविधियों में संलिप्त नशा माफियाओं, तस्करों आदि के विरूद्ध एक अभियान के रुप में कार्यवाहियां की जा रहीं है । इसी तारतम्य में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री मानसिंह ठाकुर के मार्गदर्शन एवं डीएसपी मुख्यालय और प्रभारी एसडीओपी श्री जमीलउद्दीन सिद्की के पर्यवेक्षण में जामनेर थाना पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के प्रकरण में फरार दूसरे आरोपी को भी गिरफ्तार कर जेल पहुंचा दिया है । उल्लेखनीय है कि दिनांक 29 अप्रैल 2026 को जामनेर थाना पुलिस ने थाना क्षेत्र के ग्राम परेवा स्थित एक खेत से 2.200 किलोग्राम बजनी गांजे के हरे पौधों के साथ आरोपी धर्मेन्द्र कुशवाह निवासी ग्राम परेवा को गिरफ्तार कर जिसके विरुद्ध जामनेर थाने में अप.क्र. 66/26 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया था । गिरफ्तारशुदा आरोपी धर्मेन्द्र कुशवाह ने पूछताछ पर बताया था कि उसने बनबारीलाल सेन के खेत

में बंटाई पर मूंग की फसल बोई है एवं खेत में बनबारी लाल सेन के द्वारा ही गांजे के पौधे लगाये गये थे, जिनकी वह देखभाल करता था । आरोपी के कथन के आधार पर पुलिस ने बनबारीलाल सेन को प्रकरण में आरोपी शुमार करते हुए धारा 29 एनडीपीएस एक्ट इजाफा कर फरार आरोपी बनबारीलाल सेन की तलाश प्रारंभ की गई । जामनेर थाना पुलिस ने प्रकरण के फरार आरोपी बनबारीलाल सेन की सरगर्मी से तलाश की गई और जिसकी तलाश के क्रम में आज दिनांक 18 मई 2026 को फरार आरोपी के संबंध में मुखिबर से प्राप्त सूचना पर जामनेर थाना पुलिस द्वारा त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही करते हुए आरोपी बनबारीलाल पुत्र मांगीलाल उर्फ गंगाराम सेन उम्र 42 साल निवासी ग्राम परेवा, थाना जामनेर जिला गुना को भी गिरफ्तार कर लिया गया एवं जिसे माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया है । जामनेर थाना पुलिस की इस कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक मनोज मेहरा, प्रधान आरक्षक गिरजेश मीना, प्रधान आरक्षक बृजेश त्यागी, आरक्षक गजेन्द्र गुर्जर एवं आरक्षक रमेश दोहरे की विशेष भूमिका रही है ।

राधौगढ़ जनपद पंचायत की ग्राम पंचायतों में अधूरी पड़ी नल-जल योजनाओं से ग्रामीण परेशान

आज की जनधारा

राघौगढ़ / गुना । गुना जिले की राधौगढ़ जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत उकावद एवं दीरोली में करोड़ों रुपये की नल-जल योजनाएं वर्षों बाद भी पूरी तरह शुरू नहीं हो सकी हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि संबंधित विभाग एवं अधिकारियों को कई बार समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन आज तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकला। ग्रामीणों के अनुसार, योजनाओं का कार्य लंबे समय से अधूरा पड़ा है, जिसके कारण आज भी लोगों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। कई स्थानों पर पाइप लाइन अधूरी है तो कहीं मोटर एवं टंकियों की व्यवस्था होने के बावजूद नियमित जल सप्लाई शुरू नहीं हो पाई। स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल पहुंचाने के उद्देश्य से लाखों-करोड़ों रुपये की योजनाएं संचालित की गई थीं, लेकिन जिम्मेदार विभाग की लापरवाही के कारण इन योजनाओं का लाभ आम जनता तक नहीं पहुंच पा रहा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि संबंधित अधिकारियों को कई बार मौखिक एवं लिखित रूप से शिकायत दी गई, समन्वय के साथ समस्या बताई गई, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला। अब ग्रामीणों में प्रशासन के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों एवं सामाजिक कार्यकताओं ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द नल-जल योजनाओं का कार्य पूर्ण कर नियमित जल आपूर्ति शुरू नहीं की गई तो आने वाले दिनों में बड़ा जनआंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित विभाग एवं प्रशासन की होगी। अब देखना होगा कि प्रशासन इस गंभीर समस्या को कितनी प्राथमिकता से लेकर ग्रामीणों को राहत पहुंचाता है ।

भाई-बहन की मौत के मामले में परिवार पहुंचा एसपी ऑफिस

बोला - अब तक नहीं मिला आरोपी ओर वाहन का सुराग

आज की जनधारा

अशोकनगर । गुना जिले के आरोन थाना क्षेत्र में कॉलेज से परीक्षा देकर लौट रहे भाई-बहन की सड़क हादसे में हुई दर्दनाक मौत के मामले में अब परिवार का आक्रोश सामने आने लगा है। सोमवार को मृतक भाई-बहन के परिजन पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे और मामले में शीघ्र कार्रवाई की मांग की। परिवार का आरोप है कि हादसे के कई दिन बाद भी पुलिस न तो आरोपी वाहन की पहचान कर सकी है और न ही किसी आरोपी तक पहुंच पाई है। उल्लेखनीय है कि ग्राम महुआ खेड़ा निवासी शिवानी कोरी और उसका छोटा भाई विपिन कोरी बीते दिनों आरोन कॉलेज से परीक्षा देकर बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान सिरसी-ढिमरयाई रोड पर किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी थी। हादसा इतना भीषण था कि दोनों भाई-बहन की

मौके पर ही मौत हो गई थी। इस घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल बन गया था। सोमवार को परिजन एसपी कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर मामले में ठोस कार्रवाई की मांग रखी। परिवार के लोगों ने बताया कि थाना स्तर पर उनकी सुनवाई नहीं हो रही थी, इसलिए उन्हें एसपी कार्यालय आना पड़ा। परिजनों के मुताबिक एसपी ने उन्हें 20 दिन के भीतर पूरे मामले की जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया है। परिवार ने यह भी बताया कि उन्हें एक 407 वाहन चालक पर शक है, जिसे सोमवार को आरोन थाने बुलाकर पूछताछ भी की गई। हालांकि अब तक पुलिस की ओर से किसी प्रकार की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। मृतकों के परिजनों ने प्रशासन से आर्थिक सहायता और न्याय की मांग भी की है। इसी संबंध में उन्होंने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर राहत राशि दिलाए जाने की मांग ।

समय पर उपचार से बची मरीज की जान, जिला चिकित्सालय की तत्परता सराहनीय

आज की जनधारा

गुना । कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निदेशानुसार एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजकुमार ऋषिश्वर के मार्गदर्शन में जिला चिकित्सालय में आपातकालीन सेवाएँ लगातार सुदृढ़ की जा रही हैं, जिसका एक और उदाहरण भगतसिंह कॉलोनी निवासी देवेंद्र रघुवंशी के पिता के उपचार के दौरान देखने को मिला। दिनांक 13 मई को मरीज की अचानक तबीयत बिगड़ने पर उन्हें सीने में तेज दर्द की शिकायत हुई, जिसके बाद परिजनों द्वारा तत्काल जिला चिकित्सालय लाया गया। ड्यूटी पर उपस्थित डॉ. महेंद्र किरार ने स्थिति की गंभीरता को समझते हुए बिना विलंब किए प्राथमिक उपचार प्रारंभ किया तथा आवश्यक स्थिरीकरण के उपरांत मरीज को उच्च चिकित्सा संस्थान रेफर किया गया। उच्च चिकित्सा संस्थान के चिकित्सकों द्वारा बताया गया कि यदि समय पर प्राथमिक उपचार नहीं मिलता तो स्थिति गंभीर हो सकती थी, लेकिन जिला चिकित्सालय में मिले त्वरित उपचार के कारण मरीज की जान सुरक्षित रही। मरीज के परिजनों ने चिकित्सकों एवं समस्त स्टाफ की तत्परता, संवेदनशीलता एवं समर्पित सेवाभाव के लिए आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

गुना जिले के राघोगढ़ तहसील क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम भेसना में हुआ 151 कुड़िया महायज्ञ का शुभारंभ

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह एवं फिल्मी कलाकार आशुतोष राणा पहुंचे यज्ञ स्थल पर की पूजा अर्चना

आज की जनधारा

राघोगढ़ /गुना । राघोगढ़ में आशुतोष राणा और दिग्विजय सिंह के आगमन को लेकर पुलिस अलर्ट, पार्किंग के इंतजाम पुख्ता विजयपुर थाना प्रभारी प्रमोद कुमार साहू ने बताया कि भेसना में चल रहे यज्ञ को देखते हुए पार्किंग व्यवस्था का जायजा लिया जा रहा है। आज राघोगढ़ में मुंबई से अभिनेता आशुतोष राणा और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह का आगमन हो रहा है थाना प्रभारी ने कहा कि भीड़ को देखते हुए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त बल तैनात किया गया है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि किसी भी प्रकार की दिक्कत होने पर थाना के हेल्पलाइन नंबर -9039649868-पर तुरंत कॉल करें वही 151 कुंडीय महायज्ञ का 18 मई से शुभारंभ हो गया है यज्ञ का शुभारंभ होने से पूर्व विशाल कलश यात्रा निकाली गई शुभारंभ पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह फिल्मी कलाकार आशुतोष राणा सहित कई जनप्रतिनिधि एवं आसपास के क्षेत्र के महिला पुरुष एवं बच्चों सहित बुजुर्ग शामिल हुए ।

म्याना थाना पुलिस की सक्रिय एवं प्रभावी कार्यवाही से थाना क्षेत्र से लापता नाबालिग बालिका सुरक्षित दस्तयाब

नाबालिग के अपहरण और उससे दुष्कर्म के आरोपी को भी गिरफ्तार कर जेल पहुंचाया

आज की जनधारा

गुना । 13 फरवरी 2026 को म्याना थाने पर फरियादी ताऊ द्वारा अपनी 16 वर्षीय नाबालिग भतीजी के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी । जिस पर से म्याना थाने में अपराध क्रमांक 30/26 धारा 137(2) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर पुलिस द्वारा बालिका की तलाश प्रारंभ की गई । म्याना थाना पुलिस द्वारा अपहृत बालिका की तलाश हेतु अपना मुखबिर तंत्र सक्रिय करते हुए विभिन्न तकनीकी संसाधनों का गहन विश्लेषण किया गया तथा सभी संभावित स्थानों पर अपहृता की निरंतर खोजबीन की गई । जिसकी तलाश के क्रम में गत दिनांक 17 मई 2026 को अपहृता के संबंध जानकारी मिलने पर म्याना थाना पुलिस द्वारा तत्पर एवं प्रभावी कार्यवाही करते हुए अंततः अपहृत बालिका को सुरक्षित दस्तयाब कर लिया गया ।

दस्तयाबी उपरांत बालिका ने अपने बयान में बताया कि ग्राम गीदखोह निवासी रामबाबू बंजारा उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया था और उसके साथ गलत काम किया । इसके बाद पुलिस ने आरोपी रामबाबू बंजारा के विरुद्ध प्रकरण में धारा 64(1), 64(2)( ) बीएनएस एवं 5छ/6 पॉक्सो एक्ट का इजाफा कर आरोपी की सरगर्मी से तलाश की गई और दिनांक 18 मई 2026 को आरोपी रामबाबू पुत्र कन्ना बंजारा उम्र 20 साल निवासी ग्राम गीदखोह थाना बजरंगगढ़ जिला गुना को विधिवत गिरफ्तार कर उसे माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया है ।

अचानक लगी आग से दहशत,एक के बाद एक घरों में भड़कती रही आग की लपटें, जलकर हुआ गिरस्ती का सामान खाक

महिलाओं और बच्चों को दूसरे मकान में किया शिफ्ट, वहां भी लगी आग; पुलिस-प्रशासन मौके पर, कारण अब तक बना रहस्यमई

आज की जनधारा

मुंगावली /अशोकनगर । अशोकनगर जिले के मुंगावली ब्लॉक के बाढ़ोली गांव में पिछले कुछ दिनों से एक परिवार रहस्यमयी आग की घटनाओं से दहशत में जी रहा है। गांव निवासी राजेश राजपूत के घर में अचानक अलग-अलग जगहों पर आग लगने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। हालत यह है कि परिवार के लोग दिन-रात सिर्फ इसी डर में समय गुजार रहे हैं कि कहीं फिर से आग न लग जाए। लगातार हो रही इन घटनाओं से गांव में भय और अफरा-तफरी का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों के अनुसार अब तक घर में करीब 50 से अधिक स्थानों पर अचानक आग लग चुकी है। कभी कपड़ों में आग लग रही है तो कभी घरेलू सामान धू-धू कर जलने लगता है। आग लगने की इन घटनाओं में परिवार का अधिकांश सामान जलकर राख हो चुका है। सबसे ज्यादा हैरानी की बात यह है कि अभी तक आग लगने के पीछे का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। स्थिति उस समय और गंभीर हो गई जब बच्चों के कपड़ों में अचानक आग लगने लगी। इसके बाद सुरक्षा के मद्देनजर महिलाओं और बच्चों को गांव के ही दूसरे मकान में शिफ्ट किया गया, लेकिन वहां भी आग लगने की घटना सामने आ गई। आग लगते ही मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने जान जोखिम में डालकर महिलाओं और बच्चों को बाहर निकाला। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। घटना के दौरान कई बार घरेलू सामान में अचानक आग भड़कती दिखाई दी। तख्त के नीचे रखी मिक्सी और पालने में आग लगने जैसी घटनाओं ने ग्रामीणों को भी सकते में डाल दिया। लगातार हो रही घटनाओं के कारण पूरे गांव में तरह-तरह की चचाएँ शुरू हो गई हैं। लोग इसे लेकर भयभीत हैं और परिवार के आसपास बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जुट रही हैसूचना मिलते ही मुंगावली थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। वहीं एसडीएम इसरार खान भी मौके पर पहुंचे तथा पीड़ित परिवार से चर्चा कर उन्हें सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट कराने की तैयारी शुरू की। प्रशासन अब इस रहस्यमयी आग के कारणों की जांच में जुट गया है। फिलहाल गांव में दहशत का माहौल है और हर किसी के मन में सिर्फ एक ही सवाल है कि आखिर यह आग बार-बार इसी परिवार को ही क्यों निशाना बना रही है।

रात 3 बजे बेटी का आया फोन, सुबह मिली मौत की खबर ,विवाहिता ने लगाई फांसी, मायके पक्ष ने जताई हत्या की आशंका

आज की जनधारा

अशोकनगर। जिले के देहात थाना क्षेत्र अंतर्गत शंकर कॉलोनी में 25 वर्षीय विवाहिता ने कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर प्रताड़ना और हत्या की आशंका जताते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार मृतिका नेहा पत्नी रंजीत लोधी मूल रूप से खिरिया सहराई गांव की रहने वाली थी। सोमवार सुबह पति रंजीत लोधी ने नेहा को कमरे में दुपट्टे के सहारे पंखे से लटका देखा। इसके बाद परिजनों ने तत्काल उसे नीचे उतारकर जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर मायके पक्ष के लोग भी जिला अस्पताल पहुंचे। पोस्टमार्टम के दौरान मृतिका के पिता ने आरोप लगाया कि उनकी बेटी को ससुराल पक्ष द्वारा लंबे समय से परेशान किया जा रहा था और आए दिन विवाद होते थे। मृतिका के पिता ने बताया कि रविवार और सोमवार की दरमियानी रात करीब 3 बजे नेहा का फोन आया था। वह अपनी मां से बात करना चाहती थी, लेकिन उस समय वह खेत पर थे। उन्होंने सुबह बात करने की बात कही थी। इसके बाद दोबारा कोई बातचीत नहीं हो सकी। पिता के मुताबिक सुबह ससुराल पक्ष से फोन आया कि नेहा को हार्ट अटैक आया है। जब परिजन अस्पताल पहुंचे तो उन्हें फांसी लगाने की जानकारी मिली। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी बेटी की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हुई है। उनका कहना है कि या तो उसे फांसी पर लटकाया गया या फिर प्रताड़ना से परेशान होकर उसने आत्मघाती कदम उठाया। बताया जा रहा है कि मृतिका का पति शहर में एक निजी दुकान पर काम करता है। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सीमांकन से पहले निर्माण रोकने की मांग, एसपी के नाम एएसपी को सौंपा आवेदन

आज की जनधारा

कचनार / अशोकनगर । कचनार थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ककरुआ तुमैन निवासी विक्रम सिंह ने सोमवार दोपहर पुलिस अधीक्षक के नाम अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गजेंद्र सिंह कंवर को आवेदन सौंपकर थाना कचनार पर नायब तहसीलदार के आदेश का पालन नहीं करने का आरोप लगाया है। आवेदन में बताया गया है कि ग्राम ककरुआ तुमैन स्थित उनकी भूमि सर्वे क्रमांक 27/2/1 रकबा 1.045 हेक्टेयर पर सुखराम साहू, मदन साहू एवं नीरज साहू द्वारा कथित रूप से जबरन कब्जा कर प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत मकान निर्माण कराया जा रहा है। प्रार्थी के अनुसार भूमि विवाद को लेकर उन्होंने सीमांकन के लिए आवेदन दिया था, जिस पर नायब तहसीलदार द्वारा सीमांकन पूर्ण होने तक निर्माण कार्य रोकने के आदेश जारी किए गए थे। विक्रम सिंह का आरोप है कि आदेश के बावजूद थाना कचनार द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई और निर्माण कार्य जारी रहने दिया गया। उन्होंने आवेदन में मांग की है कि सीमांकन पूर्ण होने तक निर्माण कार्य पर तत्काल रोक लगाई जाए तथा थाना कचनार को आदेश का पालन कराने के निर्देश दिए जाएं। आवेदक ने मामले में निष्पक्ष कार्रवाई कर भूमि विवाद का समाधान कराने की मांग पुलिस प्रशासन से की है।

महिला शक्ति की अनूठी मिसालः ग्राम गहोरा में श्रद्धा और उत्साह के साथ निकाली गई 501 मीटर की भव्य चुनरी यात्रा

आज की जनधारा

अशोकनगर । अशोकनगर जिले के ग्राम गहोरा में धार्मिक उत्साह, आस्था और नारी शक्ति का एक अद्भुत संगम देखने को मिला। यहाँ ग्रामीणों, विशेषकर मातृशक्ति के सामूहिक सहयोग से एक ऐतिहासिक और भव्य चुनरी यात्रा का आयोजन किया गया। इस यात्रा की सबसे खास बात यह रही कि इसमें किसी राजनीतिक या बड़े व्यक्तिगत संरक्षण के बजाय, गाँव की महिलाओं ने स्वयं चंदा इकट्ठा कर 501 मीटर लंबी विशाल चुनरी मंगवाई और माता रानी को अर्पित की। शिव मंदिर से शुरू हुआ आस्था का कारवां चुनरी यात्रा का शुभारंभ गाँव के प्राचीन शिव मंदिर से विधि-विधान से पूजा-अर्चना और आरती के साथ हुआ। जैसे ही चुनरी यात्रा शुरू हुई, पूरा गाँव 'जय माता दी' और 'हर-हर महादेव' के जयकारों से गूंज उठा। डीजे की थाप, ढोल-नगाड़ों और धार्मिक भजनों पर झूमते-नाचते श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। पूरे गाँव का भ्रमण करने के बाद यह भव्य चल समारोह प्रसिद्ध काली माता मंदिर पहुँचा। यहाँ पंडितों के सानिध्य में मंत्रोच्चार के बीच 501 मीटर लंबी चुनरी माता रानी को श्रद्धापूर्वक ओढ़ाई गई। चुनरी अर्पण के बाद माता जी की महाआरती की गई और उपस्थित सभी श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरण किया गया।

कलेक्टर श्री सिंह ने जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक ली

आज की जनधारा

उज्जैन। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह द्वारा सोमावार को प्रशानिक संकुल भवन के सभाकक्ष में जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक ली गई। बैठक में समिति के सचिव जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास, सहायक श्रमायुक्त, संयुक्त संचालक, सामाजिक न्याय, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, नोडल अधिकारी बालश्रम, विधि सह परिवीक्षा अधिकारी सामाजिक कार्यकर्ता, परामर्शदाता एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे। बैठक में समिति के सचिव श्री बृजेश कुमार त्रिपाठी ने बाल संप्रेषण गृह में रिक्त पदों की जानकारी दी। इसके अलावा संस्था बाल गृह में रिक्त भरे पदों की जानकारी, शासकीय बालिका गृह में स्वीकृत एवं भरे पदों की जानकारी तथा शासकीय बाल देखरेख संस्थाओं की जानकारी विस्तार से दी गई। इसके अलावा न्याय पीठ बालकल्याण समिति में निराकृत प्रकरणों की जानकारी दी गई।

बताया गया कि जनवरी 2026 से लेकर आज दिनांक तक कुल 59 प्रकरणों का निराकरण किया जा चुका है। इसके अलावा शासन द्वारा संचालित इंस्पोंशर शिप योजना, आफ्टर केयर योजना, फोस्टर केयर योजना के अंतर्गन लाभान्वित हितग्राहियों की जानकारी प्रदान की गई। पीएम केयर फॉर चिल्ड्रन योजना के अंतर्गत 19 हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया है। मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना के अंतर्गत 26 प्रकरणों का निराकरण किया जा चुका है। पॉक्सों के अंतर्गत 11 प्रकरण प्राप्त हुए है चाइल्ड हेल्प लाइन में प्राप्त 967 शिकायतों में से 902 शिकायतों का निराकरण किया जा चुका है। शेष 65 शिकायतों में कार्यवाही प्रचलन में हैं। भिक्षावृत्ति उन्मूलन अभियान के अंतर्गत श्री महाकालेश्वर मंदिर, चामुण्डा माता मंदिर, रेल्वे स्टेशन, तीन बत्ती चौराहा और महामृत्युंजय द्वार पर 27 बच्चे पाये गए। महाकाल थाने द्वारा इन्हें बालकल्याण समिति में प्रस्तुत कर पारिवारिक पुनर्वास कराया गया। जिलें में कुल 21 बाल विवाह सफलता पूर्वक रूकवाए गए। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि आगामी सिंहस्थ महापर्व 2028 में खोया-पाया केंद्र की स्थापना की जाना है ताकि मेले में अपने परिवार से बिछड़ने पर बच्चों को तुरन्त सुरक्षित स्थान प्राप्त हो सके। कलेक्टर श्री सिंह ने इसकी विस्तृत कार्ययोजना बनाए जाने के निर्देश दिए।

सर्व ब्राह्मण महापंचायत ट्रस्ट की बैठक हुई संपन्न, सामाजिक कुरीतियों पर किया गया चिंतन

आज की जनधारा

अशोकनगर । सर्व ब्राह्मण महापंचायत ट्रस्ट की बैठक रखी गई अध्यक्ष ओमप्रकाश चौधरी द्वारा सामाजिक कुरीतियों पर चिंतन व्यक्त किया गया एवं ट्रस्ट की कार्यकारिणी का विस्तार किया गया ओम प्रकाश शर्मा (ओ पी शर्मा)यूनिक कंप्यूटर को उपाध्यक्ष सह सचिव बाबूलाल शर्मा कन्हारी कोषाध्यक्ष आनंद शर्मा बड़ागांव को सर्वसम्मति से नियुक्त किया गया ट्रस्ट के डॉक्टर दीपक ने समर्थन करते हुए सभी नव नियुक्ति पदाधिकारी को बधाई दी काहा की ट्रस्ट को और तेज गति की ओर बढ़ाएंगे ट्रस्ट का धर्मशाला के विकास में योगदान देंगे ऐसी अपेक्षा करते है इस अवसर पर ओमप्रकाश चौधरी द्वारा युवा को जोड़कर युवा टीम का विस्तार करने एवं आगामी 31 मई को आमंत्रित सदस्यों को सम्मानित करने एवं आमंत्रित सदस्यों को बढ़ाने और समाज सेवियों को सक्रिय करने एवं सामाजिक बुराई कुरीतियां को रोकने समाज सुधार के विषय पर चिंतन करने हेतु एवं विगत वर्ष का लेखा-जोखा प्रस्तुत करने हेतु विप्र सम्मेलन का आयोजन किया जाना है इस हेतु आगामी 24 मई को 4:00 बजे सर्व ब्राह्मण धर्मशाला में बैठक रखी गई है उसमें सभी समाज सेवी ट्रस्ट से अनुरोध है समाज सेवा की दिशा में आगे आए और राष्ट्र का चिंतन करते हुए समाज को राष्ट्र चिंतक समाजसेवियों को जोड़ें ह सचिव राजेश जी शर्मा द्वारा प्रस्तावों रखे गए इस मोके पर श्री आर पी उपाध्याय , हरिओम शर्मा छैलाई विश्व बंधु चतुर्वेदी शिवाकांत शर्मा रमेश खोपरा शशिकांत भार्गव संजीव वीरू बोहरे बलराम वीरू युवा अध्यक्ष सुनील बोहरे पवन शर्मा दिनेश शर्मा संदीप चौबे विपिन शर्मा टकनेरी सौरभ शर्मा आनंद शर्मा रमेश शर्मा जगदीश शर्मा आदि प्रमुख।

पडोसी को रखने दिए पांच हजार रुपए मांगना पडा भारी युवक की गर्दन पर किया उस्तरे से हमला मची अफरातफरी

कोतवाली पुलिस ने घायल अवस्था में युवक को किया जिला अस्पताल में भर्ती, उपचार जारी

आज की जनधारा

अशोकनगर। कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत छै घरा कॉलोनी में रुपए वापस मांगना एक युवक को भारी पड़ गया। दुकान पर रखने के लिए दिए गए 5 हजार रुपए वापस मांगने पर दो युवकों ने उस पर उस्तरे से हमला कर दिया। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे पुलिस की मदद से जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। जहां उपचार जारी हे मिली जानकारी के अनुसार छै घरा कॉलोनी निवासी गोलू पुत्र भगवत सिंह लोधी उम्र 35 वर्ष ने कुछ दिनों पहले पड़ोस में रहने वाले शिवचरण को 5 हजार रुपए रखने के लिए दिए थे। बीती रात जब गोलू ने अपने रुपए वापस मांगे तो इस बात को लेकर विवाद हो गया। घायल गोलू के मुताबिक विवाद बढ़ने पर शिवचरण और इत्तू ने मिलकर उस पर उस्तरे से हमला कर दिया। हमले में उसकी गर्दन पर गंभीर चोट आई और वह लहूलुहान होकर गिर पड़ा। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार जारी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

चंदेरी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम पांडरी में पंखे से लटककर युवक ने की आत्महत्या की कोशिश,परिजनों ने बचाई जान

आज की जनधारा

चंदेरी। चंदेरी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पांडरी में एक युवक ने घर के अंदर पंखे से रस्सी का फंदा लगाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। समय रहते परिजनों की नजर पड़ने से युवक की जान बच गई। उसे गंभीर हालत में जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार जारी है। जानकारी के अनुसार ग्राम पांडरी निवासी दयाराम पुत्र नत्थू अहिरवार उम्र 29 वर्ष ने गत दिवस अज्ञात कारणों के चलते घर के कमरे में पंखे के कुंदे से रस्सी बांधकर फंदा लगा लिया। कुछ देर बाद परिजनों ने युवक को फांसी के फंदे पर लटका देखा तो घर में अफरा-तफरी मच गई। परिजनों ने तत्काल रस्सी काटकर युवक को नीचे उतारा और गंभीर अवस्था में जिला चिकित्सालय पहुंचाया। डॉक्टरों द्वारा युवक का उपचार किया जा रहा है। घटना के कारणों का फिलहाल खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस मामले की जानकारी जुटाने में लगी हुई है।

नं षं अध्यक्ष का मुंडन सोशल मीडिया पर बंटोर रहा हे सुर्खियां, कांग्रेस ने कसा तंज,ट्रिपल इंजन के साथ पूर्ण बहुमत फिर मुंडन क्यों

आज की जनधारा

शाढौरा / गुना । अशोकनगर जिले की शाढौरा नगर परिषद अध्यक्ष अशोक माहौर ने रविवार को ओंकारेश्वर में मां नर्मदा के तट पर मुंडन तर्पण करते हुए शाढौरा में विकास कार्य न होने से अपनी नाराजगी जताते हुए विकास को शून्य बताया है वहीं उन्होंने , प्रशासन पर सहयोग नहीं करने का आरोप लगाया है, पानी की समस्या संकट बनकर सामने है नगर में करोड़ों रुपए के विकास कार्य स्वीकृत है ओर उनकी धनराशि भी उपलब्ध है मगर प्रशासन काम कराने में क्यों नाकामयाब बनी है इन सब समस्याओं को हल कराने अध्यक्ष अशोक माहौर ने मुंडन कराया है मुंडन का समाचार सोशल मीडिया पर अनेकों ग्रुपों पर नगर में सुर्खियां बटोर रहा लोग तंज कसते हुए पूछ रहे हैं कि विकास को किसने रोका है जनता के सामने उजागर करें, वहीं कांग्रेस के जिला महासचिव शिवप्रताप सिंह रघुवंशी ने सोशल मीडिया के माध्यम से तंज कसतें हुए पूछा है कि टिर्पल इंजन की सरकार होने के साथ निर्विरोध बने अध्यक्ष जिसके पार्षदों की संख्या 15 में से 10 हैं फिर क्यों विकास कराने में अध्यक्ष सक्षम नहीं है रघुवंशी यही नहीं रुके उन्होंने आगे कहा कि क्या भाजपा की स्थानीय गुटबाजी नगर पालिका के विकास कार्य में रोडे अटका रही है शाढौरा नगर परिषद में कांग्रेस के पार्षद एंव जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री निखिल रधुवंशी ने सोशल मीडिया के माध्यम से पूछा है कि अध्यक्ष स्पष्ट बताये कि विकास किसने रोका है उनके नाम स्पष्ट करें सोशल मीडिया पर लोग चुटकी भरें अंदाज में अनेकों तरह के कमेंट लिख रहे हैं भगवान के भरोसे छोड़ने क्या विकास होगा ह्मया आपसी मतभेद दूर करने से विकास का पहिया तेजी से घूमेगा सीएमओ शमशाद पठान ने बताया कि हमने 15 मई को हमने परिषद में लिखिति आदेश जारी किया है कि अध्यक्ष जो आदेश हमें लिखित में देंगे हम उन निदेशौ का पालन करेंगे जनता की राय सोशल मीडिया पर लम्बी बहस जनता ने दिखाई है अधिकांश लोगों का मत है कि समस्या के निदान के भाजपा संगठन सक्षम है संगठन को आगे जाकर शाढ़ौरा नगर परिषद क्षेत्र के विकास के पहिए की अवरुद्ध गति को आगे बढ़ने का काम करना चाहिए जिससे अध्यक्ष अशोक माहौर के विकास की सोच मुहूर्त रुप ले सकें।

साइबर ठग ने लाड़ली बहना योजना की राशि UPI से की पार, पीड़ित महिला के पति ने एएसपी से लगाई न्याय की गुहार

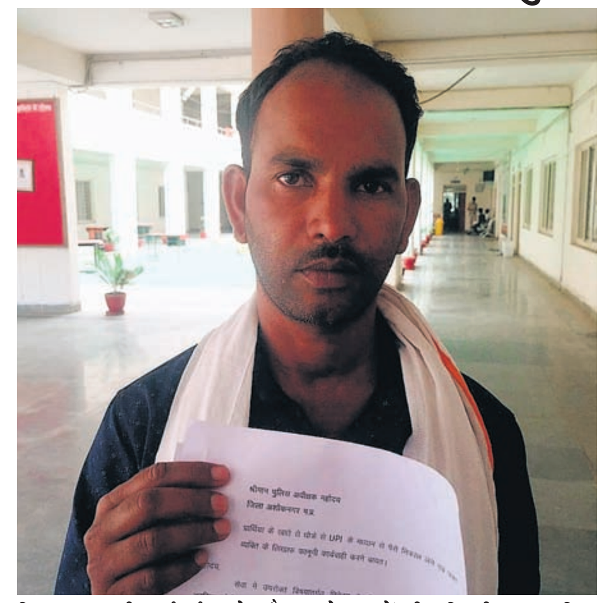

आज की जनधारा

ईशागढ / अशोकनगर । जिले के ईसागढ़ तहसील अंतर्गत ग्राम कोहरवास निवासी एक महिला के खाते से कथित तौर पर धोखाधड़ी कर वढक के माध्यम से राशि निकालने का मामला सामने आया है। पीड़ित महिला के पति अरविन्द्र लोधी ने आज दोपहर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को पुलिस अधीक्षक के नाम आवेदन सौंपकर मामले में कार्रवाई की मांग की है। राधा बाई के पति अरविन्द्र लोधी निवासी ग्राम कोहरवास ने बताया कि 12 मई 2026 को उनके नाम से एयरटेल पेमेंट बैंक में खाता खोला गया था। इसके बाद 13 मई को लाडली बहना योजना की 1500 रुपए की राशि खाते में प्राप्त हुई। महिला का आरोप है कि 14 मई को बिना जानकारी और अनुमति के वढक के माध्यम से खाते से 1450 रुपए निकाल लिए गए। आवेदन में बताया कि जिस मोबाइल नंबर से राशि निकाली गई, वह 7648841087 है। फरियादी ने मामले को साइबर धोखाधड़ी बताते हुए आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने और निकाली गई राशि वापस दिलाने की मांग की है। पीड़ित महिला के पति अरविन्द्र लोधी ने कहा कि गरीब परिवारों को मिलने वाली सरकारी योजनाओं की राशि भी अब सुरक्षित नहीं रह गई है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

ठीक नहीं है, ठीक नहीं है

आंय बांय सांय....
कुछ भी बक देना,
चलते फिरते पंगा लेना,
जुवां लड़ाना,मुंह की खाना
पीठ दिखाकर घर आ जाना
ठीक नहीं है,ठीक नहीं है ।।१।।

लूट लूट कर
धन जनता का
पाप खजाना,खूब बढ़ाना
फिर राम कथा,आयोजित करवाना
ऊंचे चढ़ कर देख विमाना
ठीक नहीं है, ठीक नहीं है।।२।।

स्वारथ में रत
नहिं स्थिर चित
तलवे चाटना,दुम हिलाना
अति झुक जाना,गिड़गिड़ाना,
स्वाभिमान को,बेच के खाना
ठीक नहीं है, ठीक नहीं है।।३।।

पर जाया
पर धन पर
जी ललचाना,नजर गढ़ाना
नीयत डोलना,मति फिर जाना
चाल-चलन का नहीं ठिकाना
ठीक नहीं है, ठीक नहीं है।।४।।

लेटलतीफी,
टालमटोल
ढोल में पोल,इतना झोल
खुद न कमाना,मुफ्त का खाना
मूसे खाकर,हज को जाना
ठीक नहीं है, ठीक नहीं है।।५।।

देर से सोना
देर से जगना
खड़े-खड़े पानी पी जाना
विना चबाएं,जल्दी खाना
इधर उधर मन को भटकाना
ठीक नहीं है ठीक नहीं है।।६।।

पेड़ काटना
भेद बांटना
क्रोध दिलाना,दिल जलाना
पानी में भी आग लगाना
आग लगा,पानी को धाना
ठीक नहीं है,ठीक नहीं है।।७।।

आत्म तत्व पर
षड विकार रंग
अति चढ़ जाना,होअभिमाना
श्रृति पथ त्याग, चलै मनमाना
धनबल जनबल ज्ञान गुमाना
ठीक नहीं है, ठीक नहीं है

शिवकुमार शर्मा
दीपक नगर, भोपाल

बरसात से पहले वार्डों में विशेष सफाई अभियान, नालियों के गहरीकरण के निर्देश

स्वास्थ्य सभापति राकेश जाधव ने ली सुपरवाइजरों की बैठक, लापरवाह कर्मचारियों पर होगी कार्रवाई

आज की जनधारा

इटारसी। नगरपालिका स्वास्थ्य विभाग के सभापति राकेश जाधव ने सोमवार को विभाग में समस्त वार्ड सुपरवाइजरों की बैठक ली। बैठक में बरसात से पूर्व शहर की सभी नालियों एवं पुलियाओं की विशेष सफाई कर गहरीकरण अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। सभापति जाधव ने कहा कि कई नालियां लंबे समय से साफ नहीं होने की शिकायतें मिल रही हैं, जिससे कर्मचारियों की लापरवाही सामने आती है। उन्होंने चेतावनी दी कि जो कर्मचारी ईमानदारी से कार्य नहीं कर रहे, उन्हें चिन्हित कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। सभी कर्मचारियों से शहर की स्वच्छता को प्राथमिकता देते हुए जिम्मेदारी से कार्य करने की अपील की गई। स्वास्थ्य विभाग प्रभारी मयंक अरोरा ने बताया कि बड़े नालों की सफाई के लिए जेसीबी के टेंडर

जारी कर दिए गए हैं। संबंधित ठेकेदारों द्वारा शीघ्र ही कार्य शुरू किया जाएगा, ताकि बरसात के दौरान वार्डों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो। बैठक में सभी वार्ड सुपरवाइजरों को आगामी 15 दिनों तक विशेष सफाई अभियान चलाकर उसकी विस्तृत रिपोर्ट नगरपालिका कार्यालय में प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए गए। इस अवसर पर स्वदेश महोरिया, जगदीश पटेल सहित समस्त वार्ड सुपरवाइजर उपस्थित रहे।

सूबेदार एवं उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा-2025

मुख्य परीक्षा का परिणाम घोषित, 1639 अभ्यर्थी अगले चरण के लिए चयनित

आज की जनधारा

भोपाल। मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल द्वारा आयोजित सूबेदार एवं उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा-2025 की मुख्य परीक्षा (द्वितीय चरण) का परिणाम घोषित कर दिया गया है। परीक्षा परिणाम मंडल की आधिकारिक वेबसाइट esb.mp.gov.in पर उपलब्ध है। पुलिस मुख्यालय, मध्यप्रदेश से जारी जानकारी के अनुसार भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत कुल 500 सीधी भर्ती पदों के लिए परीक्षा आयोजित की गई थी। मुख्य परीक्षा के परिणाम के आधार पर कुल 1639 अभ्यर्थियों का चयन आगामी चरणों के लिए किया गया है। इनमें 473 महिला एवं 1166 पुरुष अभ्यर्थी शामिल हैं। भर्ती मुख्य परीक्षा का आयोजन 29 अप्रैल 2026 तक प्रदेश के चार शहरों – भोपाल, जबलपुर, सागर एवं सीधी में किया गया था। पुलिस विभाग के अनुसार पूरी परीक्षा प्रक्रिया निर्धारित नियमों एवं पूर्ण पारदर्शिता के साथ संपन्न कराई गई। मुख्य परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों के लिए अब शारीरिक दक्षता परीक्षा (PET), शारीरिक माप परीक्षण (PMT), साक्षात्कार, दस्तावेज सत्यापन तथा चिकित्सा परीक्षण आयोजित किए जाएंगे। आगामी चरणों की विस्तृत समय-सारणी, परीक्षा केंद्र एवं प्रवेश पत्र संबंधी जानकारी अलग से जारी की जाएगी। अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे नियमित रूप से मंडल की आधिकारिक वेबसाइट का अवलोकन करते रहें तथा भर्ती प्रक्रिया से जुड़ी किसी भी भ्रामक सूचना से सावधान रहें।

माखननगर पुलिस को बड़ी सफलता: चोरी की पांच वारदातों का खुलासा, तीन शातिर गिरफ्तार

आज की जनधारा

माखननगर, नर्मदापुरम। जिले में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए माखननगर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक साईकृष्णा एस. थोटा (कढर) एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक राजन के निर्देशन तथा एसडीओपी सोहागपुर संजू चौहान के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी माखननगर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने चोरी की अलग अलग घटनाओं का खुलासा किया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी का मशरूका बरामद किया है। पूछताछ में आरोपियों ने माखननगर एवं आसपास के क्षेत्र में हुई पांच चोरी की वारदातों को स्वीकार किया है। इनमें महावीर कॉलोनी, माखननगर से अपाचे मोटरसाइकिल चोरी करना, भगवान कॉलोनी स्थित मकान का ताला तोड़कर सोने की बाली चोरी करना, ग्राम समौन स्थित दुकान का ताला तोड़कर चोरी का प्रयास करना, महावीर कॉलोनी,

माखननगर के एक सूने मकान से सोने की अंगूठी चोरी करना तथा भोपाल के आनंद नगर क्षेत्र से स्प्लेंडर मोटरसाइकिल चोरी करना शामिल है। गिरफ्तार आरोपियों में शेरू खान पिता रमजान अली, उम्र 32 वर्ष, निवासी ग्राम चैनपुर, थाना बाड़ी, जिला रायसेन शामिल है जिसके विरुद्ध बाड़ी एवं आसपास के थानों में 15 से अधिक अपराध दर्ज हैं। दूसरा आरोपी माजिद उर्फ बच्चा पिता सलमान खान, उम्र 22 वर्ष, निवासी बगिया मोहल्ला सिलवानी, थाना सिलवानी, जिला रायसेन है जिसके विरुद्ध रायसेन एवं भोपाल के विभिन्न थानों में 30 से अधिक अपराध दर्ज हैं। तीसरा आरोपी आसिफ पिता आशिक खान, उम्र 31 वर्ष, निवासी ग्राम चैनपुर, थाना बाड़ी, जिला रायसेन है जिसके विरुद्ध बाड़ी एवं आसपास के थानों में 35 से अधिक अपराध दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार तीनों आरोपी शातिर अपराधी हैं और इनके विरुद्ध पूर्व में जिला रायसेन के बाड़ी, बरेली एवं भोपाल के विभिन्न थानों में चोरी सहित अन्य गंभीर अपराधों के कई प्रकरण दर्ज हैं। फिलहाल आरोपियों से विस्तृत पूछताछ की जा रही है तथा अन्य वारदातों के संबंध में भी जांच जारी है। इस कार्रवाई में एसडीओपी सोहागपुर संजू चौहान, थाना प्रभारी उनि आकाशदीप पचाया, उनि लाहनू उबनारे, सउनि वीरेंद्र शुक्ला, सउनि प्रकाश सिंह राजपूत, प्रआर अजय, प्रआर तरुण, आर नरेश मलिक, आर शुभम राय, आर नरेंद्र, आर रविंद्र तथा आर राहुल पवार की सराहनीय भूमिका रही।

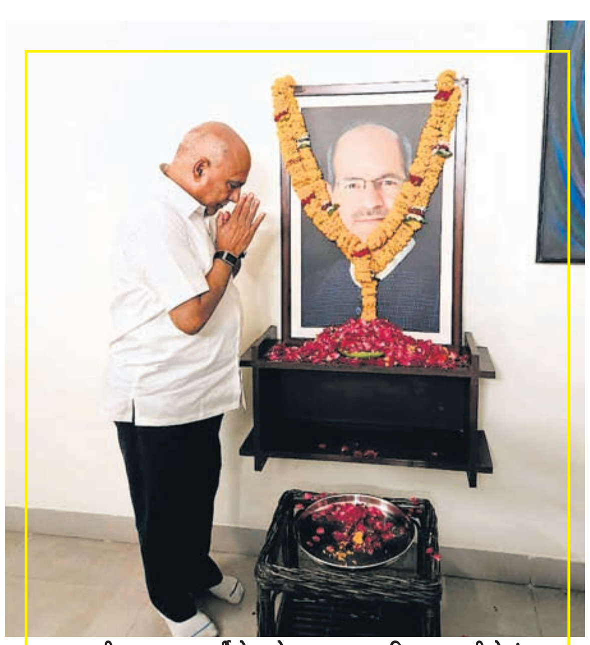

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक श्री हेमंत खण्डेलवाल ने सोमवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री व प्रख्यात पर्यावरणविद स्वर्गीय अनिल माधव दवे की पुण्यतिथि पर भोपाल स्थित नदी का घर पहुंचकर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

लक्ष्य क्रिकेट एकेडमी के नि:शुल्क कैंप में 70 बच्चे सीख रहे क्रिकेट के गुण, गांधी मैदान पर रोजाना अभ्यास

कोचों ने सिखाई गेंदबाजी-बल्लेबाजी की तकनीक, फील्डिंग के टिप्स भी दिए; भारत माता की जय से हुआ समापन

आज की जनधारा

इटारसी। लक्ष्य क्रिकेट एकेडमी के तत्वावधान में गांधी मैदान पर आयोजित निःशुल्क क्रिकेट प्रशिक्षण शिविर में 70 बच्चे रोजाना क्रिकेट की बारीकियां सीख रहे हैं। शिविर में अनुभवी कोच बच्चों को खेल के तकनीकी और शारीरिक पहलुओं से अवगत करा रहे हैं। प्रशिक्षण सत्र की शुरूआत कोच अमिताभ दुबे ने बच्चों से फिजिकल एक्सरसाइज कराकर की। उन्होंने बेहतर फील्डिंग के लिए महत्वपूर्ण टिप्स दिए और मैदान पर चुस्ती-फुर्ती का महत्व समझाया। गेंदबाजी सत्र में कोच अतुल राठौर और अमित जैसवाल ने बच्चों को गेंद पकड़ने का सही तरीका, गेंद फेंकने की तकनीक और स्विंग कराने के गुर सिखाए। वहीं कोच मनीष सतपालानी ने बल्लेबाजी और फील्डिंग का अभ्यास कराया। उन्होंने बच्चों के साथ अपने अनुभव साझा करते हुए खेल में अनुशासन और समर्पण को जरूरी बताया। शिविर के समापन पर सभी बच्चों ने पूरे जोश के साथ भारत माता की जय के नारे लगाए। निःशुल्क शिविर का उद्देश्य बच्चों को क्रिकेट से जोड़ना और ग्रामीण व शहरी क्षेत्र की प्रतिभाओं को मंच देना है।

मध्यप्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने सोमवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में कार्यकताओं से किया संवाद

कार्यकर्ताओं से संवाद कर जनसमस्याओं का किया त्वरित समाधान

आज की जनधारा

भोपाल। मध्यप्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने सोमवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश भर से आए पार्टी कार्यकताओं से संवाद किया। मध्यप्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने प्रदेश भर से आए पार्टी कार्यकताओं एवं आमजनों से संवाद कर उनकी जनसमस्याओं का त्वरित समाधान किया। जिन समस्याओं का तत्काल समाधान नहीं किया जा सका, उन्हें संबंधित विभागों को निराकरण के लिए भेजा गया है। उन्होंने पार्टी कार्यकताओं से संवाद करते हुए उनकी कठिनाइयों को समझा और उन्हें जल्द से जल्द समाधान दिलाने का आश्वासन दिया। इस दौरान पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष श्री शैलेन्द्र बरूआ उपस्थित रहे।

ये प्यास कब बुझेगी

आभास जैन एड.
अधिवक्ता एवं विचारक
भोपाल

आदि मानव से आधुनिक मानव तक सब कुछ बदला, लेकिन नहीं बदली तो मनुष्य के मन की प्यास मनुष्य जब से जन्मा है ये तब से निरंतर प्यासा है, इसके इसी स्वभाव ने इसे भौतिक विकास के शिखर तक पंहुचा दिया तो है, अतृप्ति के इसी गुण ने इसे आध्यात्मिक खोज के अनंत निष्कर्षों तक भी स्थापित किया है । आध्यात्मिक विचारकों ने भी इस प्यास के सामने आत्म समर्पण कर दिया और इसे अनंत तृष्णा कहकर पल्ला झाड़ लिया । जिस प्यास ने पानी को खोजा उसे धार्मिक मान्यताओं ने तृष्णा कहकर नकार दिया और संतोषी सदा सुखी की विचारधारा को अधिक बल दिया । भारतीय विचारक एक हद तक इसी विचार को भारत की आर्थिक सम्रद्धि के पिछड़ेपन का कारण भी मानते हैं । मूलतः देखा जाये तो ये असंतोष मनुष्य का स्वाभाविक गुण है, इसे विकार कहना गलत होगा क्योंकि मनुष्य की लाखों सालों की तमाम उपलब्धियों के मूल में असंतोष ही है यही एक गुण मानव जाति को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है, यही हमें नित नवीनता की खोज के लिए प्रेरणा देता है तो ये कहना गलत नही होगा कि मानव समाज की संपूर्ण संपन्नता असंतोषी खोजियों द्वारा ही दी गई है । आध्यात्मिक ज्ञान हो अथवा विशाल शास्त्र साहित्य हो वह भी किसी प्यासे पथिक की ही देन है । कोई निर्धनता से असंतुष्ट हुआ तो उसने संपनन्ता को खोजा कोई संसार से असंतुष्ट हुआ तो उसने संसार से मुक्ति के विचार को खोजा, कोई दुखों से दुखी हुआ तो उसने सुखों को खोजा, यद्यपि सबकी खोजो के अपने अलग अलग मायने होते हैं लेकिन पाने की प्रेरणा का मूल सबका एक ही होता है और वह है प्यास । यदि आप प्यासे नहीं है तो यकीं मानिए आप जीवन में कुछ हांसिल नहीं कर सकेंगे । हमारा शरीर इस भूमि के तत्वों से निर्मित है, जैंसे हमारे शरीर के अंग है वैसे ही हम इस प्रकृति के अंग हैं और प्यास सिर्फ हमारा स्वभाव नहीं ये संपूर्ण प्रकृति का स्वभाव है, ये प्रकृति ही हमें निरंतर नवीनता को खोजने के लिए प्रेरित करती है । आज आधुनिक मनुष्य विकास और चिंतन के चरम शिखर पर स्थापित हो चुका है, तब यदा-कदा ये प्रश्न उठ ही जाता है कि आखिर ये प्यास कब बुझेगी ।

अपेक्स बैंक के प्रशासक श्री महेंद्र सिंह यादव ने इंदौर संभाग की वर्चुअल बैठक ली

आज की जनधारा

अपेक्स बैंक के प्रशासक श्री महेंद्र सिंह यादव ने आज इंदौर संभाग के पांच जिला बैंकों यथा - इंदौर, धार, खंडवा, झाबुआ एवं खरगोन के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों की बैठक में निर्देशित किया कि माननीय मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव जी ने इस वर्ष 2026 को "किसान वर्ष₹ के रूप में मनाने का निर्णय लिया है, इसलिए हमारी कोशिश हो कि अधिक से अधिक पात्र किसानों को अपने जिले की समितियां का सदस्य बनाएं और उन्हें अंश पूंजी जमा करने के लिए भी प्रेरित करें. श्री यादव ने निर्देशित किया कि सभी मुख्य कार्यपालन अधिकारी अपने जिले की समितियों की समीक्षा करें तथा समितियों का प्रवास कर किसानों से सीधा संवाद स्थापित करें एवं उन्हें सरल भाषा में सहकारी बैंकों की योजनाओं के बारे में अवगत कराएं, जिससे कि वहकिसान सहकारी बैंकों द्वारा उपलब्ध कराई जारी सुविधाओं का लाभ उठा सकें और लाभान्वित हों. उन्होंने आगे कहा कि राशन की दुकानों से आ रही शिकायतों के निराकरण के लिए भी आप प्रयास करें, विक्रय और उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण करें तथा कृषि विस्तार अधिकारियों से संपर्क स्थापित कर खाद-बीज वितरण की व्यवस्था के बारे में भी सुचारू सकारात्मक प्रयास प्रारंभ करें. श्री यादव ने यह भी कहा कि किसानों को तुलाई में आ रही

परेशानी एवं खरीदी समय पर हो जाए, इसके लिए भी आप सभी को सकारात्मक वातावरण तैयार करना होगा. इस वर्चुअल बैठक में आरंभ में अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक श्री मनोज गुप्ता ने 14 अप्रैल से शुरू हुए विशेष सदस्यता अभियान, वसूली, खरीफ फसल वितरण प्रति प्रैक्स एवं प्रति शाखा टर्म लोन का वितरण, पेक्स बहुउददेशीय गतिविधियां आरंभ करें, अमानतों में वृद्धि हो, गेहूं खरीदी केंद्रों पर किसी प्रकार की असुविधा न हो सहित अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर इंदौर संभाग के संभागीय शाखा प्रबधक व मुख्य कार्यपालन अधिकारियों से संवाद स्थापित कर प्रशासक महोदय की मंशा से उन्हें अवगत कराया. बैठक में ऋण वितरण के बारे में उप महापबंधक श्री के टी सज्जन ने भी मार्गदर्शन प्रदान किया. इस अवसर पर अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक श्री मनोज गुप्ता,विशेष कर्तव्य स्थित अधिकारी श्रीमती अरुणा दुबे, श्री अरुण मिश्रा, श्री अरविंद बौद्ध, डॉ आर के गंगेले, जनसम्पर्क अधिकारी श्री अभय प्रधान भी उपस्थित रहे।

पूर्वांचल से पश्चिमी यूपी तक विकसित हो रहा मल्टीमोडल लॉजिस्टिक्स नेटवर्क

देश का नया सप्लाई चेन हब बन रहा उत्तर प्रदेश

- वेयरहाउसिंग, एग्री-लॉजिस्टिक्स और डिजिटल गवर्नेंस से निवेशकों का बढ़ा भरोसा
- लीड्स 2025 में 'एग्जम्पलर' सम्मान के साथ यूपी ने बनाई राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान

लखनऊ। पूर्वांचल से लेकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश तक तेजी से विकसित हो रहा मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स नेटवर्क अब प्रदेश की नई आर्थिक ताकत बनकर उभर रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में एक्सप्रेसवे, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर, मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स हब, एयरपोर्ट और वेयरहाउसिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का ऐसा व्यापक नेटवर्क तैयार किया जा रहा है, जिसने उत्तर प्रदेश को देश के सबसे तेजी से विकसित हो रहे लॉजिस्टिक्स और कनेक्टिविटी हब में शामिल कर दिया है। यही वजह है कि प्रतिष्ठित लीड्स 2025 रिपोर्ट में उत्तर प्रदेश को 'एग्जम्पलर' श्रेणी में स्थान मिला है।

रिपोर्ट के अनुसार इंफ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक्स सेवाओं, रेगुलेटरी वातावरण और डिजिटल सिस्टम जैसे प्रमुख मानकों पर उत्तर प्रदेश का प्रदर्शन राष्ट्रीय औसत और अन्य लैंडलॉक राज्यों से बेहतर रहा है। सड़क, रेल, एयरपोर्ट, टर्मिनल इंफ्रास्ट्रक्चर और फर्स्ट एवं लास्ट माइल कनेक्टिविटी में हुए सुधारों ने प्रदेश को निवेश और औद्योगिक विकास का नया केंद्र बना दिया है। योगी सरकार द्वारा विकसित पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे, गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे, आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे, यमुना एक्सप्रेसवे और निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेसवे पूर्वी, मध्य और पश्चिमी उत्तर प्रदेश को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और प्रमुख औद्योगिक शहरों से जोड़ रहे हैं। इससे माल परिवहन तेज हुआ है और उद्योगों को सप्लाई चेन में बड़ी सहूलियत मिल रही है।

प्रदेश की रणनीतिक स्थिति को ईस्टर्न और वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर ने और मजबूत किया है। ग्रेटर नोएडा के दादरी में 7,000 करोड़ रुपये से अधिक लागत से विकसित हो रहा मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स हब उत्तर भारत में कार्गो, कंटेनर मूवमेंट और वेयरहाउसिंग का प्रमुख केंद्र बनने जा रहा है। वहीं बोराकी रेलवे स्टेशन पर मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब तथा कानपुर, गोरखपुर और टप्पल-बजना में नए लॉजिस्टिक्स पार्क विकसित किए जा रहे हैं। यही नहीं, गंगा एक्सप्रेसवे कॉरिडोर के किनारे मेरठ, हापुड़, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ और प्रयागराज में इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग एंड लॉजिस्टिक क्लस्टर्स विकसित करने की योजना है। इससे मैन्युफैक्चरिंग, वेयरहाउसिंग और सप्लाई चेन नेटवर्क को नई मजबूती मिलेगी।

प्रदेश में एग्री-लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग सेक्टर का भी तेजी से विस्तार हो रहा है। मल्टी-कमोडिटी कूलिंग सेंटर, कोल्ड स्टोरेज यूनिट्स और आधुनिक लॉजिस्टिक्स सुविधाएं कृषि उत्पादों की स्टोरेज और वितरण व्यवस्था को मजबूत कर रही हैं। ई-कॉमर्स, रिटेल, फूड प्रोसेसिंग और एक्सपोर्ट आधारित उद्योगों के लिए समर्पित वेयरहाउसिंग सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर भी उत्तर भारत के सबसे बड़े एविएशन और कार्गो गेटवे के रूप में उभर रहा है। एयरपोर्ट की एक्सप्रेसवे और फ्रेट कॉरिडोर से सीधी कनेक्टिविटी पश्चिमी उत्तर प्रदेश में विश्वस्तरीय मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम तैयार कर रही है। इसके साथ ही वाराणसी मल्टीमॉडल टर्मिनल और इनलैंड वाटरवे नेटवर्क के जरिए नदी आधारित लॉजिस्टिक्स को भी मजबूत किया जा रहा है, जिससे कम लागत वाले कार्गो परिवहन और मल्टीमॉडल फ्रेट इंटीग्रेशन को बढ़ावा मिलेगा।

प्रदेश सरकार ने लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग सेक्टर में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए कई सुधार लागू किए हैं। 'निवेश मित्र' सिंगल विंडो सिस्टम और जीआईएस आधारित डिजिटल प्लानिंग टूल्स के जरिए अनुमोदन प्रक्रिया को तेज और पारदर्शी बनाया गया है। राज्य में लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग सेक्टर में हजारों करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव स्वीकृत किए जा चुके हैं। लीड्स 2025 में मिली यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि उत्तर प्रदेश अब केवल एक लैंडलॉक राज्य नहीं, बल्कि भारत की भविष्य की सप्लाई चेन, मैन्युफैक्चरिंग और आर्थिक विकास का प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है।

मजिस्ट्रेट की अनुमति के बिना जुआ मामले की जांच नहीं कर सकती पुलिस : हाईकोर्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हाल ही में कहा कि सार्वजनिक स्थान या सड़क पर जुआ खेलने से जुड़ा Public Gambling Act, 1867 की धारा 13 के तहत अपराध गैर-संज्ञेय है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि ऐसे मामलों में मजिस्ट्रेट की अनुमति के बिना पुलिस जांच शुरू नहीं कर सकती और बिना वारंट गिरफ्तारी भी नहीं की जा सकती। जस्टिस संजय कुमार पचौरी की एकलपीठ ने यह टिप्पणी करते हुए एक आरोपी के खिलाफ चल रही आपराधिक कार्यवाही और समन आदेश को रद्द कर दिया।

मामला मिर्जापुर का था, जहां पुलिस ने चार लोगों को ताश के पत्तों और नकदी के साथ पकड़ने के बाद Public Gambling Act, 1867 की धारा 13 के तहत FIR दर्ज की थी। जांच पूरी होने के बाद पुलिस ने चार्जशीट दाखिल की, जिस पर मजिस्ट्रेट ने संज्ञान ले लिया। आरोपी की ओर से एडवोकेट श्रेय सिंह और एडवोकेट रागिनी गुप्ता ने दलील दी कि यूपी संशोधन अधिनियम, 1961 के तहत धारा 13 में अधिकतम सजा छह महीने है। चूंकि CrPC की पहली अनुसूची के अनुसार तीन साल से कम सजा वाले अपराध गैर-संज्ञेय माने जाते हैं, इसलिए पुलिस मजिस्ट्रेट की पूर्व अनुमति के बिना जांच नहीं कर सकती थी।

हाईकोर्ट ने इस दलील से सहमति जताते हुए कहा कि CrPC की धारा 155(2) के तहत गैर-संज्ञेय अपराध की जांच मजिस्ट्रेट के आदेश के बिना नहीं हो सकती। कोर्ट ने यह भी कहा कि रिकॉर्ड पर ऐसा कोई सबूत नहीं था जिससे साबित हो कि कथित जुआ किसी सार्वजनिक स्थान पर खेला जा रहा था। कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट की भी आलोचना की और कहा कि उसने कानून और तथ्यों पर विचार किए बिना संज्ञान आदेश पारित कर दिया। इन टिप्पणियों के साथ हाईकोर्ट ने पूरी आपराधिक कार्यवाही और समन आदेश को रद्द कर दिया। हालांकि, कोर्ट ने यह भी नोट किया कि पिछले वर्ष हाईकोर्ट की एक समन्वय पीठ ने इसी धारा 13 के अपराध को संज्ञेय माना था, क्योंकि कानून में पुलिस को बिना वारंट गिरफ्तारी की शक्ति दी गई है।

आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा, 22 घायल

उन्नाव। आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा,डबल डेकर बस-कंटेनर में टक्कर हो गई है, जिसमें 22 लोग घायल है। इंटरसिटी एक्सप्रेस बस में सवार 22 यात्री घायल होने की जानकारी मिली है। जानकारी के मुताबिक चालक को झपकी आने से बस कंटेनर से टकराई गई, जिसमें 22 यात्रियों को चोट आई है। घायलों को पास के समुचित समुदाय में भर्ती कराएगा है। यह घटना बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र के रघुरामपुर की है।

जज साइकिल से जिला एवं सत्र न्यायालय पहुंचेंगे

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पेट्रोल एवं ईंधन संकट के प्रति जन जागरूकता बढ़ाने तथा पर्यावरण संरक्षण एवं वैकल्पिक यातायात आव्हान पर कल प्रातः लखनऊ के सभी जज साइकिल से जिला एवं सत्र न्यायालय पहुंचेंगे। डीजे लखनऊ मलखान सिंह के नेतृत्व में जनपद लखनऊ के समस्त न्यायिक अधिकारीगण द्वारा उनके सेशन हाउस डालीबाग़ स्थित आवास से साइकिल रैली के माध्यम से न्यायालय के लिए प्रस्थान करेंगे। यह पहल पेट्रोल एवं ईंधन संकट के प्रति जन जागरूकता बढ़ाने तथा पर्यावरण संरक्षण एवं वैकल्पिक यातायात के प्रति लोगों को प्रेरित करने के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है। एजे जस्टिस राजेश सिंह चौहान जिला जज के आवास से दिखाएंगे हरी झंडी।

यूपी में गो पालन पर 50% तक सब्सिडी

- 'ऑपरेशन-4' के तहत स्वदेशी गायों से डेयरी सेक्टर में बड़ा बदलाव
- 2 से 25 गाय तक लाखों का अनुदान, किसानों को सीधा फायदा
- चार बड़ी योजनाएं लागू, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिलेगी ताकत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में स्वदेशी गायों के संरक्षण और दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए योगी सरकार ने बड़ा डेयरी मास्टर प्लान तैयार किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश में चार बड़ी योजनाओं को लागू किया गया है, जिनके जरिए स्वदेशी नस्ल की गायों को बढ़ावा देने के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती दी जा रही है। योगी सरकार की इस रणनीति को 'ऑपरेशन-4' के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि इसके केंद्र में चार प्रमुख योजनाएं हैं। इनमें मुख्यमंत्री स्वदेशी गो संवर्धन योजना, मुख्यमंत्री प्रगतिशील पशुपालक प्रोत्साहन योजना, नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना और मिनी नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना शामिल हैं। इन योजनाओं के जरिए 2 गाय से लेकर 25 गाय तक की डेयरी इकाइयों पर लाखों रुपये का अनुदान दिया जा रहा है।

पशुपालन विभाग के अपर मुख्य सचिव मुकेश मेश्राम ने बताया कि योगी सरकार उन्नत स्वदेशी नस्ल की गायों को पालने के लिए भारी सब्सिडी दे रही है। नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना और मिनी नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना में डेयरी स्थापना और दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए 50 फीसदी तक अनुदान दिया जा रहा है। योजनाओं का वित्तीय मॉडल भी खास है। इसमें 15 फीसदी लाभार्थी निवेश, 35 फीसदी बैंक ऋण और 50 फीसदी सरकारी सब्सिडी तक का प्रावधान किया गया है। इससे छोटे और मध्यम किसानों के लिए डेयरी व्यवसाय शुरू करना आसान हो रहा है।

मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ-संवर्धन योजना के तहत दो गायों की इकाई पर अधिकतम 80 हजार रुपए तक अनुदान दिया जा रहा है। इससे प्रदेश में बड़े स्तर पर आधुनिक डेयरी नेटवर्क विकसित होगा। मुख्यमंत्री प्रगतिशील पशुपालक प्रोत्साहन योजना के तहत उच्च गुणवत्ता एवं अधिक दूध देने वाली स्वदेशी नस्ल की गायों को पालने वाले पशुपालकों को 10 हजार से 15 हजार तक प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। इससे बेहतर नस्लों के संरक्षण और दुग्ध उत्पादन दोनों को बढ़ावा मिल रहा है। योगी सरकार का फोकस गिर, साहीवाल और गंगातीरी जैसी उन्नत स्वदेशी नस्लों के संरक्षण और संवर्धन पर है। इन योजनाओं से गांवों में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। महिलाओं और युवाओं को डेयरी सेक्टर से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने की रणनीति पर तेजी से काम हो रहा है। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिलने की उम्मीद है।

योगी सरकार स्मार्ट कृषि को बनाएगी कृषि विकास का राष्ट्रीय मॉडल

लखनऊ। योगी सरकार कृषि क्षेत्र में तेजी से बदलाव की दिशा में आगे बढ़ रही है। योगी सरकार स्मार्ट कृषि, आधुनिक तकनीक, बाजार-उन्मुख नीतियों और किसानों की आय बढ़ाने वाली योजनाओं के माध्यम से प्रदेश को देश का अग्रणी कृषि मॉडल बनाने की दिशा में काम कर रही है। योगी सरकार का वर्ष 2047 तक उत्तर प्रदेश को सतत, उच्च-मूल्य एवं निर्यात-उन्मुख कृषि का वैश्विक केंद्र बनाने का लक्ष्य है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्ष 2047 के लिए कृषि क्षेत्र के व्यापक लक्ष्य भी निर्धारित किए हैं। योगी सरकार का लक्ष्य अनाज, दलहन और तिलहन की उत्पादकता में कई गुना वृद्धि करना है। फसल तीव्रता को 250 प्रतिशत से अधिक तक पहुंचाने, फसलोपरांत नुकसान को 4 प्रतिशत से कम करने और राष्ट्रीय कृषि निर्यात में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी को 15 प्रतिशत से अधिक तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके साथ ही जैविक खेती के दायरे को भी तेजी से बढ़ाने की योजना है।

वहीं कृषि उत्पादकता बढ़ाने, कृषि निर्यात को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने, फसल विविधीकरण को प्रोत्साहन देने और आधुनिक तकनीकों को खेती से जोड़ने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसी का परिणाम है कि आज उत्तर प्रदेश देश के प्रमुख कृषि क्षेत्र में मॉडल बनकर उभरा है। उत्तर प्रदेश खाद्यान्न, गेहूं, आलू, गन्ना, सब्जियों और शहद के उत्पादन में देश में प्रथम स्थान पर है। कृषि क्षेत्र में प्रदेश का योगदान लगातार बढ़ रहा है और कृषि सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) में उत्तर प्रदेश देश में दूसरे स्थान पर पहुंच चुका है। वर्तमान में प्रदेश का कृषि सकल मूल्य वर्धन लगभग 4.66 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जो प्रदेश की जीएसवीए का लगभग 15.7 प्रतिशत है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सिंचाई और फसल विविधीकरण को भी प्राथमिकता दी है। सूक्ष्म सिंचाई व्यवस्था के विस्तार से किसानों को कम पानी में अधिक उत्पादन का लाभ मिल रहा है। प्रदेश में कुल सिंचित क्षेत्र में 33 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। तिलहन क्षेत्रफल में 141 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि दलहन उत्पादन में 17 प्रतिशत और अनाज उत्पादन में 36 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इससे किसानों की आय में सुधार के साथ खेती अधिक लाभकारी बन रही है। इसके अलावा स्मार्ट कृषि, ड्रोन तकनीक, डिजिटल कृषि सेवाएं, जैविक खेती और कृषि आधारित स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन देकर खेती को आधुनिक बनाया जा रहा है। साथ ही विश्व बैंक समर्थित यूपी एग्रीज परियोजना भी प्रदेश के कृषि विकास मॉडल का महत्वपूर्ण हिस्सा बन रही है। लगभग 325 मिलियन डॉलर की इस परियोजना के माध्यम से पूर्वांचल और बुंदेलखंड के 28 जिलों में कृषि और मत्स्य पालन को बढ़ावा दिया जा रहा है। परियोजना का उद्देश्य किसानों की आय में वृद्धि, आधुनिक तकनीकों का विस्तार और कृषि उत्पादन में 30 प्रतिशत से अधिक बढ़ोतरी सुनिश्चित करना है। इससे पिछड़े क्षेत्रों के किसानों को विशेष लाभ मिल रहा है।

कृषि निर्यात में 2.13 गुना वृद्धि दर्ज की गई

वर्ष 2017 से 2025 के बीच कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां दर्ज की गई हैं। इस दौरान गेहूं की पैदावार में 16 प्रतिशत, अनाज उत्पादन में 17 प्रतिशत, तिलहन उत्पादन में 34 प्रतिशत और दलहन उत्पादन में 26 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। योगी सरकार ने कृषि क्षेत्र को केवल उत्पादन तक सीमित न रखते हुए इसे बाजार और निर्यात से जोड़ने की दिशा में भी बड़े कदम उठाए हैं। प्रदेश से कृषि निर्यात में भी तेजी से बढ़ोतरी हुई है। कृषि निर्यात में 2.13 गुना वृद्धि दर्ज की गई है और वित्तीय वर्ष 2024-25 में यह बढ़कर लगभग 7,139 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। योगी सरकार किसानों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने, कृषि उत्पादों की गुणवत्ता सुधारने और निर्यात मानकों के अनुरूप उत्पादन को बढ़ावा देने पर काम कर रही है।

अधिवक्ताओं ने 3 दिन का कार्य बहिष्कार किया

लखनऊ। अवैध अतिक्रमण हटाने के मामले में हुए विवाद के बाद पुलिस द्वारा अधिवक्ताओं पर लाठीचार्ज किए जाने के विरोध में सेंट्रल बार एसोसिएशन ने तीन दिन का कार्य बहिष्कार का फैसला लिया है। सेंट्रल बार एसोसिएशन ने पुलिस की कार्रवाई की निंदा करते हुए फरमान जारी किया है।

एसोसिएशन के अनुसार, लाठीचार्ज के विरोध में तीन दिनों तक कामकाज बंद रखा जाएगा। एसोसिएशन ने लाठीचार्ज के लिए जिम्मेदार ठाकुरगंज इंस्पेक्टर समेत अन्य पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में 20 मई को आमसभा बुलाई गई है, जिसमें आगे की रणनीति पर निर्णय लिया जाएगा।अधिवक्ताओं का कहना है कि अवैध अतिक्रमण हटाने के मुद्दे पर विवाद के बाद पुलिस ने उन पर लाठीचार्ज किया, जिसके विरोध में यह कदम उठाया गया है।

भीषण गर्मी को लेकर सीएम योगी ने दिए कड़े निर्देश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बढ़ती भीषण गर्मी को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को राहत और बचाव कार्यों के लिए सख्त निर्देश दिए हैं।सीएम योगी ने अस्पताल, बिजली और पानी की व्यवस्था पर विशेष नजर रखने को कहा है। उन्होंने सभी अस्पतालों में हीट स्ट्रोक वार्ड तैयार रखने के आदेश दिए हैं।

मौसम विभाग द्वारा जारी ऑरेंज अलर्ट के मद्देनजर 19 से 21 मई तक ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत बताई गई है। मुख्यमंत्री ने आम जनता से अपील की है कि दोपहर में घर से अनावश्यक रूप से बाहर न निकलें। खासकर बुजुर्गों और बच्चों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं कि गर्मी से संबंधित किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहें और राहत कार्यों को प्रभावी ढंग से संचालित करें।

योगी सरकार आयुष छात्रों को देगी 3-डी एनाटोमेज टेबल की सुविधा

- 3-डी एनाटोमेज टेबल से छात्र बिना शव के सीख सकेंगे मानव शरीर रचना विज्ञान
- उत्तर प्रदेश बनेगा देश का चौथा राज्य, जहां होगी 3-डी एनाटोमेज टेबल की सुविधा

लखनऊ। योगी सरकार आयुष चिकित्सा शिक्षा को आधुनिक तकनीकों से जोड़ने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाने जा रही है। सरकार आयुष चिकित्सा संस्थानों में अध्ययन और प्रशिक्षण को अधिक प्रभावी बनाने के लिए अत्याधुनिक 3-डी एनाटोमेज टेबल (डिजिटल शवगृह) उपलब्ध कराने की तैयारी कर रही है। इसका उद्देश्य आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी पद्धति से जुड़े चिकित्सकों एवं छात्रों को मानव शरीर रचना का आधुनिक और वैज्ञानिक अध्ययन उपलब्ध कराना है।

दरअसल, चिकित्सा शिक्षा में शवों की उपलब्धता लंबे समय से एक बड़ी चुनौती रही है। ऐसे में आयुष संस्थानों में भी शरीर रचना विज्ञान (एनाटॉमी) की पढ़ाई के लिए सीमित संसाधनों के कारण छात्रों को व्यावहारिक अध्ययन में कठिनाई का सामना करना पड़ता है। इसे देखते हुए योगी सरकार ने आधुनिक डिजिटल तकनीक को चिकित्सा शिक्षा से जोड़ने की रणनीति तैयार की है। इसे अपनाने वाला उत्तर प्रदेश देश का चौथा राज्य होगा।

आयुष महानिदेशक एवं मिशन निदेशक चैत्रा वी ने बताया कि योगी सरकार ने चिकित्सा शिक्षा में शवों की उपलब्धता की कमी को देखते हुए आयुष संस्थान के छात्रों को एनाटॉमी की पढ़ाई के लिए 3-डी एनाटोमेज टेबल उपलब्ध कराने की रणनीति तैयार की है। इसके तहत लखनऊ स्थित राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, राजकीय होम्योपैथी मेडिकल कॉलेज तथा राजकीय तकमील-उत्तिब यूनानी कॉलेज में यह सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इससे आयुष क्षेत्र में पढ़ाई कर रहे छात्र और प्रैक्टिस कर रहे डॉक्टर बिना वास्तविक शव (कैडेवर) के भी मानव शरीर की आंतरिक संरचना को अत्यंत सूक्ष्मता से समझ सकेंगे। उन्होंने बताया कि 3-डी एनाटोमेज टेबल एक अत्याधुनिक डिजिटल उपकरण है, जिसे 'डिजिटल शवगृह' भी कहा जाता है। यह विशाल टच-स्क्रीन आधारित प्रणाली होती है, जिसमें वास्तविक मानव शरीर के हाई-रिजॉल्यूशन 3-डी मॉडल उपलब्ध रहते हैं। छात्र व चिकित्सक इसमें मानव शरीर की त्वचा, मांसपेशियां, नसें, रक्त वाहिकाएं और हड्डियों को परत-दर-परत देखकर अध्ययन कर सकते हैं।

आयुष महानिदेशक ने बताया कि 3-डी एनाटोमेज टेबल की सबसे बड़ी विशेषता आभासी विच्छेदन (वर्चुअल डिसेक्शन) है। इसमें वास्तविक शव की आवश्यकता नहीं पड़ती, बल्कि डिजिटल मॉडल के माध्यम से शरीर के विभिन्न अंगों का अध्ययन किया जाता है। विद्यार्थी स्क्रीन पर अंगुलियों के स्पर्श से शरीर के किसी भी हिस्से को घुमा सकते हैं, जूम कर सकते हैं और अलग-अलग कोणों से देख सकते हैं। इसके अलावा एक्स-रे व्यू जैसी सुविधाओं के माध्यम से शरीर के भीतर की संरचनाओं को भी विस्तार से समझा जा सकता है। यह तकनीक केवल शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि चिकित्सा उपचार और सर्जरी की योजना बनाने में भी उपयोगी साबित हो रही है। इसमें मरीजों के सीटी स्कैन और एमआरआई स्कैन को अपलोड कर उनका त्रि-आयामी मॉडल तैयार किया जा सकता है। इससे चिकित्सकों को बीमारियों का अधिक सटीक विश्लेषण करने और उपचार की बेहतर योजना बनाने में सहायता मिलती है।

3-डी एनाटोमेज टेबल चिकित्सा छात्रों को मानव शरीर की जटिल संरचनाओं को वास्तविक रूप में समझने में मदद करती है। इससे विद्यार्थियों की व्यावहारिक समझ बढ़ती है और वे भविष्य में अधिक दक्ष चिकित्सक और सर्जन बन सकते हैं। वर्तमान में देश के चुनिंदा संस्थानों में ही यह सुविधा उपलब्ध है। दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान में 'शरीर रचना' विभाग में इसके माध्यम से वर्चुअल विच्छेदन कराया जाता है। इसके अलावा जयपुर के राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान तथा कर्नाटक के हासन स्थित एसडीएम आयुर्वेद कॉलेज में भी यह तकनीक उपयोग में लाई जा रही है। उत्तर प्रदेश में यह सुविधा शुरू होने के बाद प्रदेश देश का चौथा राज्य बन जाएगा, जहां आयुष चिकित्सा शिक्षा में 3-डी एनाटोमेज टेबल का उपयोग किया जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी के हाथों चेक पाकर भावुक हुए अनुदेशक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने बेसिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत कार्यरत हजारों अंशकालिक अनुदेशकों को बड़ी सौगात देते हुए उनके मानदेय में ऐतिहासिक बढ़ोतरी की है। इसके बाद प्रदेशभर के अनुदेशकों में खुशी की लहर है। रविवार को लखनऊ स्थित लोकभवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों चेक पाकर अनुदेशकों के चेहरे भी खुशी से खिल उठे। सभी अनुदेशकों ने एक स्वर में मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार ने उनकी वर्षों पुरानी मांग पूरी कर उन्हें सम्मान देने का काम किया है। दरअसल 24717 अंशकालिक अनुदेशकों का मानदेय वृद्धि 1 अप्रैल 2026 से 9 हजार रुपये बढ़ाकर 17 हजार रुपये प्रतिमाह कर दिया है। इस उपलक्ष्य में लोकभवन में अनुदेशक सम्मान समारोह एवं चेक वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चयनित 14 अनुदेशकों को चेक वितरित कर उन्हें सम्मानित किया। मुख्यमंत्री के हाथों चेक पाकर अनुदेशकों के चेहरे खिल उठे। उन्होंने इसे योगी सरकार की संवेदनशीलता और शिक्षा कर्मियों के प्रति सम्मान की भावना बताया। रायबरेली की अनुदेशक शिखा सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री के हाथों चेक पाकर उन्हें बेहद खुशी हुई है। शिखा सिंह ने बताया कि पहले 9 हजार रुपये में परिवार चलाना मुश्किल होता था, लेकिन अब सीधे 17 हजार रुपये मानदेय मिलने से बड़ी राहत मिलेगी।

शुभेंदु सरकार के पांच बड़े फैसले

महिलाओं को 3000 रुपये की सहायता, सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा का दिया तोहफा

कोलकाता। बंगाल की शुभेंदु सरकार ने कैबिनेट बैठक में बड़े फैसले लिए हैं। बंगाल सरकार की मंत्री अग्निमित्रा पॉल ने बैठक के बाद सरकार द्वारा लिए गए फैसलों की जानकारी दी। अग्निमित्रा पॉल ने बताया कि पश्चिम बंगाल मंत्रिमंडल ने महिलाओं के लिए अन्नपूर्णा योजना की मंजूरी दी है। साथ ही सातवें वेतन आयोग के गठन को भी मंजूरी दे दी गई है।

शुभेंदु सरकार के पांच बड़े फैसले क्या हैं?

- बंगाल में अन्नपूर्णा योजना को मंजूरी दी गई है। इस योजना के तहत राज्य की महिलाओं को 1 जून से हर महीने 3,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी।
- राज्य सरकार ने 1 जून से महिलाओं के लिए सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा को भी मंजूरी दे दी है।
- पॉल ने बताया कि राज्य कर्मचारियों, संबद्ध वैधानिक निकायों और शैक्षणिक संस्थानों के कर्मचारियों के लिए सातवें वेतन आयोग के गठन को भी कैबिनेट की मंजूरी मिल गई है।
- राज्य मंत्रिमंडल ने जून महीने से धार्मिक आधार पर समूहों को दी जाने वाली सरकारी सहायता बंद करने का भी फैसला किया है।
- नागरिकता संशोधन कानून (CAA) के तहत नागरिकता के लिए आवेदन करने वाले लोगों और मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के लिए ट्रिब्यूनल में आवेदन करने वाले लोगों को अन्नपूर्णा योजना का लाभ दिया जाएगा।

पहली कैबिनेट बैठक में भी शुभेंदु सरकार ने लिए थे बड़े फैसले

- शुभेंदु सरकार ने अपनी पहली कैबिनेट बैठक में भी कई बड़े फैसले लिए थे, जिनमें स्कूलों में नौकरी के लिए आवेदन करने वाले आवेदकों के लिए उम्र सीमा पांच साल बढ़ाने की मंजूरी देना भी शामिल है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने चुनाव प्रचार के दौरान इसका वादा किया था और शुभेंदु सरकार ने पहली ही कैबिनेट बैठक में इसकी मंजूरी दे दी थी।
- साथ ही राज्य में आयुष्मान भारत योजना लागू करने की मंजूरी भी दी गई है। इस योजना को पिछली तृणमूल कांग्रेस सरकार ने लागू करने से मना कर दिया था। इस योजना के तहत केंद्र सरकार आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को स्वास्थ्य बीमा की सुविधा प्रदान करती है। अब बंगाल के लोग भी इस योजना का लाभ ले सकेंगे।
- शुभेंदु सरकार ने बांग्लादेश की सीमा पर बाड़ लगाने के लिए बीएसएफ को जमीन देने के फैसले को भी मंजूरी दी। बंगाल में घुसपैठ रोकने के लिहाज से सरकार का यह फैसला बेहद अहम है। सीमा पर बाड़बंदी के लिए जमीन देने की प्रक्रिया सोमवार से शुरू हो गई है और इसे 45 दिनों के भीतर पूरा किया जाना है।
- शुभेंदु सरकार ने बंगाल में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) को भी औपचारिक रूप से लागू करने का फैसला लिया है। पिछली ममता बनर्जी सरकार ने इसे लागू करने से मना कर दिया था।
- बंगाल सरकार ने जनगणना से संबंधित गृह मंत्रालय के जून 2025 के परिपत्र तत्काल लागू करने का भी आदेश दिया है, जिन्हें पिछली सरकार ने नजरअंदाज किया था।

पत्थर फेंके, एसी भी तोड़े, टीएमसी नेता के घर फूटा लोगों का गुस्सा

नई दिल्ली। हावड़ा के आमता विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली कश्मुली ग्राम पंचायत में सोमवार को ग्रामीणों के भारी आक्रोश के कारण कानून-व्यवस्था बिगड़ गई. स्थानीय कश्मुली ग्राम पंचायत के प्रमुख तरुण दलुई के आवास पर एक उग्र भीड़ ने अचानक धावा बोल दिया और परिसर में जमकर तोड़फोड़ की. गांव के गुस्साए लोगों ने प्रधान के घर को निशाना बनाते हुए संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचाया।

घटना की जानकारी मिलते ही जॉयपुर पुलिस थाने के अधिकारी और भारी पुलिस बल तुरंत मौके पर पहुंचे। पुलिस ने स्थिति को अपने कंट्रोल में लिया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

जॉब कार्ड में गबन का आरोप

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, गांव वालों की इस नाराजगी की मुख्य वजह स्थानीय स्तर पर चल रहा वित्तीय भ्रष्टाचार है. ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत प्रमुख तरुण दलुई ने सरकारी आवास योजना (हाउसिंग स्कीम) के तहत गरीबों के लिए आवंटित किए गए फंड का गबन किया है.

इसके साथ ही, सरकारी योजनाओं से जुड़े 'जॉब कार्ड' की मजदूरी का पैसा भी लाभार्थियों तक नहीं पहुंचने दिया गया और उसे हड़प लिया गया. हक की कमाई और सरकारी मदद न मिलने से परेशान गांव वालों का धैर्य जवाब दे गया और उन्होंने सामूहिक रूप से प्रधान के घर का घेराव कर हमला कर दिया.

इस पूरी घटना को लेकर हावड़ा ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक सुबिरमल पाल ने फोन पर आधिकारिक पुष्टि की है. उन्होंने बताया कि 'जॉब कार्ड' और उससे जुड़े भुगतान को लेकर स्थानीय लोगों के बीच एक गंभीर विवाद खड़ा हो गया था. इसी विवाद के बढ़ने पर स्थानीय लोगों ने कानून अपने हाथ में लिया और पंचायत प्रमुख के आवास पर धावा बोल दिया.

पुलिस अधीक्षक सुबिरमल पाल ने आगे कहा कि पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया है, इस हिंसा और तोड़फोड़ की घटना में शामिल दोषी लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई शुरू की जा रही है।

वियतनाम और दक्षिण कोरिया दौरे पर राजनाथ सिंह

भारत की रक्षा साझेदारी को मिलेगी नई मजबूती

कोलकाता। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सोमवार को वियतनाम और दक्षिण कोरिया के आधिकारिक दौरे पर रवाना हुए। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य भारत की रक्षा साझेदारी को मजबूत करना, रणनीतिक सैन्य सहयोग बढ़ाना और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता और शांति को बढ़ावा देना है। राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी देते हुए कहा कि वे हनोई पहुंचकर इस यात्रा की शुरुआत करेंगे और दोनों देशों के साथ भारत के संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा करेंगे।

रक्षा सहयोग और समुद्री सुरक्षा पर रहेगा फोकस

रक्षा मंत्री ने बताया कि इस यात्रा के दौरान उनका ध्यान विशेष रूप से रक्षा सहयोग, सैन्य साझेदारी और समुद्री सुरक्षा पर रहेगा। उन्होंने कहा कि भारत, वियतनाम और दक्षिण कोरिया के साथ अपने रणनीतिक संबंधों को और विस्तार देना चाहता है। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा चुनौतियां बढ़ रही हैं और देशों के बीच सहयोग की आवश्यकता और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।

भारत-वियतनाम रक्षा साझेदारी में लगातार मजबूती

हाल ही में वियतनाम के राष्ट्रपति तो लाम की भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों ने रक्षा और सुरक्षा सहयोग को अपनी व्यापक रणनीतिक साझेदारी का अहम स्तंभ माना था। दोनों देशों ने रक्षा नीति संवाद, संयुक्त सैन्य अभ्यास, तकनीकी सहयोग, नौसेना बंदरगाह दौरे, रक्षा उत्पादन और समुद्री सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई थी। इसके अलावा भारत द्वारा दिए गए रक्षा ऋण लाइनों के तहत वियतनाम की सैन्य क्षमता को मजबूत करने की दिशा में भी प्रगति हुई है।

ईरान में सजा-ए-मौत का खौफनाक रिकॉर्ड! एक साल में ही 2 हजार से अधिक फांसी

टूटा 44 साल का रिकॉर्ड

नई दिल्ली। दुनियाभर में सजा-ए-मौत (फांसी) के मामलों को लेकर एक बेहद डराने वाली और चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आई है। मानवाधिकार संगठन एमनेस्टी इंटरनेशनल की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2025 के दौरान अकेले ईरान में ही कम से कम 2,159 लोगों को फांसी की सजा दी गई। यह आंकड़ा कितना खौफनाक है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि ईरान में साल 1981 के बाद यानी पिछले 44 सालों में किसी भी एक साल के भीतर दी गई यह सबसे ज्यादा फांसी है। ईरान में साल 2024 के मुकाबले 2025 में फांसी के मामलों में दोगुने से भी ज्यादा की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

वैश्विक स्तर पर रिकॉर्ड बढ़ोतरी और चीन का सीक्रेट

अगर पूरी दुनिया की बात करें, तो एमनेस्टी इंटरनेशनल ने साल 2025 में वैश्विक स्तर पर कम से कम 2,707 लोगों को फांसी दिए जाने की पुष्टि की है। यह संख्या साल 2024 की तुलना में दो-तिहाई से भी ज्यादा है। हालांकि, मानवाधिकार संगठन का कहना है कि इस वैश्विक आंकड़े में चीन के आंकड़े शामिल नहीं हैं। चीन को दुनिया में सबसे ज्यादा फांसी देने वाला देश माना जाता है, लेकिन वहां की सरकार मौत की सजा से जुड़े डेटा को स्टेट सीक्रेट्ज (सरकारी गोपनीयता) मानकर छिपाकर रखती है। एमनेस्टी का मानना है कि चीन जानबूझकर फांसी की खबरों को दबाता है ताकि वह जनता को यह संदेश दे सके कि सरकार सार्वजनिक सुरक्षा या स्थिरता के खिलाफ किसी भी खतरे को बर्दाश्त नहीं करेगी। चीन के इन छिपे हुए हजारों मामलों को छोड़ दिया जाए, तो भी आधिकारिक तौर पर दर्ज 2,707 का यह आंकड़ा साल 1981 के बाद से दुनिया में सबसे बड़ा है, जिसने मानवाधिकारों की धज्जियां उड़ाकर रख दी हैं।

इजरायल-अमेरिका से जंग का असर?

रिपोर्ट में साफ कहा गया है कि ईरान में फांसी के मामलों में यह चौंकाने वाली बढ़ोतरी तब देखी गई, जब वहां के हुक्मरानों ने सत्ता पर अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए मौत की सजा को एक राजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल करना शुरू कर दिया। खासकर जून 2025 में इजरायल के साथ भड़की जंग के बाद ईरानी प्रशासन ने अपनी जनता की आवाज दबाने, असंतोष को कुचलने और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानूनों को ताक पर रखने के लिए बड़े पैमाने पर लोगों को फंदे पर लटकाया।

बीमारी से तंग कैंसर मरीज ने अस्पताल में दी जान

ब्लेड से काटा खुद का गला

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के पीजीआई अस्पताल से एक दुखद घटना सामने आई है. अस्पताल में भर्ती एक मरीज की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होने से अस्पताल परिसर में हड़कंप मच गया. शख्स ने ब्लेड से अपना गला काटकर जान दे दी. घटना के बाद अस्पताल प्रशासन और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी कई सवाल उठने लगे हैं।

जानकारी के अनुसार, मृतक मरीज पिछले करीब एक महीने से अस्पताल में भर्ती था और वह लीवर कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहा था. बताया जा रहा है कि लंबे समय से चल रहे इलाज और आर्थिक परेशानियों के कारण वह काफी तनाव में था. हालांकि, इन बातों की आधिकारिक पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी।

घटना की जानकारी मिलते ही अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया. अस्पताल प्रशासन ने तत्काल पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. अधिकारियों का कहना है कि मामले के हर पहलू से जांच की जा रही है और परिस्थितियों को समझने के लिए संबंधित लोगों से पूछताछ भी की जाएगी।

फिलहाल पुलिस जांच रिपोर्ट और अन्य तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई कर रही है. इस घटना के बाद अस्पताल में भर्ती मरीजों और उनके परिजनों के बीच भी चिंता का माहौल देखा गया. वहीं प्रशासन मामले से जुड़ी सभी परिस्थितियों की गंभीरता से पड़ताल कर रहा है।

लखीमपुर खीरी में भीषण हादसा

ट्रक और मैजिक की भिड़ंत, दो भाइयों समेत 10 लोगों की मौत

लखीमपुर खीरी। लखीमपुर-बहराइच नेशनल हाईवे पर सोमवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई। यह भीषण हादसा ट्रक और मैजिक गाड़ी की टक्कर से हुआ। मरने वाले सभी लोग मैजिक गाड़ी में सवार थे। हादसे के बाद ट्रक का चालक मौके से भाग गया।

सुबह आठ बजे हुआ हादसा

सुबह करीब आठ बजे हुए भीषण हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर भारी पुलिस फोर्स पहुंचा। बचाव कार्य शुरू किया गया। घायलों को सीएचसी खमरिया में पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने नौ लोगों को मृत घोषित कर दिया। एक घायल को ओयल अस्पताल भेजा गया, जहां उसकी भी मौत हो गई।

नौ मृतकों की हुई पहचान

बताया जा रहा है कि मैजिक गाड़ी में 10 लोग सवार थे। इन सभी की मौत हो गई। हादसे में मरने वाले नौ लोगों की शिनाख्त हो गई है। मैजिक लखीमपुर से सिसैया जा रही थी, जबकि ट्रक बहराइच की ओर से आ रहा था।

इन मृतकों की हुई शिनाख्त

- अदनान (15 वर्ष) पुत्र अकील खान निवासी मुस्लिमनगर रामापुर, कोतवाली सदर, खीरी।
- पप्पू (18 वर्ष) पुत्र दूलन गौतम निवासी देवदत्तपुर थाना खैरी घाट, बहराइच।
- पवन पुत्र संतोष निवासी मझरा थाना मूर्तिहा, जनपद बहराइच।
- सोहन (21 वर्ष) पुत्र संतोष निवासी मझरा, थाना मूर्तिहा, जनपद बहराइच। पवन और सोहन आपस में सगे भाई हैं।
- राजेश गोयल पुत्र मनिलाल निवासी महपुरवा थाना मिहींपुरवा, बहराइच।
- सहजराम (35 वर्ष) पुत्र छोटेलाल निवासी ककरहा मूर्तिहा, जनपद बहराइच।
- जयवीर सिंह पुत्र पेशकार सिंह निवासी मनगौढिया, जनपद बहराइच।
- गायत्री गुप्ता (44 वर्ष) रमेश चंद्र गुप्ता मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर बस स्टॉप सीतापुर थाना कोतवाली सदर, खीरी।
- जुलेखा 45 पत्नी हबीब, पलटूपुरवा थाना धौरहरा।

जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी अस्पताल पहुंचे। उन्होंने घायलों से बातचीत कर घटना की जानकारी ली और घटनास्थल का भी मुआयना किया।

वर्चस्व की जंग: NCP में सियासी खींचतान

अनुभवी नेताओं और युवा गुट के बीच फंसीं सुनेत्रा पवार

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) में इन दिनों पार्टी पर कब्जे को लेकर एक शांत लेकिन तीखी जंग चल रही है। इस विवाद के केंद्र में महाराष्ट्र की पहली महिला उपमुख्यमंत्री और पार्टी की नई राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनेत्रा पवार हैं। बारामती उपचुनाव जीतने के बाद अब उनके सामने पार्टी के भीतर दो गुटों को संभालने की बड़ी चुनौती है।

एक पत्र के सामने आने के बाद उड़ीं खबरें

पार्टी के जानकार बताते हैं कि सुनेत्रा पवार अपने बेटे पार्थ पवार के युवा गुट और प्रफुल्ल पटेल व सुनील तटकरे जैसे अनुभवी नेताओं के बीच फंसी हुई हैं। यह विवाद तब खुलकर सामने आया जब सुनेत्रा पवार ने चुनाव आयोग को एक पत्र भेजा। इस पत्र में प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे के पदों का जिक्र नहीं किया गया था। जबकि छोटे पदाधिकारियों के पद साफ लिखे थे, इन दो बड़े नेताओं के नाम के आगे जगह खाली छोड़ दी गई थी।

इस पत्र के लीक होने से पार्टी में फिर से फूट की खबरें उड़ने लगीं। हालांकि, सुनेत्रा पवार और उमेश पाटिल जैसे नेताओं ने इसे तकनीकी गलती बताया। लेकिन अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि यह पार्थ पवार के नेतृत्व वाले युवा गुट की एक सोची-समझी चाल थी। इसका मकसद अनुभवी नेताओं को पार्टी पर पूरी तरह कब्जा करने से रोकना था।

सुनेत्रा पवार के सामने तीन बड़ी चुनौतियां

सुनेत्रा पवार के सामने अब तीन बड़ी चुनौतियां हैं। पहली चुनौती परिवार और अनुभवी नेताओं के बीच संतुलन बनाना है। अगर वह दिग्गजों को किनारे करती हैं, तो पार्टी का ढांचा कमजोर हो सकता है। दूसरी चुनौती संसाधनों की कमी है। दिवंगत अजित पवार के पास वित्त मंत्रालय था, जिससे वह ग्रामीण क्षेत्रों के नेताओं को फंड दे सकते थे। सुनेत्रा के पास अभी आबकारी और खेल जैसे मंत्रालय हैं। ऐसे में जिला बैंकों और सहकारी संस्थाओं के नेताओं को अपने साथ जोड़े रखना उनके लिए मुश्किल होगा। तीसरी चुनौती शरद पवार के गुट से मिल रही टक्कर है। रोहित पवार जैसे विपक्षी नेता इस आंतरिक कलह का फायदा उठा रहे हैं। वे अफवाहें फैला रहे हैं कि अनुभवी नेता केवल अपने फायदे के लिए पवार परिवार का साथ दे रहे हैं।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक श्री हेमंत खण्डेलवाल ने सोमवार को लोकभवन पहुंचकर मध्यप्रदेश के राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल से सौजन्य भेंट की।

बांग्लादेश में राजनीतिक हिंसा

बेटे को बचाने आई मां की हत्या, बेटे ने लगाया बीएनपी कार्यकर्ताओं पर आरोप

नई दिल्ली। बांग्लादेश के कॉक्स बाजार जिले में शनिवार शाम राजनीतिक हिंसा के दौरान 55 वर्षीय सयादा बेगम की कथित तौर पर बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और उसके छात्र संगठन छात्र दल के कार्यकर्ताओं के हमले में घायल होने के बाद मौत हो गई। यह घटना उखिया उपजिला में हुई, जहां एक दीवार पर लिखे नारों को लेकर विवाद शुरू हुआ था। सयादा बेगम अपने बेटे को बचाने के लिए दौड़ी थीं, जिस पर हमला किया जा रहा था।

बेटे को बचाने आई मां की हत्या

स्थानीय मीडिया ने बताया कि कुछ दिन पहले ताइपालोंग मदरसा की दीवार पर जय बंगला, जयतु शेख हसीना के नारे लिखे गए थे। इस घटना के बाद स्थानीय बीएनपी नेताओं ने अवामी लीग और उसके छात्र संगठन छात्र लीग के कई कार्यकर्ताओं के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। रिपोर्टों के अनुसार, छात्र दल के कार्यकर्ता जिसान सिकदर ने इस ग्रैफिटी को लेकर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया था। इस पोस्ट पर छात्र दल से जुड़े मोहम्मद यूनुस ने कथित तौर पर ठहाके लगाकर प्रतिक्रिया दी।

इसके बाद बीएनपी और छात्र दल के कई कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर यूनुस पर हमला कर दिया। यूनुस को बचाने के लिए उसके दोस्त एसएम इमरान के आने पर हमलावरों ने उसे भी पीटना शुरू कर दिया। परिवार के सदस्यों के अनुसार, इमरान पर हमले की खबर मिलते ही उसकी मां सयादा अपने बेटे को बचाने के लिए दौड़ीं। इसी दौरान उन्हें धक्का देकर जमीन पर गिरा दिया गया, जिसके बाद उन्हें उखिया उपजिला स्वास्थ्य परिसर ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बेटे ने लगाए गंभीर आरोप

इमरान ने स्थानीय वार्ड बीएनपी अध्यक्ष अब्दुर रहीम और उनके बेटे आकाश पर हमला करने का आरोप लगाया है। उन्होंने बीएनपी नेता मिजान सिकदर और उनके बेटे जिसान सिकदर सहित एक दर्जन से अधिक लोगों को भी इस हमले का जिम्मेदार ठहराया। इमरान ने द डेली स्टार से कहा, मेरी मां मुझे बचाने के लिए दौड़ी थीं। हमलावरों ने मेरी मां का गला पकड़कर उन्हें धक्का दिया, जिससे वह जमीन पर गिर गईं। इमरान ने आगे कहा कि उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि उनका परिवार राजनीति से जुड़ा नहीं है और वह अपनी मां के लिए न्याय चाहते हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के बेटे ने घटना को बताया शर्मनाक

इस हमले की निंदा करते हुए बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद ने इसे शर्मनाक घटना बताया। उन्होंने कहा कि यह किसी भी सभ्य समाज के लिए अस्वीकार्य है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वाजेद ने लिखा कि जय बंगला, जयतु शेख हसीना का नारा बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम के इतिहास से गहराई से जुड़ा है।

स्वत्वाधिकारी अभिव्यक्ति प्रकाशन प्रा.लि.के लिए प्रकाशक सुभाष मिश्रा के लिए, मुद्रक प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप 11 प्रेस कॉम्पलेक्स एमपी नगर जोन-1 भोपाल (म.प्र) भोपाल म.प्र.से मुदित एवं एसआर-4-102, रुदाक्ष पार्क फेस-1 बबाड़िया कलां, भोपाल, म.प्र.से प्रकाशित, प्रधान संपादक -सुभाष मिश्रा, सलाहकार संपादक- भालचन्द्र जोशी, स्थानीय संपादक- अंशुमन खरे आरएनआई रजि. RNI.NO.MPHIN/ 25/A3544 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।